देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा मंगलवार 31 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 73 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA–30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर–गोण्डा

मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत गोरखपुर एवं सिद्धार्थनगर हेतु 426.16 लाख रूपये मंजूर

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के तहत जनपद गोरखपुर एवं सिद्धार्थनगर में विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु 426.16 लाख रूपये मंजुर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गयी है। इस सम्बन्ध में नियोजन विभाग ने आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। आदेशानुसार जनपद गोरखपुर में मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय सिंघडिया तक आर0सी0सी0 नाला का निर्माण कार्य हेतु 286.94 लाख रूपये तथा जनपद सिद्धार्थनगर में सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण कार्य हेतु 139.22 लाख रूपये मंजूर किये गये हैं।

गन्ना मूल्य भुगतान प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल –मुख्यमंत्री

गन्ना मूल्य भुगतान न करने वाली चीनी मिलों के विरुद्ध वसूली प्रमाण-पत्र जारी करते हुए गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित कराया जाये

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा है कि गन्ना मूल्य भुगतान प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने निर्देशित किया है कि जिन डिफाल्टर चीनी मिलों द्वारा अभी तक पेराई सत्र 2022-23 का गन्ना मूल्य भुगतान नहीं किया है, उनके देय गन्ना मूल्य का भुगतान प्राथमिकता पर कराया जाये। गन्ना मूल्य भुगतान न करने वाली चीनी मिलों के विरुद्ध वसूली प्रमाण-पत्र जारी करते हुए गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित कराया जाये।

मुख्यमंत्री जी के कड़े रूख के फलस्वरूप बजाज समूह द्वारा पेराई सत्र 2022-23 के देय गन्ना मूल्य के सापेक्ष एकमुश्त 1,371 करोड़ रुपये की धनराशि अपनी चीनी मिलों से सम्बद्ध किसानों के खातों में विगत 24 घंटों में अन्तरित की गयी है। बजाज समूह की चीनी मिलों से सम्बद्ध लगभग 5.25 लाख गन्ना किसानों के खातों में बकाया गन्ना मूल्य की धनराशि पहुंचने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। त्योहारों के समय लम्बित धनराशि प्राप्त होने पर गन्ना किसानों ने मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। बजाज समूह की चीनी मिलों द्वारा अन्तरित की गई धनराशि के अन्तर्गत चीनी मिल गागनौली सहारनपुर द्वारा 98 करोड़ रुपये, थाना भवन शामली द्वारा 142 करोड़ रुपये, भैसाना मुजफ्फरनगर द्वारा 112 करोड़ रुपये, किनौनी मेरठ द्वारा 180 करोड़ रुपये, बिलाई बिजनौर द्वारा 90 करोड़ रुपये, बरखेड़ा पीलीभीत द्वारा 93 करोड़ रुपये, मकसूदापुर शाहजहांपुर द्वारा 68 करोड़ रुपये, गोला गोकर्णनाथ लखीमपुरखीरी द्वारा 185 करोड़ रुपये, पलियाकलां लखीमपुरखीरी द्वारा 157 करोड़ रुपये, खम्भारखेड़ा लखीमपुरखीरी द्वारा 82 करोड़ रुपये, कुंदरखी गोण्डा द्वारा 82 करोड़ रुपये, इटईमैदा बलरामपुर द्वारा 37 करोड़ रुपये, रुदौली बस्ती द्वारा 37 करोड़ रुपये तथा प्रतापपुर देवरिया द्वारा 10 करोड़ रुपये की धनराशि शामिल है।

मुख्यमंत्री जी ने गन्ना मूल्य भुगतान न करने वाली चीनी मिलों की चीनी व अन्य सह-उत्पादों की तेजी से बिक्री कर प्राथमिकता पर गन्ना किसानों को गन्ना मूल्य का भुगतान कराए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी के सख्त रूख के परिणामस्वरूप चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा अन्य बकायेदार समूहों यथा-राणा, यदु, ओसवाल, केसर, सिम्भावली, मोदी और शामली की चीनी मिलों में उपलब्ध चीनी स्टॉक, शीरा, बगास, खोई एवं अन्य सह-उत्पादों की तेजी से बिक्री कर प्राप्त धनराशि से गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित कराने हेतु चीनी मिलों एवं विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये गये हैं। विभागीय अधिकारियों को यह निर्देश भी दिये गये हैं कि यदि चीनी मिलें इन निर्देशों का अनुपालन नहीं करती हैं, तो उनके विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करते हुए बकाया गन्ना मूल्य भुगतान की वसूली हेतु वसूली प्रमाण-पत्र जारी करने की संस्तुति प्रेषित की जाये। इसके अतिरिक्त, चीनी मिलों पर पैनी निगाह रखते हुए टैगिंग आदेश का अनुपालन सुनिश्चित

कराये जाने के भी निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये गये हैं। साथ ही, उन्हें सचेत किया गया है कि यदि चीनी मिलें टैगिंग आदेश का अक्षरशः अनुपालन नहीं करती हैं अथवा चीनी बिक्री से प्राप्त होने वाली धनराशि का व्यावर्तन करती हैं, तो इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त न किया जाये। ऐसा करने वाले चीनी मिलों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। मुख्यमंत्री जी ने गन्ना किसानों के हित में प्रदेश स्थित सभी चीनी मिलों में पेराई सत्र समय से प्रारम्भ कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना आवंटन पारदर्शिता के साथ करते हुए, चीनी मिलों को समय से प्रारम्भ कराया जाये, ताकि किसान गन्ने की कटाई कर गेहूं की बुवाई समय से कर सकें। इस क्रम में अब तक प्रदेश की 32 चीनी मिलों द्वारा पेराई सत्र प्रारम्भ करने हेतु इण्डेन्ट जारी करते हुए गन्ना खरीद प्रारम्भ कर दी गई है। उन्होंने चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा संचालित स्मार्ट गन्ना किसान प्रोजेक्ट के अन्तर्गत पर्ची निर्गमन व्यवस्था की तर्ज पर स्मार्ट गन्ना किसान प्रोजेक्ट से ही एक समान व्यवस्था के अन्तर्गत ऑटोमेटेड गन्ना मूल्य भुगतान प्रणाली लागू करने के निर्देश भी दिए हैं। गन्ना किसानों के हित में चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग द्वारा सभी गन्ना समितियों को निर्देशित किया गया है कि गन्ना किसानों की गन्ना आपूर्ति समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण सुनिश्चित करायें तथा रबी सीजन के दृष्टिगत उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं की उपलब्धता बनाये रखें। गन्ना प्रजाति एवं बीज बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने हेतु प्रदेश की महिला शक्ति ने प्रदेश के 37 जिलों में गठित 3,201 महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अब तक विभिन्न नव विकसित गन्ना प्रजातियों के उत्पादित 29.50 करोड़ सीडलिंग का वितरण कर गन्ना बीज एवं प्रजाति बदलाव में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चित्रकूट में पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्र के पुत्र के निधन पर उनके आवास पर जाकर व्यक्त किया शोक संवेदना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य सहित तमाम जनप्रतिनिधियों ने सोमवार को पूर्व सांसद श्री भैरव प्रसाद मिश्र जी के पुत्र के आकस्मिक निधन होने पर उनके आवास पर जाकर शोक संवेदना प्रकट किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य का देवांगन एयरपोर्ट चित्रकूट में आगमन के दौरान, राज्य मंत्री जल शक्ति विभाग श्री रामकेश निषाद, जिलाधिकारी श्री अभिषेक आनन्द तथा पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला, मां, जिलाध्यक्ष श्री लव कुश चतुर्वेदी, विधायक श्री प्रकाश द्विवेदी, अध्यक्ष जिला पंचायत चित्रकूट श्री अशोक जाटव, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक श्री पंकज अग्रवाल, पूर्व सांसद श्री रमेश चंद्र द्विवेदी, श्री आलोक पांडेय ,सांसद प्रतिनिधि श्री शक्ति प्रताप सिंह तोमर, ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी श्री सुशील द्विवेदी, रामनगर श्रीगंगाधर मिश्रा, मानिकपुर श्री अरविंद मिश्रा, अध्यक्ष नगर पंचायत राजपुर श्री संजीव मिश्रा, श्री सुनील सिंह पटेल, श्री आनंद त्रिपाठी, भागवत प्रसाद, देव त्रिपाठी, राजकुमार त्रिपाठी, हरि ओम करवरिया, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अपर जिला अधिकारी (नमामि गंगे) श्री सुनंदू सुधाकरण, जिला विकास अधिकारी श्री आरके त्रिपाठी, डीसी मनरेगा श्री धर्मजीत सिंह, डीसी एनआरएलएम श्री ओम प्रकाश, पुलिस क्षेत्राधिकारी राजापुर, निष्ठा उपाध्याय सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री जी को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को प्रभावी रूप से संचालित किया जाए–धर्मपाल सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने आज यहां विधानभवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में 01 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक निराश्रित गोवंश के संरक्षण हेतु चलाये जाने वाले अभियान की गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि निराश्रित गोवंश हेतु पर्याप्त गोसंरक्षण केन्द्रों की स्थापना की जाए और गोवंश के भरण पोषण हेतु पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित कर लिये जाए। इसके साथ ही गोसंरक्षण केन्द्रों पर नंदी के लिए अलग शेड की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि संरक्षित गोवंश की साप्ताहिक एवं पाक्षिक रिपोर्ट मुख्यालय पर उपलब्ध कराई जाए और टीम-09 द्वारा दिनांक 07, 08 एवं 09 नवम्बर को प्रभारी मण्डलों में उन ब्लाकों पर विशेष ध्यान दिया जाए जहाँ अधिक संख्या में निराश्रित गोवंश की सूचना प्राप्त हो रही है। श्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि गोवंश के संरक्षण में संवेदनशीलता बरती जाए और टैऊक्टर एवं कैटल कैचर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से कर ली जाए। उन्होंने कहा कि इस अभियान में गृह विभाग, राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, नगर विकास विभाग एवं पंचायती राज विभाग से समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाया जाए। उन्होंने कहा कि संरक्षित किये जाने वाले गोवंश की देखभाल हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थायें चारा, भूसा, टीनशेड, विद्युत आपूर्ति, पेयजल एवं उपचार आदि के पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित किये जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि गोआश्रय स्थलों को आत्मनिर्भर बनाया जाए और इसके लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को प्रोत्साहित करते हुए प्रभावी रूप से संचालित किया जाए। वर्तमान में 6943 गोआश्रय स्थल जिनमें 1211247 गोवंश संरक्षित किये गये हैं।

पशुधन मंत्री ने लम्पी स्किन डिजीज पर प्रभावी नियंत्रण हेतु संतोष व्यक्त किया। अब तक लम्पी स्किन डिजीज हेतु 1.59 करोड़ टीकाकरण किया गया है। बैठक में प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास अपर मुख्य सचिव डा0 रजनीश दुबे ने मंत्री जी को निराश्रित गोवंश को गोआश्रय स्थलों तक पहुंचाने, गोआश्रय स्थलों का विस्तारीकरण, निर्माणाधीन गोशालाओं की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यथाशीघ्र निर्माणाधीन गोआश्रय स्थलों का कार्य पूर्ण कराया जाए और उनमें गोवंश को संरक्षित किया जाए एवं आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाए। बैठक में पशुधन विभाग के विशेष सचिव श्री देवेन्द्र पांडेय, विशेष सचिव श्री अमरनाथ उपाध्याय, निदेशक पशुपालन गोधन डा0 जे0के0 पांडेय तथा एलडीबी के कार्यकारी अध्यक्ष डा0 नीरज गुप्ता उपस्थित थे।

प्रत्येक ब्लाक क्षेत्र की सबसे पिछड़ी 10 ग्राम सभाओं चयन कर वहां युद्ध स्तर पर विकास कार्य करायें – केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल बांदा के सभागार में सोमवार को मण्डल के क्षेत्र पंचायत प्रमुखों एवं खण्ड विकास अधिकारियों की कार्यशाला सम्पन्न हुई। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने 70 करोड़ 20 लाख 40 हजार की धनराशि का डेमों चेक स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को भेंट किया ।कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सभी खण्ड विकास अधिकारी एवं ब्लाक प्रमुखों के मध्य अच्छा समन्वय व तारतम्य रहेगा ,तो विकास कार्यों में और अधिक गति आयेगी। गॉव के विकास से जिला एवं जिले के विकास से प्रदेश का विकास होता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश एवं मण्डल को बनाना है। क्षेत्र पंचायत की बैठकों में सभी सम्बंधित अधिकारी अवश्य उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ब्लाक प्रमुख महीने में एक बार, ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्यों की बैठक ब्लाक स्तर पर करें ।इसके पश्यचात जिला स्तर पर जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लाक स्तर पर जिन समस्याओं का निस्तारण नही हो सका हो, उन समस्याओं का जिला स्तर पर निस्तारण किया जाए। कहा कि हर ब्लाक क्षेत्र के 10 ग्राम सभाओं को, जो विकास में पीछे हैं, उन्हें चिन्हित कर विकास कार्यों से आच्छादित करने हेतु कार्ययोजना बनाकर विकास कार्यों को किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना- ग्रामीण की पात्रता सूची में विशेष ध्यान रखा जाए, पात्र लाभार्थी छूटने न पायें। 'उन्होंने इन आवास योजना के दस प्रतिशत गॉव के लाभार्थियों की पात्रता की जांच की जाए'। गरीब कल्याण की योजनाओं में किसी प्रकार की अनिमितता नही होने पाये, यदि कोई ऐसा करता है तो सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी अमृत सरोवर, अमृत वाटिका का निरीक्षण अवश्य करें तथा वहां की व्यवस्थाओं की निगरानी अवश्य बनाये रखी जाए। ब्लाक प्रमुख हर माह में एक दिन स्वच्छता हेतु अवश्य दें, हम सभी का कर्तव्य है कि सब लोग स्वच्छता में सहयोग दें, ताकि प्रदेश को साफ, स्वच्छ एवं बीमारी रहित बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रदेश में अनेकों विकास योजनायें चलायी जा रही हैं। हर-घर-नल-जल योजना का कार्य प्रदेश में युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है। मण्डल में भी यह कार्य तेजी के साथ हो रहा है, अधिकारी भ्रमण के दौरान देखें कि कार्य सही ढंग से हो रहा है कि नही। विद्युत सम्बन्धी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ब्लाक प्रमुख एवं बीडीओ में संवाद स्थापित करना है ताकि दोनो के माध्यम से विकास को गति प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि तीन वर्ष से ज्यादा एक ब्लाक पर तैनाती होने पर सम्बन्धित कर्मियों का क्षेत्र परिवर्तन किया जाए।

कार्यशाला के दौरान उपस्थित ब्लाक प्रमुखों की समस्याओं को सुना गया, जिसमें चित्रकूट के ब्लाक प्रमुख ने ब्लाक में एकाउन्टेन्ट की कमी, हमीरपुर में बीडीओ, सहायक विकास अधिकारी व एकाउटेंन्ट की कमी, बतायी, उन्होंने सचिवों के स्थानान्तरण हेतु ब्लाक प्रमुखों से सहमति लेने जैसे तमाम मसले रखें। उन्होंने मनरेगा का कार्य क्षेत्र पंचायतों से भी कराये जाने के निर्देश दिये तथा कहा कि स्वच्छता का कार्य सही ढंग से अवश्य कराया जाए। कार्यशाला के दौरान उपस्थित ब्लाक प्रमुखों द्वारा उप मुख्यमंत्री से मुलाकात हेतु एक दिन का समय निर्धारित करने की मांग रखी, जिस पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक माह के मंगलवार को जनप्रतिनिधियों से मुलाकात का समय निर्धारित है, जिस पर आप लोग सम्पर्क कर मुलाकात कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा गॉव, गरीब, किसान एवं महिला सशक्तिकरण को बढावा देना है।

वन क्षेत्रों से गुजरने वाली नदियों की साफ-सफाई हेतु उ0प्र0 वन निगम होगा नोडल एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि वन क्षेत्रों से गुजरने वाली नदियों की साफ-सफाई इत्यादि कार्य हेतु उ0प्र0 वन निगम को नोडल एजेन्सी नामित किया जाये। इस हेतु उ0प्र0 वन निगम द्वारा वन विभाग के माध्यम से शासन को प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाये। डा0 सक्सेना ने यह निर्णय आज वन क्षेत्रों से गुजरने वाली नदियों की साफ-सफाई के संबंध में आयोजित बैठक में लिए। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई वन्यजीव परिषद की 15वीं बैठक में नदियों में बढ़ती गाद एवं बाढ़ की समस्या के दृष्टिगत उनकी डेऊजिंग करने का सुझाव दिया गया ताकि विभिन्न गांव के कटान को न्यूनिकृत किये जाने के साथ-साथ वनों एवं वन्यजीव की सुरक्षा की जा सके। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष श्री एस0के0 शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव श्री अंजनी कुमार आचार्य, निदेशक उ0प्र0 वन निगम श्री अनुपम गुप्ता के साथ-साथ पर्यावरण एवं खनिकर्म विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

अयोध्या में दीपोत्सव-2023 के आयोजन के लिए समस्त कार्यों को समय से पूरा कराये-जयवीर सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने राज्य सेक्टर के अंतर्गत कार्यदायी संस्थाओं को आवंटित योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि परियोजना से संबंधित समस्त कार्य आगामी 31 मार्च, 2024 तक अनिवार्य रूप से पूरा कराया जाए। साथ ही कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही मा0 मुख्यमंत्री जी से लोकार्पित करायी जाने वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता जांच की रिपोर्ट यथाशीघ्र प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में अधोमानक सामग्री का उपयोग पाये जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के साथ ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट करते हुए एफआईआर भी दर्ज कराई जाए।

पर्यटन मंत्री आज पर्यटन भवन में विभागीय कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर अयोध्या में कराये जाने वाले दीपोत्सव-2023 की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दीपोत्सव के मामले में गिनीज विश्व रिकार्ड बनाया जाना है। इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही अथवा चूक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने दीपोत्सव से संबंधित अधिकारियों को दीपोत्सव स्थल का स्थलीय निरीक्षण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने दीपोत्सव कार्य के लिए उत्तरदायी एजेंसियों के कार्यों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि दीपोत्सव के माध्यम से अयोध्या को त्रेतायुग की दिव्य एवं भव्य अयोध्या बनाना है। इसलिए अधिकारी इसमें कोई कोताही न बरते। श्री जयवीर सिंह ने राही पर्यटक इकाइयों को पीपीपी मैनेजमेंट कान्ट्रैक्ट पर संचालित करने संबंधित कार्यों की समीक्षा की। इसके साथ ही भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों के प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पर्यटन विभाग के डैशबोर्ड पर यू0सी0 अपलोडिंग के कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा मुख्यमंत्री जी द्वारा लोकार्पण व शिलान्यास की जाने वाली परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में भी समीक्षा की। उन्होंने पिछली समीक्षा बैठक में निर्देशों की अनुपालन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि समीक्षा के दौरान दिये गये निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। पर्यटन मंत्री ने कार्यदायी संस्थाओं को आवंटित पर्यटन विकास योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रदेश में देशी-विदेशी पर्यटकों का बड़ी संख्या में आने की संभावना है। इसको दृष्टिगत रखते हुए समस्त निर्माणाधीन योजनाओं को समय से मानक के अनुसार पूरा करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि काशी, मथुरा, गोरखपुर, प्रयागराज एवं अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ेगी। इस दृष्टि से भविष्य में अवस्थापना सुविधाओं पर दबाव बढ़ेगा, इसको देखते हुए सभी कार्य पूरा कर लिया जाए। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति तथा धर्मार्थ कार्य श्री मुकेश मेश्राम ने बैठक में बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य सेक्टर के अंतर्गत कार्यदायी संस्थाओं को 693 परियोजनायें आवंटित की गयी हैं। इसमें से 172 परियोजनाओं को शासन द्वारा वित्तीय स्वीकृतियॉ जारी की गयी है। उन्होंने बताया कि इन से नैमिषारण्य धाम तीर्थ विकास परिषद से संबंधित 08, चित्रकूट विकास परिषद से संबंधित 25 तथा मिर्जापुर विन्ध्य धाम तीर्थ विकास परिषद से संबंधित 25 परियोजनायें एवं राज्य सेक्टर से संबंधित 635 परियोजनायें हैं। इसके अलावा उ0प्र0 राज्य पर्यटन विकास निगम की 156 परियोजनायें हैं। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये कि पैनल लिस्ट में शामिल आर्किटेक्ट से ही कार्य लिया जाए।

पीड़ित का साइबर फ्राड में गया पैसा बैंक में होल्ड करवा कर कराया गया वापस

.त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान एवं संज्ञेय अपराध होने से रोकने के दृष्टिगत नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक गोण्डा व क्षेत्राधिकारी नगर गोण्डा के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात महेन्द्र कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में सोमवार को कोतवाली देहात पुलिस साइबर हेल्प डेस्क द्वारा पीड़ित प्रशांत तिवारी निवासी ग्राम काशीपुर पो0 खरगूपुर थाना कोतवाली देहात जनपद गोण्डा जिसका बैंक में था। आवेदक के पास एक फर्जी नं0 से कॉल आकर फर्जी तरीके से प्रलोभन देकर आवेदक प्रशांत तिवारी ग्राम काशीपुर पो0 खरगूपुर थाना कोतवाली देहात जनपद गोण्डा से साइबर हैकर द्नारा प्रलोभन में लेकर पैसा ट्रांसफर करा लिया जाता है आवेदक प्रलोभन में आकर अपना पैसा 100,200,800,.....करके कुल 18 बार में 45000रू0/- भेज देता है। जिस पर आवेदक द्वारा तत्काल थाना हाजा पर सूचित किया गया। उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुये थाना कोतवाली देहात साइबर हेल्प डेस्क द्वारा त्वरित कार्यवाही कर 1930 पर काल कराकर आवेदक का 45000 रू0/- में से कुल 12500 रू0/-बैंक में होल्ड करा कर

सोमवार को थाना कोतवाली देहात द्वारा साइबर पोर्टल पर काम कर और समन्वय स्थापित कर 12500 रुपये को पुनः आवेदक के खाते में वापस कराया गया। आवेदक प्रशांत तिवारी की धनराशि ?12500/- वापस मिल जाने पर पीड़ित प्रशांत तिवारी द्वारा प्रभारी निरीक्षक व साइबर हेल्पडेस्क टीम थाना कोतवाली देहात जनपद गोण्डा का आभार व्यक्त किया गया। साइबर हेल्पडेस्क टीम में क0आ0 प्रवीण पाण्डेय म0आ0 दिपाँशी मिश्रा (साइबर हेल्प डेस्क) शामिल रहे।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के लिए चलाया जा रहा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान

अभियान को सफल बनाने के लिए भागीदार बने, जिम्मेदार बनें –मुख्य निर्वाचन अधिकारी

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान 27 अक्टूबर से 09 दिसम्बर, 2023 तक मतदाता बनने के लिए दावे और आपत्तियॉ (फार्म-6, 6ए, 7 व 8) ली जायेंगी। मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन अवधि में छह विशेष अभियान तिथियां, जिसमें 04 नवम्बर, 05 नवम्बर, 25 नवम्बर, 26 नवम्बर, 02 दिसम्बर तथा 03 दिसम्बर, 2023 निर्धारित हैं। प्रदेश के समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी पदाभिहित स्थलों पर निर्वाचक नामावलियों के आलेख्य का प्रकाशन 27 अक्टूबर, 2023 को कर दिया गया, जो कि इस कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने आज जनपथ सचिवालय स्थित अपने कार्यालय के 07वें तल मीडिया सेन्टर में प्रेसवार्ता कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 05 जनवरी, 2023 के पश्चात् की सभी पूरक सूचियां भी इस कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। मतदाता सूची के ड्रॉफ्ट प्रकाशन के समय कुल 15,03,39,879 मतदाता है, जिसमें 08,05,15,501 पुरूष, 06,98,16,532 महिला तथा 7,846 तृतीय लिंग मतदाता हैं। इसी प्रकार 05 जनवरी, 2023 के पश्चात् 28 अक्टूबर तक कुल 17,37,523 मतदाताओं के नाम जोड़े गये तथा 18,65,124 मतदाताओं के नाम हटाये गये। मतदाता सूची में अभी जेण्डर रेशियो 1000 पुरूष में 867 महिलाएं हैं, जबकि 2011 की जनगणना के अनुसार 1000 पुरूषों में 908 महिलाएं थीं। इस प्रकार छूटी हुई महिला मतदाताओं को इस अभियान के दौरान शामिल किया जायेगा। इसी प्रकार 18 प्लस और 19 प्लस के अभी 4,84,279 मतदाता हैं। जबकि युवाओं की संख्या 1.11 करोड़ है, जिनकों मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास किया जायेगा। प्रदेश के 1,122 मतदाता भारत से बाहर रहते हैं और 10,68,867 विक्लांग मतदाता हैं। कुल सर्विस वोटर 2,99,444 हैं, जिसमें 2,86,760 पुरूष हैं तथा 12,684 महिला हैं। एक मतदेय स्थल में 1500 तक मतदाता रहें, इसके लिए 809 मतदेय स्थलों को बढ़ाने के बाद कुल 1,62,012 मतदेय स्थल तथा 92,587 मतदान केन्द्र बनाये गये। अर्बन अपैथी दूर करने के लिए बहुमंजिली भवनों एवं गेटेड कालोनी के पास कुल 217 नये मतदेय स्थल भी बनाये गये हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल के अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य प्रभावित न हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों के स्थानान्तरण पर रोक लगायी गयी है। इसमें जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों

का आयोग की अनुमति के बिना 27 अक्टूबर से 05 जनवरी, 2024 तक स्थानान्तरण नहीं होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं की जागरूकता के लिए 'मैं हूँ ना' 'लोगो' का विमोचन करते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने एवं संशोधन इत्यादि कराने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित ऑनलाइन वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में मतदाता अपना नाम पर जाकर चेक कर सकते हैं। इसके साथ ही मोबाइल पर 'वोटर हेल्पलाइन ऐप' डाउनलोड करके भी उक्त सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं। वेबसाइट एवं वोटर हेल्पलाइन ऐप का क्यूआर कोड भी मतदाताओं की सुविधा हेतु जारी कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण हेतु समावेशी अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान मतदाता बनने के लिए नये, पात्र, छूटे हुए मतदाता फार्म-6 भरें, आपत्तियां व अपमार्जन के लिए फार्म-7 भरें। इसी प्रकार संशोधन करने, मतदाता फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन, दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन करने, निवास परिवर्तन के लिए फार्म-8 भर सकते हैं। मतदाता सूची संबंधी दावे और आपत्तियों का 26 दिसम्बर, 2023 तक निस्तारण कर इसका अंतिम प्रकाशन 05 जनवरी, 2024 को किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मतदाता बनने के लिए आयोग द्वारा अब चार अर्हक तिथि निर्धारित की गयी हैं। इसमें 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई, 01 अक्टूबर हैं। फार्म-6 अग्रिम रूप से भर सकते है, जिसका नाम मतदाता सूची में सम्बन्धित अर्हक तिथि को शामिल हो जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले साल में अर्हक तिथि 01 जनवरी होने से एक वर्ष तक प्रतीक्षा करने बाद मतदाता बनने का मौका मिलता था, अब ऐसा नही है। प्रदेश के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर मतदाता सूची उपलब्ध होने के संबंध में अवगत कराया गया तथा राजनैतिक दलों से बी0एल0ए0 नियुक्त किए जाने का अनुरोध भी किया गया। प्रत्येक जनपद में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को आलेख्य निर्वाचक नामावलियां उपलब्ध करा दी गयी हैं। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के दौरान अर्ह एवं छूटे हुए दिव्यांगजन, महिलाओं, बेघर, पी0वी0टी0जी0, ट्रांसजेंडर, सेक्स वर्कर के नाम मतदाता सूची में पंजीकृत कराया जायेगा।

उन्होंने बताया कि आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के संदर्भ में उ0प्र0 राज्य में बी0ई0एल0 मेक मशीनों से आच्छादित 54 जनपदों (1,17,126 मतदेय स्थल) में ई0वी0एम0 एवं वी0वी0पैट की एफ0एल0सी0 पूर्ण कर ली गयी है। एफ0एल0सी0 के उपरान्त मतदान हेतु पर्याप्त संख्या एफ0एल0सी0ओ0के0 मशीनें (186580 बी0यू0, 155123 सी0यू0 एवं 166428 वी0वी0पैट) उपलब्ध है। सीईओ ने 18 से 19 आयु वर्ग के मतदाताओं से अपील की है कि वे अपना नाम मतदाता सूची में फार्म-6 के माध्यम से जुड़वाएं एवं आने वाले आगामी निर्वाचनों में अपने मत का प्रयोग करें। साथ ही इस विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में सभी से यह अपेक्षा भी की कि इसे सफल बनाने हेतु अपना सहयोग प्रदान करें।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों ने मानक के विपरीत काम का लगाया आरोप

गाजीपुर। गाजीपुर-आजमगढ़ राजमार्ग 67 का नवीनीकरण में मानक की विपरीत कार्य करने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया। साथ ही शनिवार को विरोध जताते हुए पीडब्ल्यूडी के खिलाफ नारेबाजी किया। ग्रामीणों का कहना है कि बिरनो थाना से मऊ बॉर्डर पर स्थित हरदासपुर खुर्द गांव के तक 19.560 मीटर सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। जफरपुर गांव के पास अंग्रेजों के जमाने में बने पुल को ठेकेदार ने ध्वस्त करके एक छोटी पुलिया बना दी। हालांकि इससे पानी निकलना मुश्किल हो जाएगा। इससे कई गांवों के किसानों की फसल जलमग्न होने तय है। विरोध जताने वाले सुभाष राजभर, सदानंद राजभर, राजदेव साधु, मुन्नी राजभर, समीर अहमद, अभिराज राजभर शामिल रहे। वहीं, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता खुर्शीद अहमद ने कहा कि वहां की जेई और ठेकेदार से बात होगी और वहां पर बेहतर तरीके से कार्य करने का कार्य कराया जाएगा।

शुद्ध पेयजल आपूर्ति न होने नगरवासी परेशान

गाजीपुर। दो दिन नगर पालिका परिषद द्वारा की जा रही शुद्ध पेयजल आपूर्ति बेपटरी होने से पानी को लेकर हो हल्ला मचा हुआ है। पूरे नगर सहित वार्डों में पानी की सप्लाई नहीं हुई है। वहीं पेयजल की दिक्कत को देखते हुए पालिका द्वारा शनिवार को टैंकरों के माध्यम से एक स्थान पर टैंकर को खड़ा कराकर पानी की आमजन तक पहुंचाई जा रही है। नगर में पानी को लेकर हो रही परेशानी को देखते हुए पालिका द्वारा शुद्ध पेयजल टैंकर के जरिए पानी पहुंचाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि डोम डेरवा बस्ती के पास पालिका की ट्यूबल में आई खराबी के कारण दो रोज जल वितरण व्यवस्था बिगड़ गई है। करीब 30 हजार की आबादी में से अधिकतर परिवारों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। नगर पालिका परिषद के उपभोक्ताओं के घरों में इधर दो रोज से पानी की किल्लत को रोष जताया। लेकिन पालिका के उदासीनता के कारण पर्याप्त पानी वितरण व्यवस्था सही नहीं होने के चलते पानी को लेकर हो हल्ला मचा हुआ है। इस बाबत पालिका चेयरमैन जय प्रकाश गुप्ता ने बताया कि मोटर में आई खराबी को मिस्त्री मरम्मत कर रहे हैं। ठीक होने पर पेयजल की आपूर्ति सुचारू रूप चालू कर दी जाएगी।

मुख्तार अंसारी की करीबी मदरसा टीचर निकहत परवीन गिरफ्तार, फर्जी डिग्री का मामला

गाजीपुर। नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष निकहत परवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी के दौरान सीओ सर्किल की फोर्स मौजूद थी। बताते हैं कि उनकी नियुक्ति मदरसे में सहायक अध्यापक के तौर पर 2005 में हुई थी। गाजीपुर में बहादुरगंज नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष निकहत परवीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी के दौरान सीओ सर्किल की फोर्स मौजूद थी। बताते हैं कि उनकी नियुक्ति मदरसे में सहायक अध्यापक के तौर पर 2005 में हुई थी। इस नियुक्ति पर फैजान खान नाम के शख्स ने 2022 में निकहत की नियुक्ति के लिए योग्यता पूरा नहीं करने को लेकर जांच की मांग की थी। अब इस मामले में मदरसा शिक्षा परिषद के रजिस्टर में पाया है कि परवीन सहायक अध्यापक के लिए योग्यता पूरे नहीं करती हैं। उन्हें इंटरमीडिएट में 52 फीसदी अंक मिले हैं जबकि 55 फीसदी अंक मदरसा शिक्षक की नियुक्ति के लिए अनिवार्य है। बता दें कि निकहत के पति रियाज अहमद, मुख्तार अंसारी के बेहद करीबियों में से माने जाते हैं। निकहत के चुनाव जीतने में अंसारी परिवार की खास भूमिका रही थी।

रंगदारी नहीं देने पर घर में घुसकर हमला, जान से मारने की धमकी

ग्रेटर नोएडा। दस लाख रुपये और प्लॉट में आधा हिस्से की रंगदारी नहीं देने पर आरोपियों ने घर में घुसकर हमला कर दिया। आरोपियों ने पीड़ितों को जान से मारने की धमकी देकर निर्माण कार्य रोक दिया। मामले में पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं करने पर पीड़ितों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब कोर्ट के आदेश पर दादरी कोतवाली पुलिस ने दो नामजद और तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। नगर के रेलवे रोड स्थित शिव वाटिका कॉलोनी निवासी सचिन कुमार ने वर्ष 2003 में मां निर्मला देवी के नाम से सिकंदराबाद स्थित खुर्जा रोड पर 100 वर्ग गज का प्लॉट खरीदा था। प्लॉट की चहारदीवारी करने के दौरान अक्षय मलिक और ज्ञानेंद्र मलिक वहां पहुंचे। दोनों ने सचिन के भाई और पिता को धमकाना शुरू कर दिया। विरोध करने पर निर्माण नहीं करने दिया और 10 लाख रुपये और प्लॉट का आधा हिस्सा मांगा। वहां पर मौजूद आसपास के लोगों ने बीच बचाव कराया। आरोप है कि 28 मई की शाम अक्षय मलिक व ज्ञानेंद्र मलिक तीन अज्ञात लोगों को साथ नगर के रेलवे रोड स्थित शिव वाटिका कॉलोनी में पहुंचे। पैसे और प्लॉट देने की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर जबरन घर में घुसकर सचिन और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की। जान से मारने की नीयत से हथियार तान दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। जिनको देखकर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। आरोप है कि पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। अब पीड़ित ने कोर्ट के माध्यम से मामला दर्ज कराया है।

लंबी कूद में सोनम और आदेश ने मारी बाजी

हाथरस। पुलिस लाइन के मैदान में आयोजित हुई 14वीं अंतरजनपदीय एथलेटिक्स क्लस्टर प्रतियोगिता में लंबी कूद में महिला वर्ग में सोनम ने बाजी मारी। पुरुष वर्ग में आदेश कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। शुभारंभ जिलाधिकारी अर्चना वर्मा ने हवा में गुब्बारे छोड़कर किया। डीएम का बैज लगाकर एवं केप पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद डीएम ने निर्णायक मंडल टीम के सदस्यों से परिचय लिया और परेड की सलामी ली। उप निरीक्षक दिनेश साहनी ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सच्चे खिलाड़ी की भावना से प्रतियोगिता में भाग लेने की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में महिला वर्ग की लंबी कूद में सोनम फिरोजाबाद ने प्रथम, पूजा चौधरी हाथरस ने द्वितीय तथा विजेता मैनपुरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में रश्मि चाहर मथुरा ने प्रथम, रागिनी मैनपुरी ने द्वितीय और मोनिका अलीगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग की लंबी कूद में आदेश कुमार आगरा ने प्रथम, सुनील हाथरस ने द्वितीय तथा दीपक शर्मा एटा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेंक में प्रदीप फिरोजाबाद ने प्रथम, सचिन कुमार आगरा ने द्वितीय तथा शुभम नगर अलीगढ़ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। संचालन फकरे आलम, अतुल वर्मा, सहायक अशोक साहनी ने किया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक देवेश कुमार पांडेय व आदि मौजूद रहे।

राजस्थान में पराली बेचकर आ रहे तीन युवकों को छह ने लूटा

अमृतसर। गांव मानीखेड़ा और बीलां पट्टी के रहने वाले तीन युवकों संग उस समय हजारों रुपये की लूट हुई जब वह राजस्थान में ट्राली पर धान की पराली बेचकर लौट रहे थे। मानीखेड़ा निवासी सुखचैन तथा उसके साथी बीला पट्टी निवासी मंगा व भजन लाल ने बताया कि शुक्रवार को वह अपने ट्रैक्टर पर धान की पराली लेकर राजस्थान के गांव महाराजा चक्क गए थे। पराली छोड़ने के बाद जब वे तीनों लौट रहे थे तो राजस्थान के गांव भागसर के निकट कुछ लोग झगड़ा कर रहे थे। वे वहां पर कुछ पलों के लिए रुके और झगड़ा बहता देख वहां से चल पड़े। जब वे पंजाब के गांव अचाडिकी के पंप के निकट पहुंचे तो इसी दौरान कुछ बाइक पर छह युवक आए और बाइक उनके ट्रैक्टर के आग लगाकर पिस्टल निकालते हुए नकदी देने को कहा। जब उन्होंने रुपये देने से इन्कार किया तो उक्त लोग मारपीट करते हुए उन्हें बायस भागसर की ओर ले गए और करीब 50 हजार की नकदी लूट ली और फरार हो गए। इसके बाद वे किसी तरह अबोहर पहुंचे और अस्पताल में भर्ती हुए, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आवासीय योजना के लिए भवनों के अधिग्रहण पर भड़के लोग

हापुड़। एचपीडीए पर आनंद विहार आवासीय योजना के अंतर्गत गलत तरीके से मकान, दुकान, भवनों और कृषि भूमि का अर्जन करने का आरोप लगाते हुए लोगों ने सदर विधायक को ज्ञापन सौंपा। समस्या का जल्द निस्तारण न होने पर भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी है। विधायक को ज्ञापन देते हुए लोगों ने कहा कि दिल्ली रोड पर एचपीडीए की स्थापना से पहले अधिकांश भवन, दुकानें व फैक्टरियां स्थापित हैं। प्राधिकरण ने इनका अर्जन गलत तरीके से किया है। कुछ खेती की भी जमीन है, जो अधिग्रहण की गई है। प्राधिकरण द्वारा इनका अधिग्रहण भविष्य की योजनाओं के लिए किया गया था। हजारों परिवारों का रोजगार इन दुकानों, फैक्टरियों से जुड़ा है। जनप्रतिनिधियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, भवन बचाओ संघर्ष समिति के अलावा किसानों ने धरना भी दिया। लेकिन किसी जनप्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया। उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाया जाए और उनकी दुकानों, भवनों व कृषि भूमि को अर्जन मुक्त किया जाए। अगर उनकी मांग पूरी नहीं होती है तो वह प्राधिकरण के खिलाफ भूख हड़ताल पर बैठेंगे, जिसकी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधियों की होगी। वहीं, सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने मामले में जल्द प्राधिकरण के अधिकारियों से मिलकर समस्या के निस्तारण का आश्वासन दिया।

23 नवंबर को एक मंडप में होगी 428 जोड़ों की शादी, विवाह के लिए ऐसे करें आवेदन

हाथरस। यूपी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। हाथरस में इस बार सामूहिक विवाह 23 नवंबर को प्रस्तावित है। जिसमें 428 जोड़ों की शादी कराने का लक्ष्य दिया गया है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत हाथरस में 23 नवंबर को सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। जिले को 428 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य को निकाय वार व ब्लॉक वार बांट दिया गया है। इस बार सामूहिक विवाह कार्यक्रम के आवेदन प्रकिया को ऑनलाइन किया गया है। आवेदनकर्ताओं को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन करना होगा। इसके बाद नगर निकायों व खंड विकास अधिकारी कार्यालय से सत्यापन रिपोर्ट लगाई जाएगी। समाज कल्याण विभाग की ओर से जिला पंचायत हाथरस को 27 जोड़े, ब्लॉक सदर को 52, ब्लॉक सासनी को 50, ब्लॉक मुरसान को 53, ब्लॉक सिकंदराराऊ को 51, ब्लॉक हसायन को 55, ब्लॉक सादाबाद को 44 तथा ब्लॉक सहपऊ को 42 जोड़ों का लक्ष्य दिया गया है। वहीं नगर पालिका हाथरस को 15, नगर पालिका सिकंदराराऊ को 17, नगर पंचायत सासनी को 2, नगर पंचायत मुरसान को 3, नगर पंचायत हसायन को 3, नगर पंचायत सादाबाद को 6, नगर पंचायत सहपऊ को 2, नगर पंचायत मेंडू को 2 तथा नगर पंचायत पुरदिलनगर को 5 जोड़ों का लक्ष्य दिया गया है। लक्ष्य मिलने के साथ ही निकाय तथा ब्लॉक अपने अपने लक्ष्य को जुटाने में लग गए हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सरिता सिंह ने बताया है कि ऐसे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय 2 लाख रुपए तक है, वे इस योजना के लिए पात्र हैं। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाह कराने के इच्छुक व्यक्ति आधार ऑथेंटिकेशन कराते हुए cmsvy.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन के समय कन्या का आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, बैंक खाता, वर का आधार कार्ड, आयु सम्बन्धी प्रमाण पत्र, कन्या के पिता अथवा अभिभावक का आय प्रमाणपत्र, जाति प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

अधिग्रहीत जमीन पर कब्जा दिलाने की कार्रवाई का विरोध

हाथरस। एसडीएम सदर रविंद्र कुमार पुलिस बल के साथ शनिवार की शाम करीब सात बजे सिकंदराराऊ मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 530 बी के निर्माण के मध्य आने वाले एक पेट्रोल पंप, मकान और आवासीय भूमि पर एनएचएआई के अधिकारियों को कब्जा दिलाने पहुंचे। तीनों भूमि मालिकों ने इस कार्रवाई का विरोध किया। उनका कहना था कि अभी तक उन्हें अधिग्रहीत भूमि का पूरा मुआवजा नहीं मिला है। भुगतान मिलने से पहले कब्जा दिलाने की कार्रवाई गलत है। बीपीसीएल पंप के मालिक अजय आनंद का कहना है उनके पास पंप संचालन के पूरे कागज हैं और पंप की जमीन खाली करने की बात बीपीसीएल के अधिकारियों के माध्यम से चल रही है। इस तरह की किसी कार्रवाई की सूचना उन्हें पहले से नहीं दी गई।

महाराष्ट्र के प्याज गोदाम खाली, कीमतें निकाल रहीं आंसू

हरदोई। मांग बढ़ने और उपलब्धता कम होने से प्याज के भाव चढ़ गए हैं। हाल यह है कि महाराष्ट्र के कई प्याज गोदाम लगभग खाली हो गए हैं। इसका असर प्याज के भाव पर दिख रहा है। प्याज की कीमतों ने रसोईघर का बजट बिगाड़ दिया है। थोक बाजार में 54-56 और फुटकर में 60 से 80 रुपये प्रति किलो के भाव से प्याज बिक रहा है। तीन-चार दिनों में बढ़ी कीमतें आंसू निकाल रही हैं। कुछ समय पहले तक टमाटर की बढ़ी कीमतें परेशान किए हुए थीं। अब प्याज भाव खा रहा है। तीन-चार दिनों में प्याज की कीमतों में जबरदस्त उछाल आया है। थोक बाजार बढ़ने से फुटकर में भी भाव चढ़े हैं। प्याज की कीमतों में 50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। बाजार में अच्छी क्वालिटी का प्याज 60 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। यही प्याज गली-मोहल्लों में 80 रुपये के भाव से बेचा जा रहा है। सब्जी मंडी में प्याज की थोक आढ़त चलाने वाले मोहम्मद अहमद यासीन आदि ने बताया कि महाराष्ट्र के लासलगांव को प्याज की कीमतों का बेंचमार्क माना जाता है। वहां पर प्याज की कीमतों में करीब 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। बताया कि देश भर में मांग के साथ ही प्याज का निर्यात भी हो रहा है। इससे महाराष्ट्र में प्याज के गोदाम खाली होने की कगार पर हैं और यही वजह है कि प्याज के भाव चढ़ गए हैं। यह भाव वक्ती तौर पर ही बढ़े हैं। जल्द ही राजस्थान के अलवर, गुजरात के राजकोट, गोनल आदि से नए प्याज की आमद शुरू होने पर भाव नियंत्रण में आ जाएंगे।

तो क्या गंदगी खाने से जा रही बंदरों की जान

हाथरस। शहर की नवल नगर कॉलोनी पिछले कुछ दिनों से हो रही बंदरों की मौत को लेकर आम लोग चिंतित हैं। लोग इनकी मौत के कारणों को अपने अपने-तरीके से देख रहे हैं। अधिकांश लोगों का कहना है कि बंदरों द्वारा गंदगी का सेवन किया जाना उनके लिए खतरनाक साबित हो रहा है। नवल नगर में पिछले तीन दिन में लगभग आधा दर्जन बंदरों की मौत हो चुकी है। लोगों का कहना है कि बंदरों की बढ़ी संख्या के कारण अब बंदर भूखे रहते हैं। वह गंदगी खाने को मजबूर हैं, जोकि उनकी सेहत के लिए घातक साबित हो रहा है। कुछ लोगों का कहना है कि इस समय दिवाली की सफाई की जा रही है। इस दौरान घरों से निकलने वाले कचरे में से कुछ एक्सपायर वस्तुओं का सेवन भी बंदरों की मौत का कारण हो सकता है। बंदरों की मौत वाकई हैरत की बात है। हम समझ नहीं पा रहे कि अचानक ऐसा क्यों हो रहा है। एकाएक बंदरों की रहस्यमय तरीके से मौत होना चिंता का विषय है।

साहब-120 बीघा जमीन,मिले दो कट्टे, कैसे होगी बुवाई

हाथरस। हाथरस में डीएपी की किल्लत बरकरार बनी हुई है। शुक्रवार की देर शाम चंदपा की दो समितियों पर डीएपी (डाई अमोनियम फॉस्फेट) 720 कट्टे पहुंचे, लेकिन चंद घंटों में ही ये समाप्त हो गए। घंटों लाइन में लगने के बाद भी किसी को दो कट्टे मिले तो किसी को खाली हाथ ही लौटना पड़ा। चंदपा पूर्वी सहकारी समिति पर खाद का वितरण कर्मचारियों की मर्जी से चल रहा है। मेरे पास अपना 125 बीघा खेत है, मात्र दो कट्टे डीएपी दिया है। 15 बीघा खेत वाले को पांच कट्टे डीएपी के दिए गए हैं। समिति कर्मचारी पक्षपात कर रहे हैं। यह आरोप है गांव बूलगढ़ी निवासी विकलांग किसान नरेंद्र प्रताप सिसोदिया का। यह आरोप लगाने वाले अकेले नहीं, और भी किसान हैं। अर्जुनपुर के किसान रामखिलाड़ी का कहना है कि वह सुबह से लाइन में लगे हैं, लेकिन दो कट्टे ही खाद मिल पाया है। जरूरत ज्यादा की है। जिले में डीएपी की किल्लत बरकरार बनी हुई है। शुक्रवार की देर शाम चंदपा की दो समितियों पर डीएपी (डाई अमोनियम फॉस्फेट) 720 कट्टे पहुंचे, लेकिन चंद घंटों में ही ये समाप्त हो गए। घंटों लाइन में लगने के बाद भी किसी को दो कट्टे मिले तो किसी को खाली हाथ ही लौटना पड़ा। मुरसान की सहकारी समितियों पर डीएपी न होने के कारण किसानों को बैरंग लौटना पड़ा। ऐसा ही हाल सादाबाद के कृषकों केंद्र का भी रहा। यहां भी किसानों को मायूसी ही हाथ लगी। किसान कालाबाजारी होने का भी आरोप लगा रहे हैं।

20 किलोमीटर से आकर लगे कतार में, खाद फिर भी न मिला

राया रोड स्थित कृषको केंद्र पर शनिवार सुबह से किसान डीएपी लेने के लिए कतार में लग गए। 20 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचे, लेकिन फिर खाद नहीं मिला और मायूस लौटना पड़ा। इस केंद्र पर पिछले चार दिन से खाद का वितरण किया जा रहा था। शनिवार को सुबह से ही महिला और पुरुषों की लगी लंबी कतार लगी थी, कुछ किसानों का नंबर आ गया और कुछ किसानों का नंबर नहीं आया। कई किसान बार-बार केंद्र प्रभारी से विनती करते रहे। किसानों के पूछने पर केंद्र प्रभारी खाद की उपलब्धता न होने के संबंध में जानकारी देते रहे। सबसे अधिक किसान हाथरस और सहपऊ क्षेत्र के थे

सुबह 7 बजे से लाइन में लगा हूं, मुझसे आगे कई किसान थे उनको खाद मिल गया। मेरा नंबर आने पर केंद्र प्रभारी ने खाद न होने की कहकर मना कर दिया। -महावीर सिंह, छतारा

जानकारी होने पर पांच घंटे पहले खाद लेने के लिए आया था और लाइन में लग गया जैसे ही अंगूठा लगवाने के नजदीक आया तभी मना कर दिया। खाद खत्म हो गया है। 12 किलोमीटर दूर से खाद लेने के लिए आया था। -लोचन, बामोली

लाइन में लगा था, खाद खत्म होने पर कह दिया घर वापस जाओ जबकि 30 से 35 कट्टे अंदर थे, जिन्हें अपने-अपने लोगों को इंचार्ज ने दे दिया। पूछने पर गलत व्यवहार कर रहे हैं। -प्रियांशु सिंह, मढ़ाका सहपऊ।

लक्ष्य से अधिक मिला डीएपी, फिर क्यों किसान परेशान

जिला कृषि अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि अक्तूबर माह 10200 मीट्रिक टन डीएपी वितरण का लक्ष्य है। 10298 की जिले को आपूर्ति हो चुकी है, 7234 मीट्रिक टन का वितरण हो चुका है। 27 अक्तूबर को इफको की 1368 मीट्रिक टन की रैक हाथरस किला पर लग चुकी है, जिसे समितियों को भेजा जा रहा है।

30 अक्तूबर को मोजेक, एनएफएल, आईपीएल की रैक मथुरा, अलीगढ़, एटा में लगना प्रस्तावित है, इससे भी जिले को 1200 मीट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति होगी, जिसे निजी उर्वरक विक्रेताओं को भेजा जाएगा। साधन सहकारी समिति चन्दपा पूर्वी एवं पश्चिमी का निरीक्षण कर कृषकों में डीएपी का वितरण कराया गया।

सदर विधायक ने डीएपी को उपलब्ध कराने को लिखा पत्र

हाथरस सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर ने आलू और गेहूं की बुवाई व डीएपी की किल्लत को देखते हुए कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा है कि किसानों की मांग में अचानक से वृद्धि हुई है। वर्तमान में जनपद में मात्र 2754 मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक है। उन्होंने निजी व सहकारिता क्षेत्र में 8000 एमटी डीएपी की आपूर्ति कराने का आग्रह किया है।

जिले में डीएपी की मांग और उपलब्धता

23072 मीट्रिक टन का लक्ष्य रबी के फसल के लिए मिला

10200 डीएपी मीट्रिक टन अक्तूबर में वितरित करना था

10298 मीट्रिक टन डीएपी जिले को मिला अक्तूबर माह में

7234 मीट्रिक टन जिले में अब तक वितरित किया जा चुका

बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप, भाजपा नेता व युवती की मौत

हाथरस। गांव नगला मियां निवासी भाजपा नेता तेजवीर सिंह सिसौदिया कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित थे। उनका उपचार अलीगढ़ के निजी अस्पताल में चल रहा था। रक्त में प्लेटलेट्स कम आने पर भाजपा नेता को डेंगू बताकर उनका उपचार किया जा रहा था। शुक्रवार की रात को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। क्षेत्र में बुखार और डेंगू का प्रकोप जानलेवा बनता जा रहा है। बुखार से क्षेत्र के भाजपा और 22 वर्षीय एक युवती की अलीगढ़ में उपचार के दौरान मौत हो गई। बुखार से अब तक छह लोगों की मौत होने की जानकारी है। गांव नगला मियां निवासी भाजपा नेता तेजवीर सिंह सिसौदिया (60) कुछ दिनों से बुखार से पीड़ित थे। उनका उपचार अलीगढ़ के निजी अस्पताल में चल रहा था। रक्त में प्लेटलेट्स कम आने पर भाजपा नेता को डेंगू बताकर उनका उपचार किया जा रहा था। शुक्रवार की रात को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। सिसौदिया पूर्व विधायक यशपाल सिंह चौहान के बहनोई थे।

इधर, गांव अंडीली निवासी 22 वर्षीय रजनी पुत्री विजयपाल को पिछले कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। रजनी के पिता विजयपाल सिंह ने उनका अलीगढ़ के निजी अस्पताल में उपचार शुरू कराया। उनकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ और शुक्रवार की रात्रि उनकी मृत्यु हो गई। पिता विजयपाल सिंह ने बताया रक्त परीक्षण रिपोर्ट आने पर चिकित्सक ने रजनी को एनएस वन डेंगू घोषित कर उसका उपचार शुरू किया था। दोनों मौतों से दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया है। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ.अंकुश सिंह ने बताया कि भाजपा नेता तेजवीर सिंह सिसौदिया व अंडीली में एक युवती की डेंगू से मौत होने की जानकारी मिली है। दोनों गांवों में टीम भेजकर दवा वितरित कराई जा रही है और मरीजों का रक्त परीक्षण कराया जा रहा है। पूरे मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है। कई राजनेताओं ने जताया तेजवीर के निधन पर शोक

सिकंदराराऊ के पूर्व विधायक यशपाल सिंह चौहान के बहनोई एवं भाजपा नेता तेजवीर सिंह सिसौदिया के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर में दौड़ गई। पैतृक गांव नगला मियां में उनके अंतिम संस्कार में काफी लोग पहुंचे। अलीगढ़ एवं हाथरस जिले के कई राजनेताओं ने उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम संस्कार में प्रमुख रूप से सांसद राजवीर सिंह दिलेर, विधायक वीरेंद्र सिंह राना, हाथरस सदर विधायक अंजुला माहौर, भाजपा जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी, पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव आर्य, पूर्व विधायक सुरेश प्रताप गांधी, ब्लॉक प्रमुख मुरसान रामेश्वर उपाध्याय, सपा नेता महेंद्र सिंह सोलंकी, ब्लॉक प्रमुख हसायन धर्मेंद्र कुमार सिंह, सुमंत किशोर सिंह, बंटी यादव, नगर पालिका अध्यक्ष मुशीर कुरैशी, व्यापारी नेता विपिन वार्ष्णेय, बबलू सिसोदिया, मुकेश चौहान, इकराम कुरैशी सहित कई प्रमुख लोग पहुंचे।

पुराने विवाद में युवक को मारी गोली

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना क्षेत्र में दो दिन पहले हुए विवाद को सुलझाने के दौरान हुई झड़प में युवक को गोली मारने का मामला सामने आया है। हमले में घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में शिकोहपुर के जतिन ने कहा कि उसका दो दिन पहले शीशपाल, रोहित सहित अन्य से रेस्टोरेंट में झगड़ा हो गया था। इस विवाद को समाप्त करने के लिए वह शीशपाल प्रॉपर्टी डीलर के कार्यालय में शिकोहपुर मोड पर गए थे। इस दौरान जतिन के साथ उसका भाई ललित व चिराग उर्फ चिंटू भी थे। आरोप है कि दोनों पक्षों के बीच मामला सुलझने की बजाय इतना बिगड़ गया कि उनमें मारपीट होने लगी। वहीं शीशपाल ने अपने साथी रोहित, कमल, हेमंत, अंकित, संजय, सुमित व अन्य के साथ मिलकर उन पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने उन पर गोली चला दी।

सड़क हादसे में भट्ठा संचालक की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

हाथरस। थाना अकराबाद के गांव खेड़िया हरिचंद निवासी संदीप सिंह पुत्र विशंभर सिंह के दो ईंट भट्ठा हैं। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की शाम संदीप सिंह घर से चांदपुर के निकट भट्ठे पर जाने की कहकर घर से बाइक पर निकले थे। उसके बाद वह देर रात तक घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने उनसे मोबाइल पर संपर्क किया, पर बात नहीं हो सकी। थाना क्षेत्र में पिलखना गंगीरी रोड पर गांव कासिमपुर के निकट 27 अक्तूबर की देर रात एक ईंट भट्ठा संचालक का शव संदिग्ध परिस्थिति में सड़क किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला है। शव के पास उनकी क्षतिग्रस्त बाइक भी मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना अकराबाद के गांव खेड़िया हरिचंद निवासी संदीप सिंह पुत्र विशंभर सिंह के दो ईंट भट्ठा हैं। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की शाम संदीप सिंह घर से चांदपुर के निकट भट्ठे पर जाने की कहकर घर से बाइक पर निकले थे। उसके बाद वह देर रात तक घर नहीं पहुंचे। परिजनों ने उनसे मोबाइल पर संपर्क किया, पर बात नहीं हो सकी। परिवार के लोग उनकी इधर उधर तलाश करने लगे। इसी दौरान रात समय करीब ग्यारह बजे परिजनों को किसी ने सूचना दी कि गांव कासिमपुर के निकट सड़क किनारे झाड़ियों में एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा है। परिजनों के साथ अन्य ग्रामीणों ने मौके पर पहुंच कर झाड़ियों में देखा तो वहां संदीप सिंह मरणासन्न हालत में पड़े थे। कुछ ही दूरी पर उनकी बाइक भी पड़ी थी। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। संदीप को परिजनों के साथ जिला अस्पताल भेजा गया। जहां डाक्टरों ने करीब 52 वर्षीय संदीप सिंह को मृत घोषित कर दिया। मृतक ने अपने पीछे पत्नी साधना सिंह तथा दो बच्चे अजीत व श्वेता को रोते बिलखते छोड़ा है।

दोनों पालियों में 4278 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

हरदोई। प्रारंभिक पात्रता परीक्षा के पहले दिन पहली पाली में 2169 और द्वितीय पाली में 2109 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल तैनात रहे। दोनों पाली में परीक्षाएं शांतिपूर्वक हुईं। प्रारंभिक पात्रता परीक्षा के लिए जिले के 16 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। शनिवार को प्रथम पाली में सुबह 10 से 12 बजे तक परीक्षा होनी थी। परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र पर आठ बजे से ही प्रवेश शुरू कर दिया गया। परीक्षार्थियों की गेट पर तलाश ली गई और उनको निर्धारित सामग्री के अतिरिक्त कोई अन्य सामग्री नहीं ले जाने दी गई। सभी केंद्रों का सेक्टर मजिस्ट्रेट व सचल दलों ने निरीक्षण किया। केंद्रों के गेट और आस-पास सुरक्षा कर्मी तैनात रहे। परीक्षार्थी के अतिरिक्त सभी को केंद्र से बाहर कर दिया गया है। प्रथम पाली में 6552 परीक्षार्थियों को परीक्षा में शामिल होना था। इसके सापेक्ष 4383 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 2169 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, द्वितीय पाली में 6552 के सापेक्ष 4443 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 2109 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में कुल 4278 ने परीक्षा से किनारा किया। प्रभारी डीआईओएस जीआइसी प्रधानाचार्य टीआर वर्मा ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षाएं शांति पूर्वक संपन्न हुईं।

कबड्डी का फाइनल पीबीआर इंटर कॉलेज ने जीता

मलावां। कस्बा के भगवंतनगर में बीएन इंटर कॉलेज में जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय कबड्डी प्रतियोगिता में सब जूनियर बालक वर्ग में गौसगंज के पीबीआर इंटर कॉलेज की टीम ने मलावां के बीएनइंटर कॉलेज को हराकर फाइनल जीत लिया। कबड्डी प्रतियोगिता का विधायक आशीष सिंह आशू ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर व प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर शुभारंभ किया। पहला मैच श्री देवी दयाल इंटर कॉलेज सुभानखेड़ा व रमेश चंद्र अवस्थी इंटर कॉलेज मलावां की टीम के मध्य खेला गया। जिला क्रीड़ा सचिव अवधेश त्रिपाठी, प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेश तिवारी, अरूण कुमार बाजपेयी, क्रीड़ा शिक्षक सरोज कुमार, विनीत सिंह, प्रगति सिंह व अवनीश कुमार आदि मौजूद रहे।

हाईकोर्ट बेंच के लिए आठ को हड़ताल... 18 को बैठक

गाजियाबाद। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग एक बार फिर मुखर हो गई है। शनिवार को बार सभागार में 22 जिलों के अधिवक्ताओं की बैठक हुई। अधिवक्ताओं ने एलान किया कि आठ नवंबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के वकील हड़ताल पर रहेंगे। इसके साथ ही 18 नवंबर को मुरादाबाद में बैंच के लिए रणनीति तैयार करने के लिए दोबारा बैठक होगी।

आंदोलन को तेज करने के लिए जनवरी 2024 में बड़ी संख्या में अधिवक्ता पैदल मार्च निकालेंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के लिए बनी संघर्ष समिति के अध्यक्ष कुंवर पाल शर्मा ने कहा पश्चिम उत्तर प्रदेश के 22 जिले में कहीं भी बेंच स्थापित कर दें, हम सबको स्वीकार है। उन्होंने कहा पिछले 45 वर्ष से लगातार संघर्ष चला आ रहा है। यह कोई चुनावी आंदोलन नहीं है। अध्यक्ष ने कहा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना के संबंध में जसवंत आयोग का गठन हुआ था। इसमें आगरा में बेंच की स्थापना की सिफारिश की गई थी। उस दौरान विपक्ष में रहे अटल बिहारी बाजपेयी ने भी बेंच स्थापना का समर्थन किया था। उन्होंने बताया कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश से शिमला, चंडीगढ़, ग्वालियर, नैनीताल और जयपुर के हाईकोर्ट इलाहाबाद हाईकोर्ट से काफी नजदीक हैं। ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार को चाहिए कि वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाई कोर्ट बेंच की स्थापना के लिए मंजूरी दे।

45 साल से वकील कर रहे संघर्ष

गाजियाबाद बार अध्यक्ष राकेश त्यागी कैली ने कहा 45 साल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की मांग के लिए वकील संघर्ष करते आ रहे हैं। इसके बावजूद केंद्र सरकार ने वकीलों की मांग पर सुनवाई नहीं की। केंद्र सरकार का कहना है कि हर व्यक्ति को घर के दरवाजे पर न्याय मिले, लेकिन केंद्र सरकार अपने वायदे पर भी अमल नहीं कर रही है।

बैठक में मेरठ, बागपत, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, आगरा, हापुड़ सहित 22 जिले के अधिवक्ताओं के अलावा गाजियाबाद बार की तरफ से सचिव स्नेह त्यागी, पूर्व सचिव नितिन यादव, विजय गौड़, विशेष त्यागी, पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र कौशिक, मनोज नागवंशी सहित काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

सालाना सात करोड़ खर्च फिर भी रास्ते पथरीले, पुलिया टूटी

संडीला। औद्योगिक विकास के प्रति सरकार की संवेदनशीलता पर टूटी पुलिया व पथरीले रास्ता ब्रेकर का काम कर रहे हैं। चार फेज में विकसित औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन कर रहीं करीब 200 फैक्टरियां से उद्यमी यूपीसीडा को रखरखाव शुल्क के तौर पर करीब सात करोड़ रुपये सालाना देते हैं।

रखरखाव शुल्क देने के बाद भी टूटी पुलिया और पथरीले रास्ते औद्योगिक विकास में बाधक बन रहे हैं। सरकार संडीला औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रही है। बड़े-बड़े उद्यमों की स्थापना के लिए उद्यमियों को यहां पर आमंत्रित किया जा रहा है लेकिन, औद्योगिक क्षेत्र में उद्यमियों को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रहीं। औद्योगिक क्षेत्र के मार्गों पर संभल कर नहीं चले तो, हादसा का शिकार हो सकते हैं। प्रदेश की राजधानी लखनऊ व जिला मुख्यालय से औद्योगिक क्षेत्र की दूरी करीब-करीब 55 किलोमीटर है। यहां पर चार फेज में औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है।

छोटी व बड़ी लगभग दो सौ से ढाई सौ फैक्टरियां लगी हुई हैं। यूपीसीडा की ओर से उद्यमियों से प्रति वर्ग मीटर 20 रुपये सालाना रखरखाव शुल्क लिया जा रहा है। करीब दो फैक्टरियों से उद्यमी प्रतिवर्ष सात करोड़ रुपये देते हैं। ऐसे ही यहां पर फैक्टरियों में होने वाले उत्पादन पर प्रतिवर्ष करीब 200 करोड़ की जीएसटी सरकार को प्राप्त हो रही है। यहां के औद्योगिक क्षेत्र से देश व प्रदेश के कई जिलों में तैयार माल जाता है और कच्चा माल आता भी है। बावजूद यहां के मार्गों का हाल बहुत खराब है। फेज-एक में पारस दूध डेयरी के पास वाले मोड़ पर मार्ग पूरी तरह से उखड़ गया है। मार्ग में गिट्टी और यही हाल फेज-दो में ज्ञानधारा डेयरी के पास से निकले मार्ग में तो गड्ढों के अलावा कुछ भी नहीं है। बरसात में इन बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने के कारण कच्चा माल लेकर आने वाले वाहन आए दिन पलटते रहते थे। इससे उद्यमियों का काफी नुकसान हो जाता है। फेज-दो में बरसात के समय उद्यमियों को सबसे ज्यादा समस्या होती है। बरसात के पानी के निकास का सही इंतजाम न होने के कारण पानी फैक्टरियों में भर जाता है। चैंबर चेयरमैन अमित भदौरिया ने बताया कि उद्यमियों को मार्गों, पुलिया की मरम्मत न होने से समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। शासन व प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए।

उद्यमी अमरेश सिंह ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र की पुलिया टूटी है और फैक्ट्री जाने में अगर जरा सी भी चूक हुई तो वाहन फंस जाते हैं। कई बार तो वाहन पलटने के कारण नुकसान भी हो जाता है। उद्यमी वैभव गोयल ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के कुछ मार्ग तो बन गए हैं लेकिन, अधिकतर मार्गों में गड्ढे ही गड्ढे हैं। इससे आए दिन हादसा हो रहा है। रखरखाव की ओर विभाग ध्यान नहीं दे रहा है।

फर्जी चेक से खाते से निकाले दो लाख रुपये

हापुड़। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी निवासी सुशील कुमार ने कोतवाली में बैंक ऑफ बड़ौदा के शाखा प्रबंधक, कर्मचारी व एक नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है तीनों ने दो लाख रुपये का फर्जी चेक बनाकर उसके बैंक खाते से दो लाख रुपये निकाल लिए। शिवपुरी निवासी सुशील कुमार ने बताया कि उनका पक्का बाग स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में बचत खाता है। इस खाते की चेकबुक उनके नाम से ही जारी है। अन्य चेकों की तरह उनके पास चेक नंबर 0000102 उनके पास मौजूद है। 19 अक्तूबर 2023 को उन्होंने एक कंपनी के नाम से दो लाख रुपये का चेक काटा था। 20 अक्तूबर 2023 को बैंक में भुगतान के लिए चेक को पेश किया गया तो यह कहते हुए निरस्त कर दिया गया कि इस नंबर के चेक का भुगतान हो चुका है। इसकी जानकारी होते ही वे तुरंत बैंक शाखा में पहुंचे और मामला की जानकारी की तो पता चला कि एक अन्य इसी नंबर के चैक से दो लाख रुपये का भुगतान हुआ है। जबकि उनके द्वारा जारी किए गए चेक से भुगतान नहीं हुआ है।

चार लेन होगा बुलंदशहर रोड, शासन से मिले 47.85 करोड़

हापुड़। बुलंदशहर रोड जल्द ही दो लेन से चार लेन हो जाएगी। शासन की ओर से इसके लिए 47.85 करोड़ रुपये जारी कर दिए गए हैं। हालांकि स्थानीय अधिकारियों तक इसके आदेश अभी नहीं पहुंचे हैं, लेकिन धनराशि जारी होने का ट्वीट मुख्यमंत्री कार्यालय से किया गया है। नगरीय क्षेत्र में मेरठ रोड से बुलंदशहर रोड फ्लाईओवर तक इसका चौड़ीकरण किया जाएगा। धनराशि स्वीकृत होने के बाद जल्द ही सड़क का निर्माण शुरू होने की उम्मीद है।

तहसील चौपला से बुलंदशहर की ओर सड़क अतिक्रमण के कारण काफी संकरी हो गई है। सड़क दो लेन होने के कारण इस पर वाहनों का दबाव काफी अधिक रहता है और पूरे दिन जाम की स्थिति रहती है। लोगों की समस्या को देखते हुए सदर विधायक विजयपाल आढ़ती ने लखनऊ में लोकनिर्माण मंत्री जतिन प्रसाद से मुलाकात की थी। इसके चौड़ीकरण होने से लाखों लोगों को आवागमन में राहत मिलेगी। इस मार्ग से होकर बुलंदशहर, अलीगढ़ आगरा, मेरठ आदि शहरों के लिए बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। बुलंदशहर रोड की चौड़ाई फिलहाल सात मीटर है। लेकिन चौड़ीकरण के बाद इसे दोनों ओर सात-सात मीटर किया जाएगा।

शहर को जाम से मिलेगी निजात

बुलंदशहर रोड के निर्माण से शहर को काफी हद तक जाम से निजात मिल जाएगी। इस सड़क के संकरी और अतिक्रमण के जद में होने के कारण यहां ट्रैफिक रेंगकर चलता था। लेकिन अब यह सही गति से चल पाएगा। जिससे तहसील चौराहे पर लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सकेगी।

धनराशि जारी होने के बाद शुरू किया जाएगा कार्य

लोक निर्माण विभाग की ओर से इसका प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। निर्माण की तैयारियां लगभग पूरी हैं, इसके लिए बजट का इंतजार था। हालांकि अभी आधिकारिक तौर पर उन्हें कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। बजट जारी होते ही टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जल्द निर्माण शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बेगम अख्तर पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर

बहराइच। मल्लिका-ए-गज़ल बेगम अख्तर की स्मृति में वर्ष 2023-24 के लिए प्रदान किये जाने वाले ''बेगम अख्तर पुरस्कार'' के लिए नामांकन भेजने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर 2023 है। दादरा/ठुमरी/गज़ल विधाओं में प्रतिभावान गायक जिनकी आयु 40 वर्ष से कम न हो, को ''बेगम अख्तर पुरस्कार'' से सम्मानित किया जायेगा। इसके अन्तर्गत चयनित कलाकार को रू. 5.00 लाख की धनराशि, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा। प्रति वर्ष दादरा, ठुमरी एवं गज़ल के क्षेत्र में विशिष्ट प्रतिभावान विशिष्ट गायक को जिसने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से उत्कृष्ट आयाम स्थापित किये हों तथा राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया हो, को प्रदेश सरकार द्वारा बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के ऐसे मूल निवासी कलाकार जिनकी कर्मभूमि भी उत्तर प्रदेश रही हो, जिन्होंने अपनी प्रतिभा की दीर्घ साधना एवं श्रेष्ठ उपलब्धि के भरसक निर्विवाद मानदण्डों के आधार पर राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की हो और आयु भी 40 वर्ष से कम न हो, आवेदन के लिए अर्ह होंगे। यह पुरस्कार कलाकार के गायन के क्षेत्र में सम्पूर्ण उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किया जायेगा न कि किसी एक विशिष्ट संरचना के लिए। डीएम ने बताया कि पुरस्कार सम्बन्धी नियमावली एवं निर्धारित प्रारूप आवेदन पत्र संस्कृति विभाग उ.प्र. की बेवसाइट यूपीकल्चर डाट यूपी डाट एनआईसी डाट इन पर देखा जा सकता है। पुरस्कार की अर्हता रखने वाले इच्छुक व्यक्ति 15 नवम्बर 2023 तक निदेशक, संस्कृति निदेशालय, नवम तल, जवाहर भवन, लखनऊ के कार्यालय में जमा किये जा सकते हैं।

पेंशनर की मृत्यु की सूचना कोषागार को देना परिजनों का नैतिक कर्तव्य- वरिष्ठ कोषाधिकारी

बहराइच। वरिष्ठ कोषाधिकारी नरोत्तम शरण ने बताया कि ऐसे प्रकरण कोषागार के संज्ञान में आये हैं जिनमें पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर की मृत्यु हो जाने के उपरांत उनके परिजनों द्वारा इसकी सूचना कोषागार कार्यालय को नहीं दिये जाने के कारण से बाद में जानकारी मिलने पर अधिक भुगतान हुई धनराशि की वसूली की कार्यवाही करनी पड़ती है। जिससे सम्बन्धित परिजनों को भी अपरिहार्य स्थिति का सामना करना पड़ता है। वरिष्ठ कोषाधिकारी श्री शरण ने सभी सम्बन्धित से अपेक्षा की है कि यथास्थिति पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर की मृत्यु हो जाने पर सम्बन्धित कोषागार को तत्काल सूचित करें। यह पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर के परिजनों का नैतिक एवं विधिक कर्तव्य भी है। उन्होंने सम्बन्धित को सचेत किया कि ऐसे किसी भी प्रकरण में मृत्यु की सूचना के अभाव में हुई अधिक भुगतानित धनराशि की वसूली बैंक के माध्यम से अथवा भू-राजस्व के बकाये के रूप में वसूल किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

गैस कटर से काट रहे थे एटीएम, आग लगी तो भाग निकले

हरिद्वार। कनखल थाना क्षेत्र में पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम कक्ष में घुसकर कुछ चोर गैस कटर से एटीएम काटने लगे। कुछ ही देर में मशीन में आग लग गई। यह देख चोर फरार हो गए। आग लगने की सूचना पर बैंककर्मियों ने पहुंचकर आग बुझाई। लेकिन, तब तक एटीएम का ऊपरी हिस्सा जल गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। सुबह करीब चार बजे पंजाब नेशनल बैंक शाखा कार्यालय जियापोता के एटीएम में कुछ चोर घुस गए। गैस कटर मशीन से एटीएम को काटने लगे। इसी बीच एटीएम मशीन ने आग पकड़ ली जिससे सायरन बजने लगे। यह देख आरोपी फरार हो गए। पास में रहने वालों ने इसकी सूचना बैंककर्मियों को दी थी। जगजीतपुर चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह रावत ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। आरोपी इतने शातिर थे कि अंदर लगे सीसीटीवी पर स्प्रे कर दिया था। आग से एटीएम की हार्ड डिस्क सहित अन्य उपकरण जल गए। इन सबके बीच कैश सुरक्षित है। कनखल थाना प्रभारी अमरचंद शर्मा ने बताया कि अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

गोकशी के मामले में फरार आरोपियों के घर नोटिस चस्पा

हरिद्वार। ज्वालापुर पुलिस ने गोकशी के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों के घर मुनादी करते हुए पुलिस ने 82 सीआरपीसी का नोटिस चस्पा कर दिया। जल्द आरोपियों के हाथ न आने पर पुलिस कुर्की की कार्रवाई करेगी। पुलिस के अनुसार, अगस्त में वाल्मीकि बस्ती रोड पर सुनसान स्थान पर गोकशी कर रहे इरफान, उसके पुत्र हसीन निवासी गांव रथेड़ी नई मंडी जिला मुजफ्फरनगर यूपी हाल पता सुभाषनगर, सोनू पुत्र हनीफ निवासी गायत्री विहार सराय रोड को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। छापे के दौरान शहजाद उर्फ कालू पुत्र कालू और परवेज उर्फ अल्लाहदीया निवासी मोहल्ला कस्साबान फरार हो गए थे। फरार आरोपियों के हाथ न आने पर पुलिस ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया था। उसके बाद कोर्ट के आदेश पर उपनिरीक्षक नरेश गंगवार ने टीम के साथ शुक्रवार को दोनों आरोपियों के घर पर मुनादी कराई। 82 सीआरपीसी के नोटिस चस्पा किए। कोतवाली प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि आरोपी अगर खुद कोर्ट में पेश नहीं हुए तो कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

हर की पैड़ी पर श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में डुबकी, जानें आज के दिन का खास महत्व

देहरादून। शरद पूर्णिमा पर्व पर आज शनिवार सुबह से ही श्रद्धालुओं ने हर की पैड़ी के ब्रह्म कुंड क्षेत्र में गंगा में डुबकी लगानी शुरू कर दी थी। हालांकि दशहरे की रात से ही गंगा बंदी हो गई थी, लेकिन गंगा स्नान को देखते हुए यूपी सिंचाई विभाग ने हर की पैड़ी क्षेत्र में जल छोड़ दिया था जिसको लेकर श्रद्धालु खुश थे। चंद्र ग्रहण को देखते हुए हर की पैड़ी पर डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी हुई है। आचार्य विकास जोशी ने बताया कि 30 साल के बाद शरद पूर्णिमा पर होगा फिर एक बार ग्रहण का साया है। भारत में चंद्र ग्रहण की कुल अवधि 1 घंटा 19 मिनट होगी। अश्विन शुक्ल पूर्णिमा की रात आकाश से सोमरूपी अमृत की वर्षा होगी। वेदों में इसी सोम को अमृत बताया गया है। समुद्रमंथन के समय निकले 14 रत्नों में लक्ष्मी का इसी रात प्रादुर्भाव हुआ था। मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की प्रकाशमयी रात्रि में अनादि राधा और अनादि कृष्ण ने पहला महारास स्वर्ग में किया था। विद्वान बताते हैं कि श्रीमद्भागवत महापुराण, विष्णु पुराण के अनुसार समुद्रमंथन के समय जब अमृत निकला, वह शरद पूर्णिमा की ही रात थी।

मैदानी जिलों में नहीं मतदाता बनने का उत्साह, हरिद्वार सबसे पीछे, सामने आए ये आंकड़ें

देहरादून। प्रदेश में प्रति एक हजार मतदाताओं की संख्या 691 है। इनमें पुरुष मतदाता की संख्या 705, महिला मतदाता की संख्या 678 है। पांच जिले ऐसे हैं, जिनका ईपी रेशियो राज्य के कुल अनुपात से भी नीचे है। पर्वतीय जिलों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूकता ज्यादा है। तीनों मैदानी जिलों देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर का जनसंख्या-मतदाता अनुपात (ईपी रेशियो) राज्य के औसत से भी कम है। निर्वाचन कार्यालय को इन जिलों में ज्यादा मेहनत करनी होगी। निर्वाचन कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में प्रति एक हजार मतदाताओं की संख्या 691 है। इनमें पुरुष मतदाता की संख्या 705, महिला मतदाता की संख्या 678 है। पांच जिले ऐसे हैं, जिनका ईपी रेशियो राज्य के कुल अनुपात से भी नीचे है। इनमें हरिद्वार का सबसे कम प्रति एक हजार पर महज 585, ऊधमसिंह नगर का 592 और देहरादून का 675 है। हालांकि इसमें उत्तरकाशी का भी राज्य औसत से कम 687 और नैनीताल का 663 है। पर्वतीय जिलों की बात करें तो अल्मोड़ा में प्रति एक हजार की आबादी में 945 मतदाता हैं।

चुनाव आयोग ने सभी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों से आह्वान किया है कि वे हर बूथ पर अपना बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) बनाएं। एक बीएलए अपने बूथ में 27 अक्तूबर से 26 दिसंबर तक केवल 30 मतदाताओं के नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन का ही आवेदन कर सकता है। एक दिन में अधिकतम 10 आवेदन बीएलओ के पास जमा हो सकते हैं। इससे अधिक आवेदन आने पर एसडीएम, तहसीलदार के स्तर से सत्यापन कराया जाएगा।

मॉडर्न जेल में लावारिस हालत में मिले तीन मोबाइल

चंडीगढ़। मॉडर्न जेल में कैदियों और हवालातियों की ओर से प्रतिबंधित सामान तथा मोबाइल फोन के इस्तेमाल को रोकने के मकसद से जेल बैरकों में विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसमें 3 मोबाइल, बैटरी सहित एक सिम कार्ड लावारिस मिला है। इसके उपरांत सहायक सुपरिंटेंडेंट मनीराम की शिकायत पर थाना कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सहायक सुपरिंटेंडेंट मनीराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि जेल परिसर में सीआरपीएफ टीम और जेल सुरक्षा कर्मियों सहित विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सर्च के दौरान बैरकों की तलाशी में 3 सैमसंग मोबाइल फोन बैटरी सहित और एक सिम कार्ड लावारिस हालत में मिला।

पुनरीक्षण अभियान के लिए नियुक्त किये निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु 27 अक्टूबर 2023 से संचालित अभियान को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जनपद में अवस्थित समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति की गई है। 282-बलहा (अ.जा.) के एसडीएम मिहींपुरवा (मोतीपुर) को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं बीडीओ मिहींपुरवा व बलहा तथा बीईओ मिहींपुरवा को सहा.नि.रजि.अधि., 283-नानपारा के लिए एसडीएम नानपारा को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार, नायब तहसीलदार बलहा, बीडीओ नवाबगंज व शिवपुर तथा बीईओ नवाबगंज को सहा.नि.रजि.अधि. नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार 284-मटेरा के लिए अति. मजिस्ट्रेट प्रथम को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार सदर, चकबन्दी अधिकारी सदर-बहराइच प्रथम व तृतीय, बीडीओ व बीईओ रिसिया को सहा.नि.रजि.अधि., 285-महसी के लिए एसडीएम महसी को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार महसी, बीडीओ महसी व तेजवापुर तथा बीईओ महसी को सहा.नि.रजि.अधि., 286-बहराइच के लिए एसडीएम बहराइच सदर को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार (न्यायिक) सदर, नायब तहसीलदार बहराइच, बीडीओ चित्तौरा व हुजूरपुर तथा बीईओ चित्तौरा को सहा.नि.रजि.अधि.,287-पयागपुर के लिए एसडीएम पयागपुर को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार व नायब तहसीलदार पयागपुर, बीडीओ विशेश्वरगंज व पयागपुर तथा बीईओ पयागपुर को सहा.नि.रजि.अधि. तथा 288-कैसरगंज के लिए एसडीएम कैसरगंज को नि.रजि.अधि. व तहसीलदार व नायब तहसीलदार कैसरगंज व जरवल, बीडीओ फखरपुर तथा बीईओ जरवल को सहा.नि.रजि.अधि. नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि आलेख्य प्रकाशन तिथि 27 अक्टूबर 2023 को मतदाताओं की बात की जाय तो जनपद में कुल मतदाताओं की संख्या 2544834 है जिसमें से पुरूष 1346512, महिला 1198167 जबकि अन्य की संख्या 155 है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार देखा जाय तो वि.नि.क्षेत्र बलहा में कुल मतदाता 360339 जिसमें पुरूष 191517, महिला 168816 व अन्य 06, मतदान केन्द्र 161, मतदेय स्थल 371, तैनात बीएलओ 371 व सुपरवाईज़र 37, वि.नि.क्षेत्र नानपारा में कुल मतदाता 343172 जिसमें पुरूष 181389, महिला 161769 व अन्य 14, मतदान केन्द्र 164, मतदेय स्थल 363, तैनात बीएलओ 363 व सुपरवाईज़र 34 तथा वि.नि.क्षेत्र मटेरा में कुल मतदाता 342062 जिसमें पुरूष 180285, महिला 161755 व अन्य 22, मतदान केन्द्र 199, मतदेय स्थल 375, तैनात बीएलओ 375 व सुपरवाईज़र 37 नियुक्त किये गये हैं।

इसी प्रकार वि.नि.क्षेत्र महसी में कुल मतदाता 336268 जिसमें पुरूष 178153, महिला 158098 व अन्य 17, मतदान केन्द्र 179, मतदेय स्थल 365, तैनात बीएलओ 365 व सुपरवाईज़र 25, वि.नि.क्षेत्र बहराइच में कुल मतदाता 396299 जिसमें पुरूष 208782, महिला 187475 व अन्य 42, मतदान केन्द्र 177, मतदेय स्थल 411, तैनात बीएलओ 411 व सुपरवाईज़र 41, वि.नि.क्षेत्र पयागपुर में कुल मतदाता 383982 जिसमें पुरूष 203536, महिला 180408 व अन्य 38, मतदान केन्द्र 254, मतदेय स्थल 419, तैनात बीएलओ 419 व सुपरवाईज़र 38 तथा वि.नि.क्षेत्र कैसरगंज में कुल मतदाता 382712 जिसमें पुरूष 202850, महिला 179846 व अन्य 16, मतदान केन्द्र 250, मतदेय स्थल 394, तैनात बीएलओ 394 व सुपरवाईज़र 40 नियुक्त किये गये हैं। निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित समयसारिणी की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि 09 दिसम्बर 2023 तक दावे तथा आपत्तियां प्राप्त की जायेगी। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने हेतु 04, 05, 25 व 26 नवम्बर तथा 02 व 03 दिसम्बर 2023 छः विशेष अभियान तिथियां होंगी। आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन 05 जनवरी 2024 को किया जायेगा। डीएम ने बताया कि विशेष अभियान की तिथियों में जनपद के समस्त 2698 बूथ लेवल आफिसर अपने-अपने मतदेय स्थलों पर पूर्वान्ह 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक उपस्थित रहकर दावे तथा आपत्तियां प्राप्त करेंगे। डीएम मोनिका रानी ने जनपदवासियों से अपील की कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान का लाभ उठाते हुए अपने नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं।

अंबरीष जी शोभायात्रा से उल्लास में डूबा शहर

हाथरस। अखिल भारतीय माहौर क्षत्रिय स्वर्णकार महासभा के बैनर तले शनिवार को शहर में क्षत्रिय स्वर्णकार कुल शिरोमणि राजर्षि महाराजा अंबरीष जी जयंती के उपलक्ष्य में शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा से पूरे शहर में उल्लास और उत्सव का माहौल दिखाई दिया। समाज के लोगों ने महाराजा अंबरीष जी की आरती उतारी व भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया। शोभायात्रा से पूर्व महाराजा अंबरीष चौक पर पूजा-अर्चना की गई। लोहट बाजार स्थित मंदिर श्री गंगा महारानी में पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्व नगर पलिका अध्यक्ष आशीष शर्मा के साथ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवशंकर वर्मा, आगरा से आए मनोज वर्मा, सतीशचंद्र माथुर, संजय वर्मा, फिरोजाबाद के सुखदेव वर्मा के अलावा हाथरस से जयंती संयोजक अरविंद सोनी, मुख्य सलाहाकार राजकुमार कोठीवाल, उपाध्यक्ष बलवीर वर्मा, व्यवस्थापक गौरव वर्मा आदि शामिल रहे। शोभायात्रा में आगे सहयोगियों के साथ काली मैया की टोली रही। मां काली की झांकी सबसे अलग थी। भोले शंकर की टोली तांडव नृत्य करते हुए चल रही थी। नंदी पर सवार भगवान शिव सर्प के साथ, राम लक्ष्मण को कंधे पर लिए हनुमान, बिहारीजी और खाटू श्याम सहित लगभग दो दर्जन अन्य झांकियां शामिल थीं। वहीं महाराजा अंबरीष जी की झांकी आकर्षित कर रही थी। शोभायात्रा में शामिल अतिथियों का अध्यक्ष अरविंद सोनी, मुख्य सलाहकार राजकुमार वर्मा कोठीवाल, उपाध्यक्ष बलवीर सिंह वर्मा सराफ, कन्हैयालाल वर्मा, किशन लाला, दीपक वर्मा, राजेंद्र बाबू वर्मा आदि ने फूल मालाओं से लादकर जोशीला स्वागत किया और पगड़ी बांधकर सम्मानित किया। शोभायात्रा विभिन्न बाजारों से होती हुई अलीगढ़ रोड गांधी पार्क तिराहा स्थित कृपाराम कोठीवाल धर्मशाला पर पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर जोरदार स्वागत किया गया। आयोजन में शैलेंद्र माथुर, चंदन सिंह वर्मा, किशनलाल गुड्डू, पदम सिंह वर्मा, विक्रम वर्मा, राकेश वर्मा, अभिषेक वर्मा, अशोक वर्मा, वीरेंद्र पहलवान, सुनील वर्मा, हरिओम वर्मा, रेहिताश वर्मा, डॉ. सुरेशचंद्र वर्मा, मुरारीलाल वर्मा, कैलाश बाबू, सुनील माथुर, महेश वर्मा, सुरेंद्र सोनी, गौरव वर्मा, दिलीप बाबू वर्मा आदि का सहयोग रहा।

पंजाब से सटी भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ ने चौकसी बढ़ाई

चंडीगढ़। इस्राइल-हमास व जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ और पाक सेना की गोलाबारी को देखते हुए पंजाब से सटी भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ ने चौकसी बढ़ा दी है। सीमा सुरक्षा बल की निगरानी में किसान फेंसिंग पार खेतों में लगी धान की फसल काट रहे हैं। घोड़ों से फेंसिंग के साथ-साथ गश्त की जा रही है। पाकिस्तानी क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों पर जवानों की निगाहें टीकी हुई हैं। बीएसएफ ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई फेंसिंग और टावरों को ठीक कर लिया है। पंजाब में हरिके पत्तन से निकलने वाला सतलुज दरिया सात बार पाकिस्तान में प्रवेश कर भारत में घुसता है। ऐसे प्वाइंटों पर बीएसएफ मोटर बोट के जरिए गश्त कर रही है। पंजाब के लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर लंबे क्षेत्र में भारत-पाक सीमा सटी है, ऐसे इलाके में सरकंडों के जंगल भी हैं। जहां पर भी बीएसएफ ने सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं। यही नहीं रात के समय बीएसएफ की महिला सिपाही भी सरहद पर गश्त कर रही हैं। कई बार महिला सिपाही भी आसमान पर मंडरा रहे पाकिस्तानी ड्रोन अपनी इंसास राइफल से गिरा चुकी हैं। सरहद पर दिन-रात जवानों की गश्त चल रही है, पाकिस्तान की तरफ होने वाली पल-पल की खबर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पहुंचा रहे हैं। जवानों ने सरहद से सटे इलाकों के ग्रामीणों से भी अपील की है कि कोई बाहरी व्यक्ति उन्हें दिखे तो उन्हें तुरंत सूचना दें। सरहद के अलावा शहर से जुड़ीं सड़कों पर भी नाकाबंदी की हुई है। फिरोजपुर शहर को पूरी तरह सुरक्षा घेरे में रखा हुआ है। सरहद पर लगी कंटीली तार के आसपास बीएसएफ ने ऐसे आधुनिक यंत्र लगाए हैं कि जीरो लाइन क्रॉस कर कोई भारत सीमा में घुसता है तो जवानों को तुरंत पता चल जाता है।

पाकिस्तान की नापाक हरकत जारी, पंजाब में तीन जगह भारतीय सीमा में घुसे ड्रोन, नशे की खेप बरामद

अमृतसर। पाकिस्तान की नापाक हरकतें जारी हैं। पंजाब में दो दिन में तीन स्थानों पर ड्रोन भारतीय सीमा में दाखिल हुए। इनमें से दो ड्रोन पाकिस्तान लौट गए हैं। वहीं एक ड्रोन हेरोइन की खेप समेत बीएसएफ ने बरामद कर लिया है। पाकिस्तान से भारतीय सीमा में घुसे चीनी ड्रोन को 407 ग्राम हेरोइन समेत पंजाब पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बरामद किया है। डीएसपी भिखीविंड प्रीतइंदर सिंह ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सेक्टर अमरकोट के बीओपी तारा सिंह के पास शनिवार सुबह 6-15 बजे ड्रोन दाखिल होने की आवाज सुनाई दी। इसके बाद थाना खालड़ा की पुलिस और बीएसएफ की 103 बटालियन ने तालाशी अभियान चलाया। इसी दौरान दरबारा सिंह के खेतों से एक छोटे चीनी ड्रोन के साथ 407 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने बताया कि बरामद हेरोइन एक पैकेट में थी और ड्रोन के साथ लटकी थी। डीएसपी ने बताया कि खालड़ा थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर नशा तस्कर की तलाश शुरू कर दी गई है।

उधर, शुक्रवार तड़के तीन बजे भारत-पाकिस्तान सीमा के सेक्टर खेमकरण में बीओपी हरभजन के जरिए ड्रोन के दाखिल होने की आवाज आई। इसके बाद 101 बटालियन और खेमकरण थाने की पुलिस हरकत में आ गई। बीएसएफ और पुलिस ने सर्च ऑपरेशन के दौरान मस्तगढ़ निवासी जगजीत सिंह पुत्र के खेत से तीन किलो 18 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। डीएसपी भिखीविंड प्रीतिंदर सिंह ने कहा कि खेमकरण थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

फिरोजपुर में पाकिस्तानी ड्रोन ने गिराई हेरोइन की खेप

फिरोजपुर जिले के सीमांत गांव गट्टी मत्तड़ में शुक्रवार रात पाकिस्तानी ड्रोन ने एक किलो 630 ग्राम हेरोइन गिराई। हेरोइन के पैकेट फेंकने के बाद ड्रोन पाकिस्तान लौट गया। शनिवार को बीएसएफ और पुलिस को संयुक्त सर्च ऑपरेशन में हेरोइन के दो पैकेट मिले। पुलिस आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार सीमा सुरक्षा बल की बटालियन-182 के जवान रात को सरहद पर लगी फेंसिंग के आसपास गश्त कर रहे थे। इस दौरान एक ड्रोन भारत सीमा से सटे गांव गट्टी मत्तड़ से पाकिस्तान लौट रहा था। जवानों ने फायरिंग की और ईल्लू बम भी दागे लेकिन ड्रोन सुरक्षित पाकिस्तान लौट गया।

बुखार से पथरी क्षेत्र में महिला व दो बच्चों की मौत

- क्षेत्र में एक सप्ताह में बुखार से दम तोड़ चुके सात लोग

देहरादून। क्षेत्र के गांवों में बुखार से लोगों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। स्थिति यह कि पिछले चार दिनों से हर दिन बुखार से पीड़ित लोग दम तोड़ रहे हैं। बुधवार की रात से बृहस्पतिवार दोपहर के बीच बुखार से पीड़ित एक महिला और दो बच्चों ने दम तोड़ दिया। एक सप्ताह में सात लोगों की जान बुखार से गई है। नसीरपुर कलां की ग्राम प्रधान गुलनाज अंसारी ने बताया कि बुधवार को गांव के मंजनू की पत्नी जमातून (50) और घनश्याम के बेटे सन्नी (13) की बुखार से मौत हो गई है। इसके अलावा, पदार्था के इसरार की 10 वर्षीया बेटी साहिला की भी बुखार से मौत हो गई। ये लोग पिछले कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। इनका इलाज क्षेत्र के निजी अस्पतालों में चल रहा था। नसीरपुर कलां में इन तीन मौतों से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। परिजन में कोहराम मचा हुआ है। बता दें कि एक माह के भीतर बादशाहपुर, पदार्था, नसीरपुर कलां, एकड़ कलां, बहादरपुर जट आदि गांवों में कई लोग बुखार से पीड़ित हैं।

एक माह के भीतर नौ मौतें

एक माह के भीतर पथरी क्षेत्र में बुखार से नवीन सैनी उर्फ काका निवासी बादशाहपुर, नवाब व आहिल निवासी नसीरपुर कलां, सुमेर चंद निवासी एकड़ कलां और पप्पू कश्यप व पवन कुमार निवासी बहादरपुर जट की भी मौत हो चुकी है।

घरों पर जाने से कतराने लगे लोग

क्षेत्र रे जिन गांवों में लोगों में बुखार फैला है उन गांवों में लोगों के घरों में दूसरे लोग कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने डीएम और सीएमओ से गांवों में बुखार की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर लगवाने की मांग की है। ग्रामीण गांवों में कीटनाशक दवा का छिड़काव की भी मांग लोग कर रहे हैं।

आर्मी इलेवन दिल्ली और इंडियन ऑयल मुंबई की टीमों ने दर्ज की जीत

जालंधर। आर्मी इलेवन दिल्ली ने पंजाब पुलिस जालंधर को 3-2 के अंतर से और इंडियन ऑयल मुंबई ने सीएजी दिल्ली को 7-1 के अंतर से हराकर लीग राउंड में तीन अंक हासिल किए। स्थानीय ओलंपियन सुरजीत हॉकी स्टेडियम में चल रहे 40वें इंडियन ऑयल सर्वो सुरजीत हॉकी टूर्नामेंट के तीसरे दिन लीग राउंड के दो मैच खेले गए। इंडियन ऑयल के गुरजिंदर सिंह ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक बनाई। शुक्रवार का पहला लीग मैच पूल बी में पूर्व विजेता पंजाब पुलिस और पूर्व विजेता आर्मी इलेवन के बीच खेला गया। खेल के पहले क्वार्टर में सेना ने पुलिस पर कई बार हमला किया, लेकिन खेल के दूसरे क्वार्टर में पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से हमला किया और खेल के 27वें मिनट में भारतीय हॉकी के पूर्व कप्तान मनप्रीत सिंह ने हमला कर दिया। टीम ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला। 1-0 हो गया। दूसरा मैच पूल ए में पूर्व विजेता इंडियन ऑयल मुंबई और सीएजी दिल्ली के बीच खेला गया। खेल के चौथे मिनट में इंडियन ऑयल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी गुरजिंदर सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। खेल के 12वें मिनट में इंडियन ऑयल के सुनील यादव ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदल कर स्कोर 2-0 कर दिया. खेल के 16वें मिनट में इंडियन ऑयल के ओलंपियन सिमरनजीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया। 29वें मिनट में इंडियन ऑयल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तलविंदर सिंह ने फील्ड गोल कर स्कोर 4-0 कर दिया। हाफ टाइम के बाद इंडियन ऑयल के सुमित कुमार ने 34वें मिनट में और गुरजिंदर सिंह ने 42वें मिनट में गोल कर स्कोर 6-0 कर दिया। खेल के 52वें मिनट में वेंकटेश तेलुगु ने गोल कर स्कोर 1-6 कर दिया। 54वें मिनट में इंडियन ऑयल के गुरजिंदर सिंह ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक मारकर स्कोर 7-1 कर दिया।

42 दिन से पानी को तरस रहे 12 गांवों के लोग, समस्या निदान न होने पर आंदोलन की चेतावनी

हाथरस। हाथरस के नगला मिठास में लगी जल निगम की टंकी से करीब एक दर्जन गांवों में पेयजल की आपूर्ति होती है। करीब 42 दिनों से टंकी की सबमर्सिबल खराब हो गई है, जिससे जलापूर्ति भंग हो गई है। लोग पानी के लिए तरस रहे है। नलकूप की सबमर्सिबल खराब होने के बाद सादाबाद में कुरसंडा क्षेत्र के गांव नगला मिठास सहित दर्जनभर गांवों के लोग पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। प्रधान और अफसरों से शिकायत करने के बावजूद उन्हें इस समस्या से मुक्ति नहीं मिल सकी हे। ग्रामीणों ने एक बार फिर अधिकारियों से इसकी शिकायत की है। नगला मिठास में लगी जल निगम की टंकी से करीब एक दर्जन गांवों में पेयजल की आपूर्ति होती है। करीब 42 दिनों से टंकी की सबमर्सिबल खराब हो गई है, जिससे जलापूर्ति भंग हो गई है। लोग पानी के लिए तरस रहे है। प्रधान से शिकायत किए जाने के बावजूद ग्रामीणों को राहत नहीं मिली है। आज तक ग्रामीण यह समझ नहीं पाए हैं कि यह समस्या किस विभाग से निस्तारित होगी। जहां भी वह शिकायत लेकर जाते हैं, उन्हें टरका दिया जाता है। डीएम को शिकायत देकर ग्रामीणों ने यही मांग की कि उन्हें सबसे पहले यह अवगत कराया जाए कि इस समस्या का निराकरण किस विभाग द्वारा और कहां किया जाएगा। डीएम से शिकायत करने के बाद भी करीब 20 दिन बीत गए हैं, लेकिन आज तक समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया था कि शनिवार को मिस्त्री पहुंचकर मोटर को ठीक करेगा। ग्रामीण पूरे दिन इंतजार करते रहे मगर कोई नहीं पहुंचा।

विवेचना में लापरवाही पर बाबूगढ़ थाने का दरोगा निलंबित

हापुड़। थाना दिवस के दौरान शनिवार को एडीजी राजीव सब्बरवाल अचानक बाबूगढ़ थाने पहुंच गए और उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान विवेचनाओं में लापरवाही मिलने पर एडीजी के निर्देश पर एसपी ने उप निरीक्षक ओमकार सिंह को निलंबित कर दिया। वहीं, एसपी ने सीओ पिलखुवा वरुण कुमार को हटाकर जितेंद्र कुमार को चार्ज दिया है। एडीजी ने इससे पहले एसपी अभिषेक वर्मा के साथ थाने के रजिस्टरों से लेकर मुख्य दस्तावेज की जांच की। उन्होंने आगंतुक कक्ष, महिला कक्ष और जनसुनवाई डेस्क का निरीक्षण किया। अपराध नियंत्रण, शिकायती प्रार्थना-पत्रों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, आईजीआरएस के संबंध में थाना प्रभारी को निर्देशित किया। इसके अलावा इनामी एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी लंबित विवेचनाओं एवं अपराध नियंत्रण पर जोर दिया। एसपी ने भी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर तत्काल समस्याओं का निस्तारण करने के आदेश दिए। आगामी त्योहारों को ध्यान में रखकर पुलिस अभी से तैयारियों में जुट जाए।

विवेचना में लापरवाही पर गिरी गाज- निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि थाने में तैनात उपनिरीक्षक ओमकार सिंह की विवेचनाएं लंबित पड़ी हुई थीं। उन्होंने गंभीरता से नहीं लिया गया था। जवाब पूछने पर वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। जिसके चलते एसपी ने उन्हें निलंबित कर दिया।

सीओ पिलखुवा को भी हटाया - एसपी अभिषेक वर्मा ने जनपद की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए दो सीओ के कार्य क्षेत्रों में फेरबदल किया है। उन्होंने सीओ पिलखुवा वरुण मिश्रा को तत्काल प्रभाव से हटाकर क्षेत्राधिकारी पुलिस लाइन/यातायात/कार्यालय/साइबर सेल/अपराध शाखा का चार्ज दिया। वहीं, जितेंद्र कुमार शर्मा सीओ यातायात/ कार्यालय को क्षेत्राधिकारी पिलखुवा नियुक्त किया गया है। हालांकि चर्चाएं हैं कि सीओ पिलखुवा को लूट के विरोध में ऑटो से गिरने वाली बीटेक छात्रा के मामले में हटाया गया है। बताया जा रहा है कि युवती के हापुड़ के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना उच्चाधिकारियों को नहीं दी गई।

धर्मनगरी में बनी थी श्रीराम मंदिर निर्माण की वृहद रूपरेखा, इंटेलिजेंस को भनक तक नहीं थी लगती

देहरादून। 1992 में राम मंदिर आंदोलन के दौरान हुए बाबरी विध्वंस के बाद जितनी भी बैठकें हुईं इनमें धर्मनगरी के प्रमुख आश्रम और अखाड़े तो शामिल होते ही थे। कई मठों के शंकराचार्य भी इसमें आते थे। यहां तक की तुलसीपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज भी चित्रकूट से इन बैठकों में शामिल होने पहुंचते थे। रामलला 22 जनवरी को गर्भगृह में विराजेंगे। संतों का कई दशक पुराना संतों का यह सपना अब साकार होने वाला है। इस सफलता की जितनी खुशी अवध धाम है इससे कहीं ज्यादा धर्मनगरी हरिद्वार में भी है। तिथि तय होते ही यहां के संतों में काफी उत्साह है। हर वह संत आज उस दिन को याद कर रहा है जब विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल, राम मंदिर आंदोलन के प्रणेता कहे जाने वाले गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैधनाथ, परमहंस रामचंद्र दास जैसे संतों की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल हुआ करते थे।

धर्मनगरी के संत बताते हैं कि यहां कई दौर की बैठकें हुईं। इनमें मंदिर निर्माण से लेकर मुकदमे की पैरवी तक की पूरी रूपरेखा निर्धारित होती थी। बैठकों में तत्कालीन वह संत शामिल होते थे, जिन पर सरकार की ओर से कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा चुके थे। वर्ष 1984 से 1992 के बीच के दशक में श्रीराम मंदिर निर्माण की पूरी रूपरेखा इसी धरा धाम में तय की गई। संतों में श्रीराम लला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर इस कदर उत्साह है कि वह अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में परिवर्तन कर अयोध्या जाने की तैयारी में जुट गए हैं।

हरिद्वार में ही बजा था आंदोलन वृहद बिगुल

बता दें कि 1984 में गोरक्ष पीठाधीश्वर महंत सांसद अवैद्यनाथ के नेतृत्व में शुरू हुए आंदोलन को धार देने में विश्व हिंदू परिषद और धर्मनगरी के संतों की अहम भूमिका रही है। राम मंदिर आंदोलन के बाद पूरे अभियान की कमान संभाल रहे विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल जब भी कोई योजना बनाए तो वह हरिद्वार में बनती रही। आश्रम और अखाड़ों के साथ उन्होंने कई दौर के बैठक किए। इसमें देशभर के संत शामिल होते थे।

इंटेलिजेंस को भनक तक नहीं लगती थी

धर्मनगरी में कई बैठकें तो इस तरह भी हुईं कि प्रशासनिक इंटेलीजेंस को भी इसकी भनक नहीं लगती थी। हालत यह थी कि अशोक सिंघल के आगमन को लेकर संत किसी तरह की कोई चर्चा तक नहीं करते थे। उस समय तिथि और स्थान का निर्धारण भी इस तरह होता था कि इसकी कानों कान भनक किसी को नहीं लगती थी। 1992 में राम मंदिर आंदोलन के दौरान हुए बाबरी विध्वंस के बाद जितनी भी बैठकें हुईं इनमें धर्मनगरी के प्रमुख आश्रम और अखाड़े तो शामिल होते ही थे। कई मठों के शंकराचार्य भी इसमें आते थे। यहां तक की तुलसीपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज भी चित्रकूट से इन बैठकों में शामिल होने पहुंचते थे।

प्रभू श्रीराम हमारी अस्मिता हैं। आने वाले समय में विश्व के अनेक देशों से लोग अयोध्या आएंगे, राम मंदिर का दर्शन करेंगे। समाज हर्षित है, प्रफुल्लित है। राम मंदिर के निर्माण से राष्ट्र और उन्नति करेगा मजबूत होगा। जो लोग राम मंदिर के आंदोलन में शामिल रहे, उनका बहुत बड़ा योगदान है। आज वह शरीर से भले ही नहीं हैं, लेकिन उनका स्मरण करना बहुत जरूरी है। अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ, महंत रामचंद्र दास जैसे संतों के नेतृत्व में 1984 से 1992 के बीच करीब 50 बैठकें हुईं। उद्देश्य होता था हिंदू धर्मावलंबियों को इस अभियान से जुड़े। - स्वामी हरिचेतनानंद, पीठाधीश्वर हरि सेवा आश्रम

श्रीराम केवल भारत के नहीं अपितु राम प्रत्येक व्यक्ति के मति-गति के आदर्श हैं। भगवान राम जैसा आदर्श विश्व में नही है। विश्व में उनके समानांतर उदाहरण नहीं दिया जा सकता है। राम का जो मंदिर है वह भारत भूमि में अभीष्ट के रूप में स्थापित होगा। यहां पर भगवान राम ने लीलाएं कीं, उनके मंदिर में विराजमान होने के दौरान प्रधानमंत्री पहुंच रहे हैं यह गर्व का विषय है। राम जन्म भूमि न्यास का दायित्व है कि इसमें सभी राजनीतिक दलों, सभी संप्रदाय और आश्रम अखाड़ों को आयोजन में शामिल करे। देश में जितने भी राजनीतिक दल हैं उनका दायित्व है कि राम मंदिर को स्थापित करें, राजनीति के मंदिर को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। - जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज

इटली की जगह युवक को भेजा लीबिया, पांच महीने तक माफिया ने बंधक बना रखा

चंडीगढ़। युवक ने बताया कि माफिया ने उन्हें पांच महीने तक परेशान किया और कई बार पीटा। परिजनों को धमकाया और पैसे की मांग की। पीड़ित ने कहा कि माफिया को परिवार ने आठ लाख रुपये भी दिए। मगर आरोपी फिर भी मारपीट करता रहा। गुरप्रीत ने कहा कि उसने किसी तरह माफिया से अपनी जान बचाई। इटली भेजने का झांसा देकर जालंधर के ट्रेवल एजेंट ने लाखों की ठगी कर युवक को लीबिया भेज दिया और वहां एक माफिया को सौंप दिया। सामाजिक कार्यकर्ता की मदद से युवक लौटा तो आपबीती सुनाई। भारत लौटे गुरप्रीत ने बताया कि वहां करीब 17 अन्य भारतीय फंसे थे। इन्हें भारत सरकार और सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम साहनी की कोशिश के बाद निकाला गया है। भोगपुर के गांव भटनूरा के रहने वाले गुरप्रीत सिंह ने एसएसपी मुखविंदर सिंह भुल्लर को शिकायत देकर मामले में केस दर्ज करने की मांग की। गुरप्रीत ने बताया कि करीब पांच माह तक उसे लीबिया में बंधक बनाकर रखा गया। पीड़ित परिवार ने थाना भोगपुर की पुलिस को शिकायत दी है। पीड़ित ने कहा कि वह 24 जनवरी को भोगपुर के एक ट्रेवल एजेंट के झांसे में आकर विदेश गया था। उसे इटली भेजा जाना था। मगर आरोपी ने उसे लीबिया पहुंचाकर फंसा दिया। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने पहले उसे दुबई भेजा और वहां से लीबिया। लीबिया में एजेंट ने उन्हें माफिया के हवाले कर दिया था। माफिया ने उन्हें पांच महीने तक परेशान किया और कई बार पीटा। उसके परिजनों को धमकाया और पैसे की मांग की। पीड़ित ने कहा कि माफिया को घर से करीब 8 लाख रुपये मंगवाकर दिए गए थे। मगर आरोपी फिर भी मारपीट करते और धमकाते थे। गुरप्रीत ने कहा कि उसने किसी तरह माफिया से अपनी जान बचाई लेकिन लीबियाई पुलिस ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद उन्हें दो महीने जेल में बिताने पड़े। वह 17 अन्य भारतीयों के साथ हर दिन विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे थे। पुलिस आरोपी ट्रैवल एजेंट की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

त्रिगुट
सोमवार 30 अक्टूबर 2023

सरकार क्यों नहीं भेज रही यूएन में प्रतिनिधि मंडल

भारत सरकार, 2015 के बाद से संयुक्त राष्ट्र संघ में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नहीं भेज रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ में सभी देशों के प्रतिनिधि प्रति वर्ष भाग लेते हैं। इसमें लैंगिक समानता, शिशु मृत्यु दर, जलवायु परिवर्तन, गरीबी इत्यादि के संबंध में वह अंतराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा करते हैं। किस तरह से इन विषयों पर सफलता पाई जा सकती है,चर्चा करते थे। मंच से अपने विचार रखने का मौका हर देश को मिलता है। हर साल संयुक्त राष्ट्र संघ में सितंबर से लेकर दिसंबर के बीच में सारी दुनिया के देशों के संसदीय प्रतिनिधि यहां पर पहुंचते हैं। विभिन्न देशों की सरकार, अपने प्रतिनिधियों को यूएन भेजती है। वहां जाकर अपने देश का पक्ष रखते हैं। साथ ही अन्य देशों से आए हुए लोगों का पक्ष भी जानने का मौका मिलता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समस्या के समाधान के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं, इसकी जानकारी भी वहां जाने पर मिलती है। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की शुरुआत जवाहरलाल नेहरू के समय से हो गई थी। इस प्रतिनिधि मंडल में सभी दलों के सांसदों को भेजा जाता था। जो संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर अपने देश का पक्ष बखूबी रखते थे। 2015 के बाद से एक भी प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र संघ में नहीं भेजा गया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में संसदीय प्रतिनिधि मंडल की विशेष भूमिका होती है। जब सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल यूएन की बैठक में भाग लेने जाता था, तो सभी दलों के प्रतिनिधियों के बीच में भी आपसी सहमति और भारत का पक्ष किस तरह से रखा जाए। जो राष्ट्र के गौरव बढ़ाये, इस संबंध में सभी चर्चा करते थे। सभी दलों के सांसदों के बीच में एक सहभागिता तथा स्वस्थ लोकतंत्र के आदर्शों के प्रति विश्वास जागृत होता था।

2015 के बाद से जब कोई भी प्रतिनिधिमंडल यूएन के दौरे पर नहीं गया है। सांसदों को अंतर राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले बदलाव, भारत के बारे में दुनिया के अन्य देशों की क्या सोच है। भारत अपने बारे में क्या कहना चाहता है, इसको लेकर यूएन के साथ बड़ा वैक्यूम बन गया है। भारत सरकार प्रतिनिधि मंडल में सरकार कई बार विपक्षी सांसद के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल भेजती थी। जिसमें सारी दुनिया में यह संदेश जाता था, कि भारत में लोकतंत्र है। पिछले 8 वर्षों से कोई भी प्रतिनिधिमंडल यूएन नहीं गया। सांसदों को यहां पर जाकर अपने प्रतिभा दिखाने का मौका भी मिलता था। संसदीय कार्यकाल में यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धता होती थी। जिसमें वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या चल रहा है, यह सब जानने, समझने और भारत का पक्ष बताने का मौका मिलता था। वर्तमान सरकार ने प्रतिनिधि मंडल भेजना क्यों बंद किया है। इसका कोई कारण तो अभी तक नहीं बताया गया है। जैसा कि माना जाता है, सत्ता में विपक्ष की भागीदारी को वर्तमान सरकार स्वीकार नहीं करती है। यूएन जो प्रतिनिधिमंडल जाता था, वह पूरी तरीके से स्वतंत्र होता था। सभी सांसद अपने देश का पक्ष खुलकर रखते थे। यूएन के बड़े-बड़े समिति कक्ष में बैठकें होती हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित करने का मौका प्रतिनिधि मंडल को मिलता था। इससे देश का गौरव भी बढ़ता था। कई दशकों के इतिहास में कभी ऐसा कोई मौका नहीं आया,जब प्रतिनिधिमंडल संयुक्त राष्ट्र में गया हो और उसके कारण भारत की छवि को तथा सरकार को कोई परेशानी का सामना करना पड़ा हो। वर्तमान सरकार के सामने सत्ता पक्ष के सांसद अपना पक्ष ठोस तरीके से नहीं रख पाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क कर पाना भी बहुत आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में सत्ता पक्ष के सांसद भी अपनी मांग नहीं रख पाते हैं। विपक्ष के सांसद प्रधानमंत्री तक पहुंच ही नहीं पा रहे हैं।

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रुई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है। जब तक कर्मों का फल समाप्त नहीं होता है तब तक जीवन मरण का चक्र चलता रहता है। जो लोग सुख की अभिलाषा करते हैं उन्हें बार-बार जन्म लेकर दुख सहना पड़ता है। इसलिए दुख से बचने का एक मात्र उपाय यह है कि दुख सह कर भी ईश्वर से शिकायत न करो, सुख अपने हिस्से में स्वयं आ जाएगा।

भारत में बैंक ऋण का उपयोग उत्पादक कार्यों हेतु दक्षता के साथ हो रहा है

प्रहलाद सबनानी

भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते व्यवसाईयों, कृषकों, उद्यमियों, उद्योगों, सेवाकर्मियों एवं नागरिकों की, उनकी आर्थिक एवं अन्य गतिविधियों के लिए, पूंजी की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा रही है। वर्तमान केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान देते हुए विशेष रूप से सरकारी क्षेत्र की बैंकों को तैयार किया है कि वे देश के समस्त नागरिकों को ऋण के रूप में धन अथवा पूंजी आसान शर्तों पर उपलब्ध कराएं ताकि देश के आर्थिक विकास को बल मिल सके। ऋण का उपयोग यदि उत्पादक कार्यों के लिए किया जाता है एवं इससे यदि धन अर्जित किया जाता है तो बैंकों से ऋण लेना कोई बुरी बात नहीं है। बल्कि, इससे तो व्यापार को विस्तार देने में आसानी होती है और पूंजी की कमी महसूस नहीं होती है। भारतीय नागरिक तो वैसे भी सनातन संस्कृति के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए अपने ऋण की किश्तों का भुगतान समय पर करते नजर आते हैं इससे बैंकों की अनुत्पादक आस्तियों में कमी दृष्टिगोचर हो रही है, जून 2023 को समाप्त तिमाही में भारतीय बैंकों में सकल अनुत्पादक आस्तियों का प्रतिशत केवल 3.7 प्रतिशत था। इससे अंततः बैंकों की लाभप्रदता में वृद्धि होती है और इन बैंकों के पूंजी पर्याप्तता अनुपात में सुधार होता है। जून 2023 को समाप्त तिमाही में भारतीय बैंकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 17.1 प्रतिशत था जो अमेरिकी बैंकों के पूंजी पर्याप्तता अनुपात से भी अधिक है। साथ ही, वर्तमान ऋण की, समय पर अदायगी से बैंकों की ऋण प्रदान करने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। अभी हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि भारत में वित्तीय वर्ष 2014 से वित्तीय वर्ष 2023 के बीच बैंकों की कुल सम्पत्ति/देयताओं में वृद्धि, वित्तीय वर्ष 1951 से वित्तीय वर्ष 2014 के बीच की तुलना में 1.3 गुणा अधिक रही है। वित्तीय वर्ष 2051 से वित्तीय वर्ष 2014 के बीच के 63 वर्षों के दौरान भारत की समस्त अनुसूचित व्यावसायिक बैंकों की सम्पत्ति एवं देयताओं में 142 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की गई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2014 से 2023 के बीच के 9 वर्षों के खंडकाल में यह वृद्धि 187 लाख करोड़ रुपए की रही है। बैंकों द्वारा अधिक मात्रा में प्रदान की जा रही ऋणराशि के चलते ही बैंकों की आस्तियों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की गई है। 22 सितम्बर 2023 को समाप्त पखवाड़े के दौरान बैंकों द्वारा प्रदान की गई ऋण राशि में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, इससे बैंकों का ऋण जमा अनुपात 78.58 हो गया है। भारत के बैंकों की ऋण राशि में हो रही अतुलनीय वृद्धि के बावजूद, भारत में ऋणःसकल घरेलू उत्पाद अनुपात अन्य देशों की तुलना में अभी भी बहुत कम है। हालांकि हाल ही के समय में विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ा है, वित्तीय वर्ष 2022-23 के चौथी तिमाही में विनिर्माण इकाईयों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 76.3 प्रतिशत उपयोग किया जा रहा था, जिसके कारण उद्योग जगत को ऋण की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है। बढ़े हुए ऋण की आवश्यकता की पूर्ति भारतीय बैंकें आसानी से करने में सफल रही हैं। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विकसित देशों में भी प्रायः यह देखा गया है कि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण में वृद्धि के साथ उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में भी अब यह तथ्य परिलक्षित होता दिखाई दे रहा है। भारत में आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में भी ऋण की मांग लगातार बढ़ रही है। फिर भी, भारत में कोरपोरेट को प्रदत्त ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत वर्ष 2015 के 65 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 50 प्रतिशत हो गया है। इसका आशय यह है कि इस दौरान कोरपोरेट ने अपने ऋण का भुगतान किया है एवं उन्होंने सम्भवतः अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करते हुए अपने लाभ का पूंजी के रूप में पुनर्निवेश किया है। साथ ही, कुछ कोरपोरेट का आकार इतना अधिक बढ़ा हो गया है कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय वित्त बाजार से कम ब्याज की दर पर डॉलर में ऋण प्राप्त करने में सफलता पाई है। हालांकि इस बीच भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी बढ़ा है जो वर्ष 2013 में 2200 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 में 4600 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है।

विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदत्त लम्बी अवधि के ऋण सामान्यतः आस्तियां उत्पन्न करने में सफल रहे हैं, जैसे गृह निर्माण हेतु ऋण अथवा वाहन हेतु ऋण, आदि। इस प्रकार के ऋणों के भविष्य में डूबने की सम्भावना बहुत कम रहती है। बैंकों द्वारा खुदरा क्षेत्र में प्रदत्त ऋणों में से 10 प्रतिशत से भी कम ऋण ही प्रतिभूति रहित दिए गए हैं जैसे सरकारी कर्मचारियों को पर्सनल (व्यक्तिगत) ऋण, आदि। पर्सनल ऋण प्रतिभूति रहित जरूर दिए गए हैं परंतु चूंकि यह सरकारी कर्मचारियों सहित नौकरी पेशा नागरिकों को दिए गए हैं, जिनकी मासिक किश्तें समय पर अदा की जाती हैं, अतः इनके भी डूबने की सम्भावना बहुत ही कम रहती है। इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि भारत में अब बैंकों द्वारा ऋण सम्बंधी व्यवसाय बहुत सुरक्षित तरीके से किया जा रहा है। इसी कारण से हाल ही के समय में यह पाया गया है कि भारतीय बैंकों की अनुत्पादक आस्तियों की वृद्धि पर अंकुश लगा है। यह भी संतोष का विषय है कि हाल ही के समय में भारतीय बैंकों से प्रथम बार ऋण लेने वाले नागरिकों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इसका आशय यह है कि भारतीय नागरिक जो अक्सर बैंकों से ऋण लेने से बचते रहे हैं वे अब बैंकों से ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं क्योंकि इस बीच बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋण सम्बंधी शर्तों को आसान बनाया गया है। सिबिल द्वारा जारी की गई जानकारी के अनुसार, भारत में वित्तीय वर्ष 2023 को समाप्त अवधि के दौरान प्रदान किए गए कुल पर्सनल ऋणों में 98 प्रतिशत ऋण 50,000 रुपए से अधिक की राशि के थे और केवल 2 प्रतिशत ऋण ही 50,000 रुपए की कम राशि के थे। यह भारत के नागरिकों की आय में लगातार हो रही वृद्धि को दर्शा रहा है। क्योंकि, पर्सनल ऋण सामान्यतः व्यक्ति की किश्त अदा करने की क्षमता के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसी प्रकार, भारत में नागरिकों द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग में भी वृद्धि दर्ज की गई है और कई नागरिकों द्वारा क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध भी ऋण राशि का उपयोग किया जा रहा है। परंतु, इस दृष्टि से भी यह संतोष का विषय है कि भारत में प्रति क्रेडिट कार्ड औसत ऋण की राशि में लगातार कमी दर्ज हो रही है। इसका आशय यह है कि क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिकों द्वारा ऋण की राशि का भुगतान समय पर हो रहा है एवं इस क्षेत्र में चूक की दर अन्य देशों की तुलना में भारत में बहुत कम है। अमेरिका में तो क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध लिए गए ऋणों में चूक की दर बहुत अधिक है एवं बैंकों की एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इस मद पर बकाया है। कुल मिलाकर भारत के संदर्भ में यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि भारतीय नागरिकों में सनातन संस्कृति के संस्कार होने के कारण बैंकों से ऋण के रूप में उधार ली गई राशि का समय पर भुगतान किया जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया की तरह माना जाता है, जिसके कारण भारतीय बैंकों के अनुत्पादक आस्तियों की राशि अन्य देशों की बैंकों की तुलना में कम हो रही है।

ई-कॉमर्स साइट्स की जरूरत क्यों ?

विजय गर्ग

डिजिटल युग में लोग ऑनलाइन शॉपिंग पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। कुछ समय पहले त्योहारों पर छोटे दुकानदारों को अपनी आय बढ़ने की उम्मीद रहती थी, वहीं अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध फेस्टिवल सेल ने दुकानकारों की सेल को कम किया है। इस अंतर को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि ऑनलाइन खरीदारी की एक वजह दुकानदार द्वारा सामान का गलत नाप और ज्यादा पैसे लेना भी है। आज के समय में लोग कम समय में अधिक से अधिक उत्पाद वाजिब दामों पर खरीदना चाहते हैं। लोगों के पास इतना समय नहीं होता कि वह सारा दिन शॉपिंग के लिए निकालें, इस कारण भी ऑनलाइन शॉपिंग बढ़ रही है। हां, ई-कॉमर्स साइट्स से सामान खरीदने का एक नुकसान यह है कि आपको जो सामान तस्वीरों और वीडियो में दिखाया जाता है, असल में उसकी गुणवत्ता वैसी नहीं होती। जबकि बाजार जाकर सामान खरीदने से पहले आप उसकी गुणवत्ता का पैमाना जांच सकते हैं। हालांकि, वक्त की नजाकत को देखते हुए दुकानदारों ने भी ऑनलाइन पेमेंट लेना शुरू कर दिया है, लेकिन अभी भी लोग ऑनलाइन शॉपिंग को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। छोटे सामान खरीदने के लिए तो लोग बाजार जाते हैं, मगर महंगे सामान, जैसे- टीवी, स्मार्टफोन और लैपटॉप आदि की खरीदारी ई-कॉमर्स साइट्स से हो रही है। एक तर्क यह भी है कि छोटे और मध्यम व्यापारियों से लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है। अगर उनका कारोबार प्रभावित होता है तो उनसे जुड़े हुए लोगों के रोजगार पर भी संकट बढ़ जाएगा, इसलिए त्योहारी सीजन में सबका ध्यान रखना जरूरी है। हमारे देश में ट्रैफिक पुलिस अपनी ओर से हर उपाय करती है कि सड़कों पर यातायात सुगमता से चलता रहे, उनकी लाख कोशिशों के बाद भी सड़कों पर दुर्घटनाएं होती हैं। दरअसल, सड़कों पर वाहन चलाते समय शॉर्टकट के चक्कर में वाहन चालक दुर्घटनाओं को अंजाम देते हैं। इस वजह से सड़क हादसों और उनमें जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ती रहती है।

यातायात पुलिस के लाख समझाने के बाद भी वाहन चालक सतर्क नहीं रहते हैं। अक्सर राजमार्ग पर हुए हादसों में यातायात नियम पालन का सर्वथा अभाव रहता है। चार पहिया वाहनों के बजाय दो पहिया वाहन चालक अधिक गलतियां करते हैं। इनमें भी हेलमेट न पहनने की शिकायत ही सबसे अधिक मिलती है। एक्सप्रेस-वे पर अक्सर उल्टी दिशा में वाहन चलाने की शिकायतें अधिक पाई जाती हैं।

राजमार्गों पर बेवजह जगह-जगह गाड़ियां खड़ी करने के कारण भी अक्सर रात में वाहन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। हम तो यही चाहते हैं कि बच्चों को जिस तरह से नैतिक शिक्षा का ज्ञान स्कूल में दिया जाता है, इस तरह से छोटी क्लासों से ही यातायात के नियम सिखाने के लिए एक सेशन अलग से आयोजित किया जाना बेहद आवश्यक है, ताकि हमारे इन भावी वाहन चालकों को शुरू से ही वाहन चालन और इसके नियम पालन करने की आदत पड़ सके और उन्हें सुरक्षित ढंग से वाहन चलाने की ट्रेनिंग भी आसानी से मिल सके। हमारे लिए गर्व की बात है कि सरकार आमजन की यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है। देश में आवाजाही को और सुविधाजनक बनाने के लिए तेज रफ्तार से चलने वाली ट्रेन को हरी झंडी मिल गई है। इससे दिल्ली और इसके आस-पास के लोगों की यात्रा आसान हो जाएगी, साथ ही दफ्तर जाने वाले, व्यापारी और छात्र समेत अन्य कामकाजी लोगों को भी फायदा होगा। महानगरों में जिस तरह ट्रैफिक बढ़ रहा है, ऐसे में जरूरी है कि सार्वजनिक वाहनों की तरफ दायरा भी बढ़े। इसके साथ देश के अन्य क्षेत्रों में भी मेट्रो ट्रेन की सुविधा उपलब्ध हो। केंद्र और राज्य सरकारों को बढ़ती ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए छोटे शहरों में भी मेट्रो ट्रेन की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। मेट्रो ट्रेन मात्र ट्रैफिक समस्या से निजात दिलाने वाली ही नहीं, बल्कि यह बढ़ते प्रदूषण को रोकने में भी कारगर साबित सकती है। क्योंकि इस कारण लोग अपने निजी वाहनों का उपयोग कम करेंगे। जब सड़कों पर वाहन कम संख्या में दौड़ेंगे तो जाम की समस्या नहीं बनेगी और वातावरण भी दूषित नहीं होगा। इसलिए लोगों को भी चाहिए कि वे यात्रा के लिए ज्यादा से ज्यादा सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। ऑटो, ट्रेन और बस जैसे सार्वजनिक वाहन न केवल सफर को आरामदायक बनाते हैं, बल्कि पार्किंग की समस्या से भी निजात दिलाते हैं।

ख़ास लोगों की बनती जा रही आम जन की ट्रेन

निर्मल रानी

नवरात्रि के अवसर पर पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली रैपिड रेल सेवा का उद्घाटन किया। नमो भारत के नाम से चलने वाली यह रैपिड रेल सेवा अपने पहले व शुरुआती चरण में गाज़ियाबाद के साहिबाबाद व दुहाई डिपो के बीच संचालित होगी। रैपिड रेल सेवा के इस पहले फेज़ में 5 स्टेशन होंगे। इसकी गति 100 किलोमीटर प्रति घंटे से 160 किलोमीटर प्रति घंटे तक होगी। यह हर 15 मिनट में उपलब्ध होगी। और प्रत्येक स्टेशन पर केवल 30 सेकंड के लिए रुकेगी। इसमें मेट्रो की तरह महिलाओं के लिए अलग कोच होगा। इस हाई स्पीड ट्रेन में फ़िलहाल कुल 6 कोच होंगे। इस ट्रेन के उद्घाटन अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मुझे छोटे सपने देखने की आदत नहीं है। न ही मुझे मरते-मरते चलने की आदत है। दिल्ली-मेरठ का रैपिड ट्रेन की यह शुरुआत है। पहले फेज़ में दिल्ली, यू हरियाणा, राजस्थान के इलाक़े नमो भारत से कनेक्ट होंगे। देश के बाक़ी हिस्सों में ऐसा ही सिस्टम बनेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मैंने तो बचपन रेलवे ट्रैक पर बिताया है। आज रेलवे का ये नया रूप मुझे सबसे ज़्यादा आनंदित करता है। ये अनुभव प्रफुल्लित करने वाला है। प्रधानमंत्री ने कहा कि -नमो भारत ट्रेन में आधुनिकता भी है, अद्भुत स्पीड भी है। ये ट्रेन नए भारत के नए सफ़र और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही है। दिल्ली-मेरठ ऋऋऋ कॉरिडोर 82 किलोमीटर लंबा है। इस प्रोजेक्ट पर क़रीब 30 हज़ार करोड़ रुपए ख़र्च हो रहे हैं । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा कि- इस दशक के अंत तक आपको भारत की ट्रेनों और रेलवे की सूरत बदलती नज़रआएगी। देश को तीव्र गामी अति आधुनिक रेल मिलना निश्चित रूप से गर्व की बात है। मेट्रो की सुविधाओं की ही तरह मेरठ-दिल्ली रुट पर चलने वाले दैनिक यात्री ख़ास तौर से इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

परन्तु जब प्रधानमंत्री इस दशक के अंत तक भारत की ट्रेनों और रेलवे की सूरत बदलने की बात करते हैं तो देश के उन करोड़ों दैनिक रेल यात्रियों पर नज़र जाना स्वाभाविक है जो कोविड काल से अब तक रेल दुर्व्यवस्था का शिकार हैं। देश के कई इलाक़ों में स्थानीय स्तर पर चलने वाली कई दैनिक सवारी रेल गाड़ियां बंद पड़ी हुई हैं। अनेक क्षेत्रों में रेल विभाग मनमानी तरीक़े से जब चाहे ट्रेन कैंसिल होने की घोषणा कर देता है। उदाहरण के तौर पर छत्तीसगढ़ के बस्तर, रायपुर ,भुवनेश्वर लाइन की कई सवारी रेल गाड़ियां अक्सर कैंसिल हो जाती हैं। जिससे ज़रूरतमंद यात्रियों को बसों से जाना पड़ता है। उधर बस सेवा प्रदान करने वाले इसे आपदा में अवसर मानकर परेशान यात्रियों से मनमाने पैसे वसूलने लगते हैं। कोविड काल के बाद सैकड़ों यात्री गाड़ियों को स्पेशल ट्रेन का नाम दे दिया गया है। जबकि उनका रुट,स्टॉपेज,छूटने पहुँचने का समय ,गति आदि सब कुछ पूर्ववत है। परन्तु केवल स्पेशल का टैग लगने मात्र से इसका किराया दस रूपये की जगह तीस रूपये कर दिया गया है। उदाहरण के तौर पर इस श्रेणी में अम्बाला -कुरुक्षेत्र,सहारनपुर,नांगल डैम,लुधियाना आदि रुट पर चलने वाली डेमू व ईमू जैसी अनेक सवारी गाड़ियों को देखा जा सकता है। क्या देश के आम यात्रियों को परेशानी में डालने की शर्त पर ही भारत की ट्रेनों और रेलवे की सूरत बदलने की योजना है ? आम रेलयात्रियों को परेशान करने वाले कई फ़ैसले सरकार ख़ामोशी से भी ले लेती है। जबकि सरकार किसी नयी योजना का जमकर ढिंढोरा पीटने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखती। उदाहरण के तौर पर श्रीगंगानगर-ऋषिकेश -गंगानगर रुट पर दशकों से 14712 /14711 नंबर वाली इंटरसिटी ट्रेन परिचालित होती थी। इसमें एक डिब्बा ए सी चेयर कार का होता था जबकि शेष ट्रेन का पूरा रैक सामान्य क्लास का होता था। विगत कुछ समय से इसी ट्रेन पर बाड़मेर -ऋषिकेश -बाड़मेर के बोर्ड लगे नज़र आने लगे जबकि ट्रेन का नंबर वही 14712 /14711 ही रहा। हाँ ट्रेन के रैक में एक बड़ा परिवर्तन ज़रूर हुआ। अब इसमें तीन कोच ए सी के लग गए, और अधिकांश कोच आरक्षित स्लीपर क्लास के कर दिए गये। जबकि ट्रेन के आगे और पीछे केवल दो दो कोच सामान्य यात्रियों (अनारक्षित) के लिये छोड़े गये। और अब इसी 1 अक्टूबर से इस ट्रेन का नंबर भी अचानक बदल कर 14816 /14815 कर दिया गया। ज़रा सोचिये कि जो ट्रेन गंगानगर हरिद्वार रुट पर गंगा स्नान करने वाले आम यात्रियों को लती ले जाती हो ,जिस ट्रेन से इस पूरे मार्ग के लोग अपने मृत जनों की अस्थियां लेकर आते जाते हों,कांवड़ यात्रा के दिनों में जिसपर लाखों कांवड़ यात्री आते जाते हों ,यदि उसी गाड़ी के अधिकांश कोच स्लीपर क्लास के लिये आरक्षित कर दिए जाएँ , इससे बड़ा अन्याय आम रेल यात्रियों के साथ और क्या हो सकता है। ख़बर है कि 14712 /11 व एक अन्य ट्रेन को 14816 /14815 में समाहित कर दिया गया है। यानी दो ट्रेन समाप्त कर एक कर दी गयी है। कहाँ तो सरकार देश के ग़रीबों पर तरस खाकर उन्हें पांच किलो राशन फ़्री या सस्ते में देकर उनके प्रति हमदर्दी जताती है। और इस मुफ़्त राशन के बदले में वोट पाने की भी उम्मीद रखती है। और कहाँ तो उनके गंतव्य तक आने जाने वाले एकमात्र सुलभ साधन को उनकी पहुँच से दूर कर देती है ? आख़िर आम रेल यात्रियों के साथ यह कैसा न्याय है ? रैपिड रेल में यात्रियों को कई विशेष सुविधाएं दिये जाने की भी ख़बर है। मिसाल के तौर पर इसमें ओवरहेड लगेज रैक, वाई-फ़ाई और हर सीट पर एक मोबाइल और लैपटॉप चार्जिंग सॉकेट जैसी यात्री सुविधायें तो होंगी ही साथ ही यह कई सुरक्षा सुविधाओं से भी युक्त होगी। इसमें आम यात्रियों की सुविधा के लिए शताब्दी ट्रेन या हवाई जहाज़ की इकोनॉमी क्लास जैसी रिक्लाइनिंग सीटें लगाई गई हैं। हर तरफ़ डिजिटल स्क्रीन लगाई गई हैं, जिससे स्टेशन से जुड़ी जानकारी के साथ ही ट्रेन की टाइम स्पीड का भी पता चलेगा। इस ट्रेन में प्रवेश के लिए हाई-टेक स्वचालित गेट्स लगे हैं और यात्रियों की सुरक्षा हेतु प्लेटफ़ॉर्म और ट्रेन के ट्रैक के बीच कांच की दीवार भी लगाई गई है।

अब ज़रा यात्री गाड़ी और साधारण स्टेशन की इससे तुलना कीजिये। स्टेशन पर गाय ,कुत्तों, भिखारियों व अवांछित तत्वों का साम्राज्य ,ट्रेन में भिखारी या साधुवेषधारी को बिना टिकट चलने की पूरी आज़ादी , तमाम स्टेशन पर पीने के पानी तक की मोहताजगी, सुरक्षा नाम की तो कोई चीज़ ही नहीं,रेलवे स्टेशन पर घटिया खाद्य सामग्री का धड़ल्ले से बिकना,बेटिकट भिखारियों का सीट पर क़ब्ज़ा और बाटिकट मेहनतकश यात्री खड़े होकर यात्रा करे,ज़हर खुरानी जैसे अपराध का धड़ल्ले से होते रहना, ट्रेन में महिलाओं से छेड़ छाड़ यहाँ तक कि बलात्कार तक की ख़बरें सुनाई देना जैसी और भी अनेक समस्यायें हैं जिनसे देश का आम रेल यात्री जूझ रहा है। ऐसे में क्या यह सवाल जायज़ नहीं कि कल तक आम जन की समझी जाने वाली भारतीय रेल क्या अब ख़ास लोगों की बनती जा रही है?

खुद तय करें कि अगले जन्म में क्या बनेंगे

अगले जन्म में आप धनवान बनेंगे या गरीब, एक्टर बनेंगे या डॉक्टर यह सब आप पर निर्भर है। हो सकता है कि आप इस पर यकीन न करें लेकिन सच यही है। इसका प्रमाण है श्रीमद्भगवत् गीता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि आत्मा अमर है। एक शरीर को छोड़कर आत्मा दूसरा शरीर धारण कर लेती है। अर्जुन को समझाते हुए श्री कृष्ण ने कहा है कि ऐसा कोई समय नहीं है जब तुम और मैं नहीं थे। आने वाला ऐसा कोई समय नहीं है जब हम और तुम नहीं होंगे। भगवान प्रत्यक्ष रूप से कहते हैं आत्मा निरंतर एक शरीर से दूसरे शरीर में पहुंचकर अपनी यात्रा जारी रखती है। यानी आप चाहें या न चाहें आपको अगला जन्म लेना है। आपके हाथ में बस इतना है कि आप अगले जन्म में खुद को किस रूप में देखना चाहते हैं यह तय करें। आप कहेंगे कि जब हम खुद ही तय कर सकते हैं कि हमें अगले जन्म में क्या बनना है तो हर व्यक्ति धनवान और सुखी होता है। लेकिन इस दुनियां में गरीब भी हैं और दुखी भी हैं। श्रीमद्भगवत् गीता में इस प्रश्न का भी उत्तर है। गीता के अष्टम में अध्याय में लिखा है, श्री कृष्ण अर्जुन से कहते है ''यं यं वापि स्मरन्भावं त्यजत्यन्ते कलेवरम्। तं तमेवैति कौन्तेय सदा तद् भावभावितः इसका अर्थ है, '' हे कुन्तीपुत्र अर्जुन! यह मनुष्य अन्तकाल में जिस-जिस भी भाव को स्मरण करता हुआ शरीर का त्याग करता है, उस उसको ही प्राप्त होता है, क्योंकि वह सदा उसी भाव से भावित रहा है।

यानी आप अंत समय में जिन-जिन चीजों का ध्यान करेंगे अगले जन्म में उन चीजों को प्राप्त करेंगे। इसी मान्यता के कारण बहुत से लोग अपने बच्चों का नाम भगवान के नाम पर अर्थात राम, विष्णु, कृष्ण, गोविंद आदि रखते हैं। इसका उद्देश्य यह रहता है कि जीवन काल में संतान का नाम लेते हुए भगवान का भी स्मरण बना रहे। आमतौर पर मनुष्य का अपनी संतान से बहुत अधिक मोह रहता है, मरते समय वह अपनी संतान का मुख देखना चाहता है और उसे ही याद करता है। संतान का नाम ईश्वर के नाम पर होने से मरते समय संतान को याद करते हुए व्यक्ति ईश्वर का भी ध्यान कर लेता है जिससे मुक्ति मिल जाती है। इसलिए हमेशा उस बात का ध्यान करिये जो आप बनना चाहते हैं।

सत्ता पाने की होड़ में साम दाम दंड भेद की नीति

डा. भरत मिश्र प्राची

देश में जब से पांच राज्य मिजोरम, तेलंगाना, राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विधान सभा चुनाव की तिथियां चुनाव आयोग ने घोषित कर दी है तब से देश के सभी राजनीति दल सत्ता पाने की होड़ में साम दाम दंड भेद की नीति के साथ चुनाव मैदान में उतर आये है। जहां विशेष रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्य मुकाबला कांग्रेस एवं भाजपा के बीच है। राजस्थान में जहां भाजपा अभी तक सर्वाधिक उम्मीदवार मैदान में उतार चुकी है वहीं कांग्रेस जारी तीसरी सूची तक विधानसभा की कुल संख्या के आधे से भी कम उम्मीदवार घोषित कर पाई। कांग्रेस के कई चर्चित चेहरों को अभी उम्मीदवार सूची में शामिल नहीं किया गया है, आगे भी होगा की नहीं कुछ कहा नहीं जा सकता। ऐसा लगता है कि कांग्रेस नामांकन की अंतिम तिथि के आस पास अपनी पूरी सूची जारी करें। जब कि मध्यप्रदेश, मिजोरम, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सर्वाधिक उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। इन राज्यों में आम आदमी पार्टी भी पूरे जोश से अपना उम्मीदवार चनाव मैदान में उतारते जा रही है जहां उसका कोई वजूद तो नहीं पर उम्मीद सत्ता पाने तक बनी हुई है। इन राज्यों में अन्य मुख्य राजनीतिक दलों के आलावे देश के अन्य राजनीतिक दल आम आदमी पार्टी के साथ - साथ बसपा, भाकपा, रालोद, एआइएमएम राजनीतिक दल भी अपना अपना उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतार रहे है जो चुनावी आकड़े को प्रभावित कर सकते। जिससे सत्ता किसके पास जायेगी, कह पाना मुश्किल है। जबकि राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीगढ़ में कांग्रेस एवं भाजपा मुख्य रूप से सत्ता की दौड़ में फिलहाल आगे है। दोनों में कड़ी टक्कर देखी जा सकती है, उम्मीदवार घोषित होने के बाद कम ज्यादा दोनों राजनीतिक दल में विरोध, मतभेद उभरते देखे जा सकते। इस परिवेश पर जो भी राजनीतिक दल जितना नियंत्रण कर पायेगा उतना ही राजनीतिक लाभ में रहेगा। राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में कांग्रेस फिर से सत्ता में वापिस आने की उम्मीद के साथ मध्यप्रदेश, तेलंगाना एवं मिजोरम में सत्ता पाने की दिशा में जहां प्रयासरत नजर आ रही रही है वहीं भाजपा मध्यप्रदेश की सत्ता को बचाये रखने के साथ - साथ अन्य राज्यों में भी डबल इंजन की सरकार कायम करने की दिशा में हर कदम उठाती नजर आ रही है। इस चुनाव में भाजपा स्थानीय नेतृत्व को नकार कर केन्द्रीय नेतृत्व को आगे कर चुनाव लड़ती नजर आ रही है जहां इस चुनाव में अपने कई सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा है। भाजपा का यह नया प्रयोग उसे कितना राजनीतिक लाभ दे पायेगा , यह तो चुनाव उपरान्त आये चुनाव परिणाम ही बता पायेगा। इसी तरह तेलंगाना एवं मिजोरम में कांग्रेस एवं भाजपा में से किसी के पास भी फिलहाल सत्ता नहीं है, वहां सत्ता पर क्षेत्रीय दलों का अधिकार जमा हुआ है। चुनाव बाद वहां राजनीतिक स्थिति में बदलाव के लक्षण तो दिख रहे है पर यह बदलाव कांग्रेस की ओर जाता ज्यादा दिखाई दे रहा है। कांग्रेस सत्ता तक पहुंच पाती है या नहीं पर इस चुनाव में उसे पहले से ज्यादा राजनीतिक लाभ मिलता नजर आ रहा है। इस बार कांग्रेस को सत्ता मुख्य रूप से राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में मिलती नजर आ रही है तो मिजोरम एवं तेलंगाना में सत्ता के करीब दिखाई दे रही है। इस परिवेश को भाजपा पहचान चुकी है, उसे कांग्रेस पहले से भारी नजर आने लगी है जिसे कमजोर करने के लिये हर प्रकार की नीति अपनाती नजर आ रही है। सत्ता पाने की होड़ में देश के सभी राजनीतिक दल चुनाव में अपने - अपने तरीके एवं सामर्थ्य के अनुसार साम दाम दंड भेद नीति को अपनाते नजर आ रहे है। चुनाव के दौरान लुभावने घोषणाओं, धार्मिक आयोजन एवं सभाएं, जांच एजेंसियों की एकतरफा सक्रियता, प्रलोभन, भय आदि साम दाम दंड भेद नीति के ही स्वरूप है जिसपर चुनाव आयोग की पैनी नजर होनी चाहिए। इस दिशा में चुनाव आयोग की सकरात्मक भूमिका लोकतंत्र का परिदृश्य बदल सकती हे।

ब्रह्माकुमारीज की पहल पर आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा उभरते न्यायविद

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के गुरुग्राम स्तिथ ओम शांति रिट्रीट सेंटर परिसर में 27 अक्टूबर से शुरू हुए तीन दिवसीय न्यायविद महासम्मेलन में न्यायमूर्तियों व विधिवेत्ताओं ने ने माना कि न्याय प्रदान करने में पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के साथ साथ परमात्मा भी न्याय कराने में मदद करता है।सम्मेलन में आए न्याय मूर्ति मानते है कि वे न्याय करने वाले निमित्त मात्र है ,न्याय उन्हें निमित्त बनाकर परमात्मा ही कराता है।इसलिए यदि हम परमात्म याद में रहकर न्यायायिक कार्य करते है तो बेहतर और जल्दी न्याय हो सकता है।न्यायविदों के इस राष्ट्रीय सम्मेलन में बड़ी संख्या में न्यायमूर्ति न्यायाधीश,वरिष्ठ अधिवक्ता व न्यायिक शिक्षाविद भाग ले रहे है।जिन्होंने आध्यात्मिकता के साथ ही सुगम न्याय के प्रयोग को प्राथमिकता दी है।सम्मेलन में आए न्यायविदों कहना है कि जब हम न्यायिक प्रक्रिया के तहत होते है तो उस समय सही दिशा और सत्य के रूप में न्याय की आवश्यकता होती है। उनका मानना है कि परमात्मा का सान्निध्य सही रूप में यदि हो जाए तो हर किसी के साथ सही न्याय हो सकता है।उनका मानना है कि परमात्मा की न्याय व्यवस्था और लौकिक कोर्ट दोनों को ही महत्वपूर्ण और कारगर है। न्यायाधीशो ने ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आयोजित न्यायविदों के इस सम्मेलन में अपने अनुभव भी साझा किए।वक्ताओं की नज़र में, कई बार ऐसा होता है कि कई केस बहुत ही उलझे हुए आ जाते है।जिनको सुलझाने में राजयोग के अभ्यास से एकाग्र होकर जज किसी अच्छे निष्कर्ष तक पहुंच सकते है। जब हम न्यायिक प्रक्रिया के तहत होते है तो उस समय सही दिशा और सत्य न्याय की आवश्यकता ही हमे न्याय में मदद करती है। साथ ही परमात्मा का सान्निध्य सही रूप में यदि हो जाए तो हर किसी के साथ न्याय हो जाएगा। कई बार लोगों की उम्मीदों के खिलाफ न्याय हो जाता है, क्योंकि न्यायिक व्यवस्था संविधान और नियम कायदों से ही चलता है। इसलिए सब पहलुओं का ध्यान रखना आवश्यक होता है।वक्ताओं ने स्वीकार किया कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान का राजयोग ध्यान मनुष्य के जीवन में तरक्की का मार्ग खोलता है। इसलिए हमें जीवन में राजयोग को अपनाने का अभ्यास करना चाहिए। अपना अनुभव साझा करते हुए कई वक्ताओं ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज का शांत व सौम्य वातावरण देखकर उन्हें महसूस होता है कि यहां कितना आध्यात्मिक सशक्तिकरण हैं।सम्मेलन में कहा गया कि इस देश के हर वर्ग को न्याय मिले,यह बेहद आवश्यक है।यह भी आवश्यक है कि हमारा समाज अपराध मुक्त बने। इस देश में हर एक को सुख शांति प्रेम से रहने, अपनी बात कहने, खुशी का इजहार करने, अपने संस्कार और धर्म के हिसाब से जीने का अधिकार है।जिसमे किसी को भी अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार नही है। वही यह भी सच है कि जहां नारियों का सम्मान होता है ,वहां न्याय मिलना ओर सहज हो जाता है और वहां देवता निवास करने लगते हैं ।श्रीमदभागवत गीता में भगवान कहते हैं जब-जब धर्म की ग्लानि होती है तब तब मैं इस धरती पर अवतरित होकर अधर्म का विनाश करने के लिए न्याय देता हूं।

देश में सबसे ऊंचा तिरंगा अटारी बॉर्डर पर फहराने का अलग ही महत्व है

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

शाम को जब अटारी-वाघा बॉर्डर पर दोनों देश अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज उतारते हैं, तब यहां का माहौल अलग ही होता है। देशभक्ति का गजब जोश रहता है। बॉर्डर पर बना स्टेडियम भारत माता के जयकारे से गूंजता रहता है। भारत-पाकिस्तान सीमा 'अटारी बॉर्डर' (पूर्व में वाघा बॉर्डर) पर अब पाकिस्तान के झंडे से भी ऊंचा भारत का तिरंगा लहरा रहा है। विशेष सर्विलांस तकनीक से सुसज्जित यह ध्वज सरहद पर निगरानी में हमारे जवानों की सहायता करेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 19 अक्टूबर को अटारी बॉर्डर पर 'स्वर्ण जयंती द्वार' के सामने देश का सबसे ऊंचा तिरंगा फहराया। पहले भी यहाँ 360 फीट ऊंचे ध्वज स्तम्भ पर विशाल तिरंगा फहराता था, जिसे वर्ष 2017 में स्थापित किया गया था। प्रत्येक युद्ध में पराजय का सामना करने वाले पाकिस्तान ने भारत को नीचा दिखाने के लिए 400 फीट ऊंचे पोल पर अपना झंडा फहरा दिया। ऐसा करके पाकिस्तान ने सोचा होगा कि अब भारत का झंडा सदैव पाकिस्तान के झंडे से नीचे रहेगा। परंतु पाकिस्तान भूल गया कि यह नया भारत है। पाकिस्तान को इस मनोवैज्ञानिक युद्ध में भी विजय नहीं मिलनी थी। भारत का ध्वज, पाकिस्तान के झंडे से नीचे लहराए, यह किसे बर्दाश्त होता। अंतत- केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की पहल पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 3.5 करोड़ रुपए में अटारी बॉर्डर पर 418 फीट के नये ध्वज स्तंभ को स्थापित किया है। जिस पर फहरा रहा हमारा प्यारा तिरंगा अब बहुत दूर से ही, सबसे ऊपर, नीले गगन में शान से लहराता हुआ दिखायी देता है। उल्लेखनीय है कि अटारी पर फहरा रहा तिरंगा, अब देश में सबसे ऊंचा तिरंगा हो गया है। इससे पहले कर्नाटक के बेलगाम में देश का सबसे ऊंचा झंडा 360.8 फीट पर फहरा रहा था।

पिछले दिनों (4 सितंबर, 2023) जब मैं अटारी पर गया तो वहां भारत का ध्वज नहीं पाकर थोड़ा अजीब लगा था। अटारी बॉर्डर की ओर बढ़ रहे थे तो बहुत दूर से पाकिस्तान का विशाल ध्वज तो फहराता हुआ दिख रहा था, लेकिन अपने तिरंगे के बिना आसमान सूना लग रहा था। अटारी पहुँचकर मैंने सबसे पहले सैनिक बंधुओं से पूछा कि यहां पाकिस्तान का इतना बड़ा झंडा फहरा रहा है, जो भारत में भी बहुत दूर तक दिख रहा है। जबकि हमारे ध्वज स्तंभ खाली पड़े हैं। तब उन्होंने पाकिस्तान की चालकी के बारे में बताया और कहा कि हम पाकिस्तान के झंडे से नीचे अपना राष्ट्रीय ध्वज कैसे फहरा सकते हैं। आप जब अगली बार आओगे तो यहां सबसे ऊंचा और बड़ा, भारत का ही झंडा फहरते हुए पाओगे, जो भारत में ही नहीं अपितु पाकिस्तान में भी दूर तक अपनी छाप छोड़ेगा। इस 418 फीट ऊंचे पोल पर जब भारत का झंडा आसमान से बातें करेगा तो आपकी छाती 56 इंच की हो जायेगी।

शाम को जब अटारी-वाघा बॉर्डर पर दोनों देश अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज उतारते हैं, तब यहां का माहौल अलग ही होता है। देशभक्ति का गजब जोश रहता है। बॉर्डर पर बना स्टेडियम भारत माता के जयकारे से गूंजता रहता है। वन्देमातरम और हिंदुस्थान जिंदाबाद के जयघोष में पाकिस्तान की ओर से लगाए जाने वाले नारे कहीं खो जाते हैं। भारत की ओर बड़े स्टेडियम में दर्शकों के बैठने की क्षमता पाकिस्तान की दर्शक दीर्घा से कम से कम 6-7 गुना अधिक है। भारत की दर्शक दीर्घा पूरी तरह भरी रहती है जबकि पाकिस्तान की दर्शक दीर्घा सामान्यतः खाली ही रह जाती है। हां, विशेष अवसरों पर वहां के लोग भी अच्छी संख्या में अपनी सेना का मनोबल बढ़ाने आते हैं। हो सके तो एक बार अवश्य ही अटारी बॉर्डर पर होकर आना चाहिए।

महाराजा रणजीत सिंह के सेनापति का जन्मस्थल है अटारी

एक तथ्य और जानना चाहिए कि अटारी बॉर्डर को पहले वाघा बॉर्डर कहा जाता था। इसलिए कई लोग आज भी इसे वाघा बॉर्डर ही कहते हैं। लेकिन बाद में पंजाब सरकार ने इसका नाम बदल दिया गया क्योंकि जिस गाँव वाघा के नाम पर इसे वाघा बॉर्डर कहा जाता था, वह पाकिस्तान की ओर है। भारत की सीमा पर अटारी गाँव है। इसलिए भारत की ओर के बॉर्डर को अब अधिकृत रूप से अटारी बॉर्डर कहा जाता है। इसे ही कई बार अटारी-वाघा बॉर्डर भी कह दिया जाता है। अटारी गाँव के साथ एक और गौरवपूर्ण तथ्य जुड़ा है। महाराजा रणजीत सिंह की सेना के एक सेनापति शाम सिंह अटारीवाला का जन्म स्थान 'अटारी गाँव' है। शाम सिंह अटारीवाला ने मुलतान, कशमीर और पेशावर की विजय में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके साहस, पराक्रम और युद्ध कौशल से महाराज रणजीत सिंह भी बहुत प्रभावित रहते थे। शाम सिंह अटारी की बेटी का विवाह महाराजा रणजीत सिंह के पौत्र कंवर नौनिहाल सिंह से हुआ था।

अमीर और अमीर हो रहे हैं तथा गरीब और गरीब हो रहे हैं, यह एक गंभीर चुनौती है

ललित गर्ग

गरीबी-अमीरी के असंतुलन को कम करने की दिशा में काम करने वाली वैश्विक संस्था ऑक्सफैम ने अपनी आर्थिक असमानता रिपोर्ट में समृद्धि के नाम पर पनप रहे नये नजरिया, विसंगतिपूर्ण आर्थिक संरचना एवं अमीरी गरीबी के बीच बढ़ते फासले की तथ्यपरक प्रभावी प्रस्तुति देते हुए इसे घातक बताया है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023 के मुताबिक, अरबपति उद्यमियों की संख्या देश में बढ़कर 1319 हो गई है। लेकिन बड़ी बात यह कि पिछले पांच साल में एक हजार करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले लोगों का आंकड़ा 76 फीसदी बढ़ गया है। निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, साल 2047 तक विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर भारत विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान है कि दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। इन उल्लेखनीय आर्थिक उपलब्धियों के बीच चिन्तनीय मुद्दा अमीरी गरीबी का बढ़ता फासला एवं गरीबों की दुर्दशा का होना है। अमीर अधिक अमीर हो रहे हैं और गरीब अधिक गरीब, यह एक गंभीर चुनौती है। पांच राज्यों में विधानसभा एवं अगल वर्ष लोकसभा में यह चुनावी मुद्दा बनना चाहिए, पर कोई भी राजनीतिक दल यह नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष के सामने इससे अच्छा क्या मुद्दा हो सकता है? राहुल गांधी ने लगातार गरीबों की दुर्दशा और अमीरों की बढ़ती दौलत का सवाल उठाया है। राजनीति से इतर अर्थशास्त्रियों और विश्व की नामचीन संस्थाओं की रपटों में यह सवाल लगातार रेखांकित हो रहा है। निस्संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जहां यह भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है, वहीं भारत के लिए एक और सूचकांक गरीबी एवं भुखमरी से जुड़ा भी सामने आया है, जो ज्यादा परेशान करने वाला है। भुखमरी एवं गरीबी से जुड़ा यह सूचकांक समृद्धि के सूचकांक के साथ सामने आया है, जो यह बताता है कि आजादी के अमृत महोत्सव तक की यात्रा का लक्ष्य जिस प्रजातांत्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना का था, वह कहीं पीछे छूटता जा रहा है। देश में मानवीय मूल्यों और आर्थिक समानता को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? कहीं शासन-व्यवस्थाएं गरीबी दूर करने का नारा देकर अमीरों को प्रोत्साहन तो नहीं दे रही है? इस तरह की मानसिकता राष्ट्र को कहां ले जाएगी? ये कुछ प्रश्न अमीरी गरीबी की बढ़ती खाई और उसके तथ्यों पर मंथन को जरूरी बनाते हैं।

आज भी सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत के लोग नरेन्द्र मोदी सरकार की कार्यकुशलता, उनकी दूरगामी योजनाओं और उसके द्वारा परिणाम लाने की क्षमता में बहुत विश्वास रखते हैं। निश्चित ही गरीबी भी कम हो रही है, लेकिन इसी कड़ी में भुखमरी के सर्वेक्षण में भारत दुनिया के 125 देशों में 111वें स्थान पर होना, चिन्ता को बढ़ाता है। विसंगति यह कि पिछले साल से हर क्षेत्र में विकास की घोषणाओं के बावजूद भुखमरी का यह रैंक बढ़ कैसे गया? पिछले साल 121 देशों में भारत 107वें स्थान पर था। आंकड़े बता रहे हैं कि हमारे यहां बड़ी संख्या में नवजात बच्चों का वजन नहीं बढ़ पाता। उन्हें पर्याप्त पोषक भोजन नहीं मिल पाता। समय से पहले और कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। वहीं हम गर्व से कहते हैं कि दुनिया में सर्वाधिक युवाओं का देश है भारत। युवा-श्रमशक्ति हमारे पास है। हम देश व दुनिया भर के लिए इस श्रमशक्ति की सस्ती दर पर आपूर्ति कर सकते हैं। देश में भुखमरी से न मरने देने की गारंटी तो दी जाती है लेकिन हर काम करने योग्य व्यक्ति को उचित रोजगार की गारंटी नहीं दी जाती, यह बड़ी विसंगति एवं विडम्बना है। गरीबी-अमीरी के असंतुलन को कम करने की दिशा में काम करने वाली वैश्विक संस्था ऑक्सफैम ने अपनी आर्थिक असमानता रिपोर्ट में समृद्धि के नाम पर पनप रहे नये नजरिया, विसंगतिपूर्ण आर्थिक संरचना एवं अमीरी गरीबी के बीच बढ़ते फासले की तथ्यपरक प्रभावी प्रस्तुति देते हुए इसे घातक बताया है। आज देश एवं दुनिया की समृद्धि कुछ लोगों तक केन्द्रित हो गयी है, भारत में भी ऐसी तस्वीर दुनिया की तुलना में अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी के निर्देशन में बनी गतवर्ष की वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट भी भारत की आर्थिक विषमता की तस्वीर पेश करती है। इसके अनुसार 2021 में भारत के हर वयस्क व्यक्ति की औसत आय प्रतिमाह 17 हजार के करीब थी। लेकिन देश की निचली आधी आबादी की औसत मासिक आय 5 हजार भी नहीं थी, जबकि ऊपर के 10 प्रतिशत व्यक्तियों की औसत मासिक आय 1 लाख के करीब थी। शीर्ष पर बैठे 1 प्रतिशत की प्रति व्यक्ति मासिक आय लगभग चार लाख रुपए थी। क्या देश एवं दुनिया में गैर बराबरी घट रही है या बढ़ रही है? वर्ल्ड इनिक्वालिटी रिपोर्ट बताती है कि नब्बे के दशक से लेकर अब तक पूरी दुनिया में गैर बराबरी बढ़ी है। भारत में अमीर और गरीब के बीच खाई और भी तेजी से बढ़ी है।अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका 'फोर्ब्स' दुनिया के धनाढ्य बिलियनेयर लोगों की लिस्ट छापती है। फोर्ब्स की भारत के 100 सबसे अमीरों की सूची के अनुसार, मुकेश अंबानी एवं गौतम अडानी के बाद सूची में सॉफ्टवेयर टाइकून शिव नादर 29.3 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं, इसके बाद सावित्री जिंदल की संपत्ति में 46 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वह 24 बिलियन डॉलर वाली चौथे स्थान पर रहीं। शीर्ष पांच में एवेन्यू सुपरमार्ट्स के राधाकिशन दमानी का भी नाम है, जिनकी संपत्ति पहले के 27.6 बिलियन डॉलर से घटकर 23 बिलियन डॉलर हो गई है। फोर्ब्स की सूची हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2023 के एक दिन बाद आई जिसमें भी ऐसा ही डेटा दिखाया गया था। हुरुन की सूची के अनुसार भी, मुकेश अंबानी ने गौतम अडानी को पीछे छोड़ते हुए सबसे अमीर भारतीय का खिताब फिर से हासिल कर लिया है। व्यक्तिगत तौर पर यह बात अब खास मायने नहीं रखती कि कौन किस नंबर पर है, क्योंकि दौलत का यह उठाव एक सामूहिक ट्रेंड बन चुका है। पूंजी का बहाव भारत जैसे देशों की तरफ हो रहा है, जिनकी इकॉनमी कई लोकल और ग्लोबल वजहों से बूम कर रही है। इस लिहाज से इस दौलत का जितना रिश्ता निजी उद्यम, हौसले और अक्लमंदी का है, उतना ही उस बदलाव से भी है, जिसे हम 'नए भारत की कहानी' कहते हैं। फिलहाल हम इस बहस में नहीं पड़े कि इन उद्यमियों ने भारत को बनाया है या भारत में होना इन उद्यमियों की कामयाबी की असली वजह है। कुल मिलाकर इतना तय है कि हम इस ट्रेंड को भारत की कामयाबी के तौर पर देख सकते हैं। क्योंकि नागरिक अपने देश की नुमाइंदी ही करते हैं। जैसे बिल गेट्स की कामयाबी अमेरिका की प्रतिभा की कामयाबी है, वैसे ही रिलायंस, अडानी, या दूसरी कंपनियों की कामयाबी भारतीय उद्यमशीलता की कामयाबी है। लेकिन हर कामयाबी अपने साथ नाकामियों का हिसाब भी लेकर चलती है, असंतुलन को न्यौतती हैं। हमारे देश में जरूरत यह नहीं है कि चंद लोगों के हाथों में ही बहुत सारी पूंजी इकट्ठी हो जाये, पूंजी का वितरण ऐसा होना चाहिए कि विशाल देश के लाखों गांवों को आसानी से उपलब्ध हो सके। लेकिन क्या कारण है कि महात्मा गांधी को पूजने वाले सत्ताशीर्ष का नेतृत्व उनके ट्रस्टीशीप के सिद्धान्त को बड़ी चतुराई से किनारे कर रखा है। यही कारण है कि एक ओर अमीरों की ऊंची अट्टालिकाएं हैं तो दूसरी ओर फुटपाथों पर रेंगती गरीबी। एक ओर वैभव ने व्यक्ति को विलासिता दी और विलासिता ने व्यक्ति के भीतर क्रूरता जगाई, तो दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, कुपोषण तथा अभावों की त्रासदी ने उसके भीतर विद्रोह की आग जला दी। वह प्रतिशोध में तपने लगा, अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। अर्थ की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संग्रह, सुविधा, सुख, विलास और स्वार्थ से जोड़ दिया। नई आर्थिक प्रक्रिया को आजादी के बाद दो अर्थों में और बल मिला। एक तो हमारे राष्ट्र का लक्ष्य समग्र मानवीय विकास के स्थान पर आर्थिक विकास रह गया। दूसरा सारे देश में उपभोग का एक ऊंचा स्तर प्राप्त करने की दौड़ शुरू हो गई है। इस प्रक्रिया में सारा समाज ही अर्थ प्रधान हो गया है।

लाखों लोग भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता क्यों ले रहे हैं

सनत कुमार जैन

बिहार और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग अपने रोजगार के लिए अन्य प्रदेशों में जाते हैं. कहा जाता है कि पलायन तब होता है। जब लोगों को अपने ही प्रदेश में रोजगार नहीं मिलता है। उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थितियां खराब होती हैं। भारत से बड़ी संख्या में पलायन करके लोग विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। इनमें अधिकांश लोग करोड़पति और अरबपति बताए जा रहे हैं। माना जा रहा है, कि 2014 के बाद से देश की स्थितियों में जो आर्थिक, सामाजिक एवं शासन प्रणाली में बदलाव आया है। उसके बाद से बड़ी तेजी के साथ भारत से पलायन बढ़ गया है। भारत की नागरिकता छोड़कर अमीर देशों की नागरिकता ले रहे हैं। आर्थिक सहयोग विकास संस्था की जो 38 देश की रिपोर्ट सामने आई है। उसमें सबसे ज्यादा भारतीय विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। वर्ष 2021 में 38 देश में 4,07,000 नागरिकों ने अपने-अपने देश छोड़कर इन 38 देशों में नागरिकता ली है। इसमें भारत के 1 लाख 30 हजार नागरिकों ने विदेश में नागरिकता ली है। जो सबसे बड़ी संख्या है। 2003 में भारत छोड कर विदेश में नागरिकता लेने वालों की संख्या 85,396 थी। इसमें 2021 तक 86 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है, जो आश्चर्यजनक है। भारत छोड़कर विदेश जाने वाले नागरिक अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, इत्यादि धनी देशों एवं टैक्स हेवन देश में नागरिकता ले रहे हैं। इनमें से अधिकांश नागरिक करोड़पति, अरबपति हैं। वहां पर काम करने और रोजगार के लिए जाने वालों की संख्या कम है। कारोबारी ही भारत छोड़कर सबसे ज्यादा भारत की नागरिकता छोड़कर विदेश में जा रहे हैं।

भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता लेने वालों की संख्या साल दर साल बढ़ती ही जा रही है। सांसद चिदंबरम के एक प्रश्न के जवाब में विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने संसद में बताया, पिछले 3 साल 6 माह में 5,59,272 नागरिकों ने भारत की नागरिकता छोड़कर विदेशी नागरिकता ली है। संसद में दी गई, जानकारी के अनुसार 2003 में विदेश की नागरिकता लेने वालों की संख्या 85,396 थी। 2021 में यह संख्या बढ़कर 1,63,070 हो गई। 2022 में 2,25,230 भारतीय नागरिक विदेश चले गए। वहीं 2023 के 6 माह में एक लाख से अधिक नागरिकों ने भारत छोड़ दिया है। भारत छोड़कर विदेश जाने वाले नागरिकों के अनुसार,भारत में जिस किस्म के नियम, कायदे, कानून, आनन फानन में लागू किये जा रहे हैं। बार-बार उन में बदलाव किया जा रहा है। जिस तरह की शासन व्यवस्था है। नियम और कानून जल्दी-जल्दी बदल दिए जाते हैं। जीएसटी कानून में पिछले 6 वर्षों में 1700 से अधिक बार नियम बदले गए हैं। यही स्थिति आयकर की है। जांच एजेंसियों द्वारा भी कारोबारियों को परेशान किया जा रहा है। उससे भारत में कारोबार करना अब आसान नहीं रहा। कानून व्यवस्था की स्थिति भी भारत में दिनों दिन बिगड़ती जा रही है। इसको देखते हुए, कारोबारी बड़ी संख्या में भारत छोड़कर विदेश की नागरिकता ले रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार द्वारा बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन वास्तविक स्थिति अलग नजर आती है। भारत में पिछले तीन वर्षों से 80 करोड लोगों को मुफ्त का राशन दिया जा रहा है। सरकार को सब्सिडी देनी पड़ रही है। जिसे खत्म किया जा चुका था। महंगाई, बेरोजगारी और खराब आर्थिक स्थिति को देखते हुए राज्य सरकारों को रेवड़ी बाँटनी पड़ रही है। बैंकों में एनपीए बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय नागरिकों की आय पहले की तुलना में कम हुई है। नागरिकों के उनके ऊपर कर्ज बड़ी तेजी के साथ बढा है। बड़ी संख्या में कर्ज के कारण लोग आत्महत्या कर रहे हैं। भारत सरकार जो दिखाती है, या जो गोदी मीडिया दिखाता है। ठीक उसके विपरीत वास्तविक स्थिति होने के कारण, करोड़पति अरबपति भारत छोड़कर भाग रहे हैं। भारत में पढ़ाई का स्तर भी दिनों दिन खराब हो रहा है। जिसके कारण अब विदेशों में पढ़ाई के लिए बड़ी संख्या में छात्र कनाडा और ब्रिटेन जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेटी से दुष्कर्म के आरोपी पिता की जमानत अर्जी खारिज

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में बेटी से दुष्कर्म करने के आरोपी पिता की जमानत अर्जी अदालत ने खारिज कर दी। विशेष लोक अभियोजक सतीश शर्मा ने बताया कि वेव सिटी थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति अपनी सात वर्ष की बेटी के साथ दुष्कर्म करता था। व्यक्ति की पत्नी घर में सफाई का कार्य करती है। पत्नी के घर से बाहर जाते ही व्यक्ति अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म करता था। बेटी ने यह बात अपनी मां को बताई। व्यक्ति की पत्नी ने जनवरी 2023 में मामले की रिपोर्ट वेव सिटी थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। जमानत दिलाने के लिए उसके वकील ने अदालत में अर्जी दाखिल की। कोर्ट ने सुनवाई के बाद आरोप को गंभीर मानते हुए जमानत अर्जी खारिज कर दी।

जीडीए में 10 बजे पहुंचना होगा ड्यूटी पर, लेट होने पर होगी कार्रवाई

गाजियाबाद। जीडीए में अधिकारियों और कर्मचारियों को अब सुबह 10 बजे कार्यालय पहुंचना होगा। शासन के सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक जनसुनवाई के आदेशों का सख्ती से पालन कराने के लिए जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह ने शनिवार को यह आदेश जारी किए हैं। लेट होने वाले कर्मचारियों और अफसरों पर कार्रवाई होगी। सुबह 10 से जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह अपने कार्यालय में जनसुनवाई शुरू कर देते हैं लेकिन कई अफसर और कर्मचारी देरी से कार्यालय पहुंचते हैं। ऐसे में फरियादियों की समस्याओं का हल कराने के लिए वह किसी अधिकारी या कर्मचारी को अपने कार्यालय में बुलाते हैं तो वह सीट पर नहीं मिलते। ऐसे में शिकायत लेकर पहुंचने वाले फरियादियों को इनके लिए इंतजार करना पड़ता है। इसकी वजह से समस्याओं का निस्तारण समय पर नहीं हो पाता। जीडीए सचिव का कहना है कि जनसुनवाई के संबंध में शासन के आदेशों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सुबह 10 बजे तक कार्यालय पहुंचना होगा। लापरवाही बरतने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। लेट होने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को संस्तुति भेजी जाएगी।

रिटायर्ड जज के साथ सुबह की सैर कर रहे व्यक्ति पर जानलेवा हमला

गुरुग्राम। एक बुजुर्ग रिटायर्ड महिला जज के साथ सुबह की सैर कर रहे सेक्टर 14 निवासी व्यक्ति पर कार में सवार होकर आए कुछ बदमाशों ने जान लेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने लाठी-डंडे से इतने वार किए कि पीड़ित मौके पर ही बेहोश हो गए। घटना के बाद हमलावर कार से फरार हो गए, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने इस मामले में कार को अपने कब्जे में ले लिया और एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस मामले के सभी आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

गुरुग्राम बस डिपो को मिली चार नई बसें

गुरुग्राम। जिले के बहरामपुर स्थित हरियाणा रोडवेज इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचआरईसी) में बनाई गई बीएस-6 तकनीक वाली चार नई रोडवेज बसें गुरुग्राम बस डिपो को मिली हैं। गुरुग्राम बस डिपो प्रबंधन द्वारा अब नई बसों के सभी दस्तावेज तैयार कराकर और पंजीकरण कराकर रूटों पर संचालन किया जाएगा। गुरुग्राम डिपो में अब लगभग 170 रोडवेज बसें लोकल रूटों सहित हरियाणा के विभिन्न जिलों के रूटों और पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश व राजस्थान में बसों का संचालन किया जा रहा है। वहीं अब 35 ऑडनरी बसें सहित सात एसी बसों के दस्तावेज गुरुग्राम बस डिपो प्रबंधन द्वारा तैयार कराए जा रहे हैं। इन बसों के रूटों पर संचालन होने के बाद यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और परिवहन विभाग का राजस्व बढ़ेगा। गुरुग्राम बस डिपो के मुख्य निरीक्षक (सीआई) राजबीर सिंह ने बताया कि एचआरईसी से चार नई बसें आई हैं। बसों के दस्तावेज तैयार कराने की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

बिजली बिल भरने के नाम पर 10 लाख की ठगी में दो गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वेस्ट थाना पुलिस ने बिजली बिल भरने के नाम पर दस लाख की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दस लाख में से पांच लाख रुपये के क्रेडिट कार्ड का बिल भर दिया। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि बिजली बिल भरने के नाम पर जालसाजों ने उसके बैंक खाते से लगभग दस लाख की ठगी कर ली। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। मामले में एसीपी साइबर क्राइम विपिन अहलावत की अगुवाई में साइबर क्राइम वेस्ट थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सवित कुमार की टीम ने दो आरोपियों को पालम विहार से काबू कर लिया। आरोपियों की पहचान गुजरात मूल के एजाज शेख व सुरेश भाई के रूप में हुई है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने पीड़ित से ठगी राशि में से पांच लाख रुपये क्रेडिट कार्ड का बिल भरा था। इस लिए अन्य साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। जिसे ठगी की रकम में से दस फीसदी हिस्सा दिया गया है। आरोपी अपने अन्य साथी से मिलकर लोगों के पास बिजली बिल न भरने पर कनेक्शन काटने के नाम पर मैसेज भेजते थे। बाद में जब व्यक्ति मैसेज में दिए हुए मोबाइल नंबर पर फोन करता तो, इसके साथी पेमेंट करने के नाम पर लिंक भेज देते हैं, लिंक पर क्लिक करने के बाद उनका बैंक अकाउंट हैक करके खाते से फ्रॉड कर लेते हैं।

बैंक को लगाया दो करोड़ का चूना

गुरुग्राम। कुछ लोगों ने एचएसबीसी बैंक में सैलरी अकाउंट खुलवा लिए। उस पर 20 क्रेडिट कार्ड व दो खातों पर लोन लेकर बैंक को दो करोड़ आठ लाख रुपये का चूना लगा दिया। बैंक के प्रतिनिधि की शिकायत पर सुशांत लोक थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। एचएसबीसी बैंक के प्रतिनिधि सौरभ अरोड़ा ने सुशांत लोक थाने में दर्ज कराई शिकायत में कहा कि सैमसंग इंडिया कंपनी के एचआर के रूप में अपनी पहचान बताने वाले सचिन ने कुछ लोगों के बैंक खाते एचएसबीसी में खुलवाने के लिए कहा। बैंक के दो कर्मचारियों की मिलीभगत से करीब 38 बैंक खाते खोल दिए। 20 क्रेडिट कार्ड इन खातों पर जारी किए गए। तीन खातों पर मोटा लोन भी लिया गया। जब बैंक खातों की स्क्रूटनी और आंतरिक जांच की गई तो पता चला कि फर्जी तरीके से खाते खोले गए। साजिश के तहत आरोपियों ने उनके बैंक के साथ दो करोड़ आठ लाख रुपये की धोखाधड़ी की। सुशांत लोक थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सपनावत बिजलीघर के अवर अभियंता को हटाया

हापुड़। लंबी दूरी पर बिजली कनेक्शन एवं क्षेत्र में चोरी कराने के आरोप में फंसे सपनावत बिजली घर के अवर अभियंता राजकुमार को हटा दिया गया है। डिवीजन के अधिशासी अभियंता मनीष कुमार यादव ने बताया कि सपनावत बिजलीघर के अवर अभियंता राजकुमार पर ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली चोरी कराने के साथ निर्धारित दूरी से अधिक विद्युत कनेक्शन देने का आरोप है। आरोपों के कारण पिछले दिनों संविदाकर्मी लाइनमैन दीपक और मोनू को बर्खास्त कर अवर अभियंता के खिलाफ भी कार्रवाई के लिए लिखा गया था। अधीक्षण अभियंता द्वारा जेई का सपनावत से हटाकर हापुड़ भेज दिया गया है। जबकि सपनावत बिजली घर का चार्ज शाहपुर फगौता बिजलीघर के जेई को दिया गया है।

छात्रा लापता, तीन पर मुकदमा

गढ़मुक्तेश्वर। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर दी है। जिसने बताया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी नगर के एक इंटर कॉलेज में पढ़ती है। जो 27 अक्तूबर को कॉलेज गई थी। लेकिन कुछ ही देर बाद स्कूल से प्रधानाचार्य ने फोन पर उसे सूचना दी कि बेटी स्कूल से कहीं चली गई है। तलाश करने के दौरान जानकारी मिली कि जनपद उधमसिंह नगर क्षेत्र निवासी एक युवक बहलाफुसला कर ले गया है। जिसमें उसके माता-पिता भी शामिल हैं। कोतवाली प्रभारी सोमवीर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ अपहरण की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अनियंत्रित होकर पलटी कार, छह घायल

गढ़मुक्तेश्वर। बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव जखैड़ा रहमतपुर के पास शुक्रवार की रात तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सवार महिला, बच्चे समेत छह लोग मामूली घायल हो गए। गांव जखैड़ा रहमतपुर निवासी जसवंत चौहान काफी समय से जनपद रामपुर में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके परिवार के सदस्य गांव में ही रहते हैं। परिवार के एक सदस्य के निधन होने के कारण वह परिवार व परिजनों को साथ लेकर उनके गांव आ रहा था। अंतिम संस्कार होने के बाद वह अपने परिवार के साथ कार में सवार होकर घर लौट रहे थे। जैसे ही वह गांव के बीच में पहुंचे तो अंधेरे में कार तेज गति होने के कारण अनियंत्रित हो गई। जिससे कार में सवार दो महिला, दो बच्चे, चालक समेत छह लोग घायल हो गए थे।

साइबर सिटी के नए सेक्टरों में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था होगी बेहतर

गुरुग्राम। साइबर सिटी के नए सेक्टरों में यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की तैयारियों में गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) जुट गया है। इसके तहत सेक्टर 51 से 115 में ट्रैफिक लाइट और स्मार्ट सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम लगाने की तैयारी है। इसमें सीसीटीवी कैमरे, स्पीड कैमरे, ऑटोमेटिक नंबर-प्लेट रिकॉग्निशन (एएनपीआर) कैमरे और रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन (आरएलवीडी) कैमरे शामिल हैं। इससे अपराध और यातायात उल्लंघन रोकने में मदद मिलेगी। अभी पुराने शहर और डीएलएफ समेत सेक्टर 50 तक ट्रैफिक लाइट और सीसीटीवी का पूरा नेटवर्क है। इससे यातायात पुलिस को वाहनों को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। वहीं, मास्टर प्लान के तहत बने नए सेक्टरों में भी ट्रैफिक लाइटों का अभाव है। ऐसे में वाहन चालक मनमाने तरीके से सेक्टरों में चलते हैं और हादसा होने की संभावना बनी रहती है। विकसित हो रहे इन सेक्टरों में यातायात को व्यवस्थित करने की तैयारियों में जीएमडीए जुट गया है। जीएमडीए की योजना हैं कि अभी इन सेक्टरों में वाहनों की संख्या बढ़ने से पहले यातायात संबंधी तैयारियों को बेहतर कर दिया जाए। ऐसे में सभी सेक्टरों के चौक-चौराहों और टी प्वाइंट समेत अन्य जगहों पर रेड लाइट का इंतजाम करा दिया जाए। इसके लिए सेक्टर 51 से 115 तक ट्रैफिक लाइट लगाने की तैयारी है। इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है और सीईओ से विचार-विमर्श के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। जीएमडीए की योजना है कि नए सेक्टरों में लगने वाली ट्रैफिक लाइटों में तकनीक का प्रयोग और बेहतर बनाया जाए। दूसरी ओर इन सेक्टरों में काफी हाईराइज सोसाइटियां हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था के लिए कई प्रकार के सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जीएमडीए ने इसका भी पूरा खाका तैयार कर लिया है।

परियोजना पर 15 करोड़ खर्च करेगा जीएमडीए

जीएमडीए के अनुसार नए 64 सेक्टरों में ट्रैफिक लाइट का प्रावधान कराया जाना है। एक सेट ट्रैफिक लाइट लगवाने का खर्च करीब 15 लाख रुपये आएगा। ऐसे में इस परियोजना पर जीएमडीए करीब 10-15 करोड़ रुपये खर्च करेगा। वहीं, सेक्टरों की मेन रोड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। न्यू सेक्टरों में सड़क सुरक्षा की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकरण विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर 200 से ज्यादा कैमरे लगवाएगा। इससें अपराध और यातायात उल्लंघन रोकने में मदद मिलेगी।

प्रमोद हत्याकांड में रेकी करने वाले गांव के किंसू और नीटू गिरफ्तार

गाजियाबाद। महमूदपुर गांव के किसान प्रमोद कसाना हत्याकांड में रेकी करने वाले सदस्य किंसू और नीटू भी शुक्रवार देर रात डीसीपी टीम के हत्थे चढ़ गए। वह हत्या को अंजाम देने वाले प्रधान अर्चना के पति कपिल कसाना और सचिन का दोस्त हैं। पुलिस ने गिरफ्तार सौरभ, सनी, गौरव व किंसू की रिमांड के लिए कोर्ट में अर्जी दी है। हत्या के दौरान मृतक प्रमोद के गायब फोन की लोकेशन अभी तक ट्रेस नहीं हुई है। पुलिस के रडार पर अब फरीदाबाद से आए तीन बदमाश हैं। उनकी तलाश में टीम संभावित जगह पर दबिश दे रही है लेकिन वे टीम को चकमा दे रहे हैं। डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन शुभम पटेल ने बताया कि प्रमोद की हत्या के लिए महमूदपुर गांव के किंसू और नीटू ने रेकी की थी, वो प्रधान पति कपिल कसाना और सचिन का दोस्त है। किंसू सचिन के कहने पर हत्याकांड की रेकी करने के लिए शामिल हुआ था जबकि नीटू कपिल कसाना से सीधा जुड़ा हुआ था। उसी ने किसान प्रमोद को फोन करके घर से खेत की तरफ बुलाया था। मृतक की अंतिम कॉल उसके नंबर की आई थी। टीम ने उसे देर रात टीला मोड़ से गिरफ्तार कर लिया जबकि शनिवार को किंसू भी टीम के हत्थे चढ़ गया। डीसीपी का कहना है कि हत्याकांड में अभी बदमाशों से कई और सवाल जानकर तार जोड़ने बाकी हैं। लिहाजा पकड़े गए गौरव, सनी, किंसू और सौरभ को रिमांड पर लेकर पूछताछ होगी।

पुलिस ने पकड़ा प्रतिबंधित पटाखों का गोदाम

ग्रेटर नोएडा। फर्रुखनगर थाना क्षेत्र के कंडी माता मंदिर के सामने वाली गली स्थित एक घर में पुलिस टीम ने छापामारी करके प्रतिबंधित पटाखे पकड़े। यहां कोई नहीं मिला तो पुलिस ने देर रात पटाखे से भरे दो कमरों को सील कर दिया है। सुबह जब पुलिस मौके पर पहुंची तो सील टूटी मिली और जांच करने पर यहां रखे पटाखे भी गायब मिले। फर्रुखनगर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी पटौदी हरेन्द्र ने बताया कि सब इंस्पेक्टर विकास की ओर से दर्ज कराए गए बयान में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि कंठी माता मंदिर के पास झज्जर के रहने वाले संदीप ने अपने घर के दो कमरों में प्रतिबंधित पटाखे रखे हुए हैं। इस पर उन्होंने साथियों के साथ छापेमारी की। जांच करने पर गत्तों में पटाखे रखे मिले। पुलिस ने तहसीलदार जगदीश चंद को इसकी सूचना देकर बतौर ड्यूटी मजिस्ट्रेट मौके पर बुलाया। काफी देर इंतजार करने के बाद भी यहां कोई नहीं आया। देर रात पटाखों के कमरों को सील कर दिया गया। मकान मालिक संदीप से पूछताछ की गई तो सामने आया कि उसने यह मकान किराये पर दिया हुआ है। जांच में पता चला कि यह मकान दिल्ली के अमर कालोनी निवासी गोपाल दास ने किराये पर लेकर इसे पटाखों का गोदाम बनाया हुआ है। उसने डाबोदा रोड पर भी पटाखे का गोदाम बनाया हुआ है। उसने यहां प्रतिबंधित पटाखे रख रखे थे। पुलिस ने रात को दोनों कमरों को सील कर दिया। अगले दिन जब मौके पर पहुंचे तो पाया कि कमरे पर लगाई गई सील टूटी हुई थी और यहां से पटाखे कहीं दूसरे स्थान पर छिपा दिए। एसीपी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे जुड़े लोग फरार हैं। सील टूटने के मामले की जांच की जा रही है।

वाहन चोरी करने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

गाजियाबाद। स्वाट टीम और भोजपुर पुलिस ने अंतरराज्जीय वाहन गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया है। उसकी निशानदेही पर पांच बाइक व एक स्कूटी बरामद की है। पकड़ा गया आरोपी अपने गिरोह के साथ मिलकर एनसीआर में वाहन चोरी की वारदात को अंजाम देता था। बाद में गिरोह कलछीना गांव में बंद पड़े मकान में जमा कर वाहनों को काटकर उसके पार्ट बेचते है। पुलिस बाकी फरार चोरों की तलाश में लगी है। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपी का नाम सुल्तान निवासी कलछीना है। पूछताछ में सुल्तान ने बताया कि वह अपने साथी शिवम व सुशांत निवासी दिल्ली के साथ मिलकर नोएडा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली समेत एनसीआर में वाहन चोरी करता था। चोरी के वाहन कलछीना गांव में बंद पड़े मकान में छिपा देता था और वाहनों के पार्ट्स निकालकर बेच देते थे। पुलिस फरवरी माह में सुशांत व शिवम निवासी मोदीनगर को गिरफ्तार कर चुकी है।

करवाचौथ के लिए बाजार तैयार, लुभा रहे चांदी के बर्तन

हरदोई। करवाचौथ के लिए बाजार तैयार है। इस बार करवाचौथ पर शुक्र के अस्त न होने के कारण नवविवाहिताओं को भी करवाचौथ का व्रत रखने का मौका मिलेगा। ऐसे में बेटियों को करवाचौथ पर चांदी, पीतल के करवा सहित अन्य सामग्री की खरीदारी के लोगों में लगन दिख रही है। बाजार में खरीदार बढ़ने से बर्तन दुकानदारों के चेहरे भी चमक गए हैं। एक नवंबर बुधवार को करवाचौथ है। इस बार नवविवाहिताओं को भी व्रत रखने का मौका है, इसे लेकर बाजार सज गए हैं।

सुहागिन महिलाएं बाजार में खरीदारी करने पहुंच रहीं हैं। कपड़ों की दुकानों से लेकर सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों पर भी महिलाओं की भीड़ है। महिलाओं में सबसे ज्यादा चूड़ियों की खरीदारी के प्रति लगाव है। सिनेमा चौराहा पर रिद्धि साड़ीज के संचालक अनिल भसीन व उज्जवल भसीन ने बताया कि महिलाएं इस बार बरबरीक सिल्क, सिफॉन, कढ़ाई वाली साड़ियों के साथ ही डिजायनर व लाइटवेट साड़ियों की मांग कर रहीं हैं। करवाचौथ पूजन की सामग्री में जरूरी करवा पीतल, तांबा व मिट्टी के साथ ही चांदी के करवा भी सराफ की दुकान पर उपलब्ध हैं। काशीनाथ सेठ सर्राफ के अनिल महेंद्रा उर्फ बबली, मंगलीपुरवा के रमेश चंद्र संदीप कुमार सराफा के संदीप गुप्ता ने बताया कि चांदी के करवा दो तरह के बाजार में आए हैं। पत्तरवाला करवा 100-150 ग्राम का है जबकि, ढलाई वाला करवा 200-250 ग्राम के हैं। चांदी का भाव 74 हजार रुपये प्रति किलो है। चांदी के करवा पहली बार करवाचौथ रखने वाले नवविवाहिताओं को देने के लिए खरीदारी की जा रही है। सूफी जी बर्तन के संचालक एमएच सिद्दीकी ने बताया कि पीतल के करवा सभी साइज के उपलब्ध हैं। पीतल का भाव 600-700 रुपये प्रति किलो चल रहा है। तांबा 700-800 रुपये प्रति किलो के भाव पर है।

करवाचौथ पूजन की रेडीमेड थाली भी आई

करवाचौथ पर पूजन के लिए करवा सेट की थाली भी बाजार में बर्तनों की दुकानों पर उपलब्ध हैं। करवा सेट थाली की कीमत 100-150 और 250-300 रुपये तक है। कीमत और रेडीमेड होने की वजह से बाजार में इनकी मांग है।

लुटेरे ने छात्रा को ऑटो से खींचा, सड़क पर गिरी, सिर की हड्डी टूटी

गाजियाबाद। एनएच-9 पर उद्योग कुंज के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने बीटेक प्रथम वर्ष की छात्रा कीर्ति (19) को ऑटो से बाहर की ओर खींच लिया। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके सिर की हड्डी टूट गई। बदमाश उससे मोबाइल फोन लूट रहे थे।शुक्रवार की शाम करीब साढ़े चार बजे हुई इस दुस्साहसिक वारदात के 27 घंटे बाद शनिवार की शाम साढ़ेसात बजे पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान इंद्रगढ़ी के निवासी बॉबिल उर्फ बलवीर के रूप में हुई।

पुलिस का कहना है कि सिकरोडा रोड पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध नजर आए। वे पुलिस को देखकर भागने लगे। घेराबंदी की तो उन्होंने तमंचे से गोली चला दी। जवाबी फायरिंग में एक घायल हो गया जबकि दूसरा भाग निकला। घायल बॉबिल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने उसने साथी का नाम जितेंद्र बताया है, जो मिशलगढ़ी का निवासी है। उधर, मसूरी थाने में मोबाइल लूट की रिपोर्ट हापुड़ के पन्नापुरी निवासी कीर्ति के भाई अंकित ने दर्ज कराई है। कीर्ति के पिता रविंद्र रेलवे में लोको पायलट हैं। अंकित का कहना है कि बहन ऑटो से सहेली दीक्षा के साथ घर जा रही थी और ऑटो में किनारे वाली सीट पर बैठी थी। जैसे ही ऑटो एनएच-नौ पर उद्योग कुंज के पास पहुंचा, वैसे ही पीछे से आए बाइक सवार दो बदमाशों ने उसके हाथ से मोबाइल छीनने का प्रयास किया। कीर्ति ने विरोध किया तो लुटेरे ने उसे बाहर की ओर खींचते हुए मोबाइल छीन लिया। झटका लगने से कीर्ति का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गई। बदमाश मोबाइल लेकर भाग गए। दीक्षा ने अपने परिजनों को सूचना दी। उन्होंने कॉलेज में इसकी जानकारी दी। कॉलेज से कीर्ति के परिजनों को सूचना मिली। इस बीच ऑटो चालक व दीक्षा ने उसे पिलखुवा के जीएस मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। वहां हालत गंभीर होने के कारण उसे गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

सिर का हुआ ऑपरेशन

अंकित ने बताया कि कीर्ति के सिर की हड्डी टूट गई हैं। शुक्रवार देर रात उसके सिर का ऑपरेशन किया गया। चिकित्सकों ने अभी भी उसकी हालत गंभीर बताई है।

दूसरे की तलाश जारी

एसीपी मसूरी नरेश कुमार का कहना है कि मुठभेड़ में एक बदमाश पकड़ लिया गया है। दूसरे की तलाश जारी है। उसे भी जल्द पकड़ लिया जाएगा।

छह लाख रुपये की चरस और अफीम के साथ पांच गिरफ्तार

हरदोई। अतरौली थाने की पुलिस ने पांच युवकों का गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नशीले पदार्थ बरामद किए हैं। छह लाख रुपये कीमत की 415 ग्राम चरस और 460 ग्राम अफीम बरामद की गई है। न्यायालय में पेश करने के बाद पांचों आरोपियों को जेल भेज दिया गया। अतरौली के प्रभारी निरीक्षक धीरज शुक्ला के मुताबिक लखनऊ, हरदोई जनपद की सीमा पर नरियाखेड़ा के पास शनिवार की सुबह वाहनों की जांच का अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दो बाइक पर आ रहे पांच लोगों को रुकने का इशारा किया गया, तो यह लोग भागने लगे। इस पर पुलिस ने पीछा कर पांचों को पकड़ लिया। पूछताछ में इन लोगों ने अपना नाम पता कासिमपुर थाना क्षेत्र जरहा निवासी मेराज और जयकरन, भोलाखेड़ा निवासी दयाराम, अलावलपुर निवासी सलीम और अतरौली थाना क्षेत्र के चंदौली निवासी सुशील बताया।

युवती को बीमार बता टप्पेबाजों ने ठग लिए आठ लाख के गहने

कौशांबी। वैशाली के एक निजी बैंक के लॉकर में गहने सुरक्षित रखने जा रहीं अभयखंड-3 निवासी सरिता आहुजा को महिला टप्पेबाजों के गिरोह ने अपना शिकार बना लिया। सरिता ई-रिक्शा से बैंक जा रही थीं। इसी दौरान स्काईटेक सोसायटी के सामने ई-रिक्शा पर दो महिलाएं और एक युवती सवार हुई। युवती मानसिक रूप से बीमार होने का नाटक कर रही थी। सरिता का ध्यान भटकाकर टप्पेबाजों ने आठ लाख के गहने ठग लिए।

वह परिजनों के साथ इंदिरापुरम कोतवाली में शिकायत करने गईं तो पुलिस ने घटना को कौशांबी थाना क्षेत्र में बताकर भेज दिया। घटना के कई घंटे बाद भी कौशांबी पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया है। अभयखंड में रहने वाले विमल आहुजा ने बताया कि पत्नी सरिता आहुजा शुक्रवार दोपहर 12-30 बजे ई-रिक्शा से वैशाली स्थित बैंक जा रही थीं । वैशाली पुलिया पार करने के बाद स्काईटेक सोसायटी के सामने दो महिलाएं और एक युवती रिक्शा पर सवार हो गईं। कुछ दूर चलने पर युवती सरिता का पैर दबाने लगी। उन्होंने उससे पैर हटाने के लिए कहा तो उसके साथ बैठी महिलाओं ने उसे मानसिक बीमार बताया। शॉप्रिक्स मॉल से आगे सरिता ई-रिक्शा से उतरने लगीं तो युवती और महिलाओं ने उनका पैर फंसा लिया। वह सड़क पर गिरने से बाल-बाल बच गईं। तभी महिला ने बैग से गले का सेट, अगूंठी, कानों की बालिया, सोने के दो कंगन साफ कर दिए।

वह कहासुनी के बाद बैंक पहुंची तो वहां बैग खाली देखकर होश उड़ गए। बाहर आकर ई-रिक्शा में सवार गिरोह की महिलाएं व युवती को देखा लेकिन उनका कुछ पता नहीं चला।

ऑनलाइन खरीदारी पर लगे अंकुश, सरकार से बात करेंगे -नरेश अग्रवाल

हरदोई। पूर्व सांसद व भाजपा नेता नरेश अग्रवाल ने कहा है कि ऑनलाइन खरीदारी से दुकानदारों को बड़े पैमाने पर नुकसान हो रहा है। इस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। सरकार से इस बारे में बात करके व्यापारियों को राहत दिलाई जाएगी। नवीन गल्ला मंडी उद्योग व्यापार मंडल की नवनिर्वाचित कमेटी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा कि 1980 से मंडी के व्यापारियों से सीधा जुड़ाव है। रेलवेगंज में दुकानों के आगे पड़ा रहता था। यहां मंडी लाने की पहल की, तो कुछ लोगों ने विरोध किया और कहा कि इमली रोड पर कौन सा व्यापार चलेगा, लेकिन आज देख लो, सबसे कीमती जगह इमली रोड पर ही है। गल्ला मंडी एकता का प्रतीक है। कहा कि मुसीबत में सारे भेदभाव भुलाकर सब एक हो जाते हैं। हरदोई की मंडी का नाम पूरे उत्तर प्रदेश में है। कुछ लोगों ने मंडी में घुसने की कोशिश की, लेकिन कुछ नहीं कर पाए। नरेश अग्रवाल ने कहा कि हमेशा मंडी के व्यापारियों के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक जमाने पर हरदोई में 200 राइस मिलें थीं और अब 34 रह गईं। सरकार से इस बारे में बात कर नीति बदलवाने का प्रयास करेंगे। मंडी में न तो कोई गुट है और न ही किसी नेता को यहां गुट बनाने का मौका मिला। इस मंडी की एकता को कोई नहीं तोड़ पाया।नरेश अग्रवाल ने अध्यक्ष श्यामा कुमार गुप्ता टीटू से कहा कि समस्याओं से अवगत कराएं। यथासंभव हल कराया जाएगा। महामंत्री संजय गुप्ता और हरिश्याम गुप्ता को शपथ दिलाने के साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशिक गुप्ता, कनिष्ठ उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार गुप्ता, कनिष्ठ मंत्री ऋषी गुप्ता और कोषाध्यक्ष सूरज गुप्ता को भी शपथ दिलाई गई।

पूर्व प्रधान की परचून की दुकान से 210 लीटर डीजल बरामद

हरदोई। घेरवा के पूर्व प्रधान के खिलाफ परचून की दुकान से पेट्रोल और डीजल की बिक्री किए जाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है। बीती 22 अक्तूबर को पूर्व प्रधान की परचून की दुकान में छापा मारा गया था और तब यहां से 210 लीटर डीजल व पांच लीटर पेट्रोल बरामद हुआ था। हालांकि आठ दिन बाद मामले की रिपोर्ट दर्ज होने से चर्चाओं का दौर तेज है। घेरवा के पूर्व प्रधान पच्चा की परचून की दुकान लालपुर बंजरा के पास है। उनकी परचून की दुकान पर डीजल और पेट्रोल की बिक्री किए जाने की शिकायत बीती 22 अक्तूबर को गांव के ही नीरज, सुनील, गिरजाशंकर आदि ने एसडीएम से की थी। एसडीएम के निर्देश पर पुलिस टीम ने 22 अक्तूबर को ही अतरौली भटपुर रोड पर लालपुर बंजरा में पच्चा की किराना की दुकान पर छापा डाला था।

नहीं रहीं मलेरकोटला की अंतिम बेगम मुनव्वर उल निशा, जुमे के दिन 102 वर्ष की उम्र में ली आखिरी सांस

अमृतसर। बेगम मुनव्वर उल निशा ने 102 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह कई दिनों से बीमार थीं और मालेरकोटला के हजरत हलीमा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वहां सेहत में सुधार न होने पर शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। बेगम मुनव्वर उल निशा मालेरकोटला के अंतिम नवाब इख्तियार अली खान की पत्नी थीं। मालेरकोटला के नवाब शेर मोहम्मद खान के वंश की 8वीं पीढ़ी की इकलौती बेगम मुनव्वर उल निशा शुक्रवार (जुमा) को दुनिया से रुख्सत हो गईं। सिख पंथ में बेगम मुनव्वर उल निशा को बड़ा सम्मान दिया जाता है। दसवें गुरु श्री गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वजीर खान द्वारा दीवारों में जिंदा चिनवा देने का विरोध करने वाले मालेरकोटला के नवाब शेर मोहम्मद खान के वंश में बेगम मुनव्वर उल निशा अंतिम रहीं, उनकी कोई संतान नहीं थी।

बेगम मुनव्वर उल निशा ने 102 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। वह कई दिनों से बीमार थीं और मालेरकोटला के हजरत हलीमा अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वहां सेहत में सुधार न होने पर शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। बेगम मुनव्वर उल निशा मालेरकोटला के अंतिम नवाब इख्तियार अली खान की पत्नी थी, जिनका 1982 में निधन हो गया था। शुक्रवार को बेगम के देहांत के बाद पंजाब भर से विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उनके अंतिम दीदार करने और श्रद्धांजलि भेंट करने पहुंचे। बेगम को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

संधवां ने बेगम मुनव्वर उल निशा के निधन पर दुख जताया

पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां ने बेगम मुनव्वर उल निशा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। शुक्रवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि बेगम मुनव्वर उल निशा, छोटे साहिबजादे के पक्ष में आवाज उठाने वाले नवाब शेर खान के परिवार की आखिरी बेगम थीं। उन्होंने बेगम निशा के निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि वह हमारे लिए हमेशा सम्मान के पात्र रहेंगी। विस अध्यक्ष ने परमात्मा के आगे अरदास की है कि वह दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में शाश्वत निवास प्रदान करें।

हैवान बने डिलिवरी बॉय से भिड़कर बचाई पीड़िता ने आबरू

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की ईकोविलेज-1 सोसाइटी में दुष्कर्म की कोशिश करने वाले डिलीवरी बॉय से भिड़कर पीड़िता युवती ने आबरू बचाई थी। आरोपी ने 19 साल की पीड़िता को हमला कर जख्मी कर दिया। इसके बावजूद पीड़िता ने आरोपी को पकड़कर शोर मचा दिया। हालांकि आरोपी मारपीटकर फरार हो गया। पीड़िता ने शनिवार को कोतवाली पहुंचकर पुलिस को बयान दर्ज कराये। पुलिस आरोपी डिलीवरी बॉय की गिरफ्तारी के लिए ग्रेनो के अलावा गाजियाबाद, हापुड़, बुलंदशहर और नोएडा में दबिश दे रही है। नोएडा के सेक्टर-20 निवासी पीड़िता शनिवार को बिसरख कोतवाली में बयान दर्ज कराने पहुंची। एक साल पहले 12वीं पास करने वाली पीड़िता की बहन का विवाह ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटी निवासी युवक से तय हुआ है। पीड़िता की बहन का मंगेतर और उसके परिजन किसी रिश्तेदार की मृत्यु होने पर शोक प्रकट करने राजस्थान गए हैं। मंगेतर के घर में दो पालतू कुत्ते भी हैं। पीड़िता कुत्तों की देखभाल के लिए इकोविलेज-1 सोसाइटी गई थी। शुक्रवार तड़के लगभग चार बजे पीड़िता ने ग्रासरी स्टोर से ऑनलाइन आर्डर कर कुत्तों के लिए दूध और अंडे मंगाये। बादलपुर थाना क्षेत्र के अच्छेजा गांव का रहने वाला सुमित शर्मा दूध और अंडे लेकर सोसाइटी में पहुंचा। आरोप है कि आर्डर देने के दौरान आरोपी सुमित युवती के फ्लैट में घुस आया। आरोपी ने पीड़िता से दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी ने मारपीट भी की। इससे पीड़िता जख्मी हो गई। इसके बावजूद पीड़िता आरोपी से भिड़ गई और उसने शोर मचा दिया।

गेट पर रखे जूते-चप्पल और दूध भी कर लेते हैं चोरी

जिले में बड़े स्तर पर लोग ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं। हजारों डिलिवरी बॉय सेक्टर सोसाइटी में दिन निकलने से देर रात तक सामान देने जाते हैं। पहला मामला नहीं जब किसी डिलिवरी बॉय ने आपराधिक घटना की है। हालांकि इससे पहले फ्लैट के बाहर रखे जूते, चप्पल, दूध के पैकेट व स्टोर आदि में रखे अन्य सामान चोरी के मामले सामने आए हैं। लेकिन इस बार आरोपी ने एक युवती के फ्लैट में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश की है।

गाइड लाइन बनाएगी पुलिस, स्टोर पर भी कस सकता है शिकंजा

डीसीपी सेंट्रल नोएडा सुनीति ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। साथ ही आरोपी जिस ग्रासरी स्टोर में काम करता है। वहां से ये जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगा रही है कि डिलीवरी बॉय की भर्ती के दौरान सत्यापन, प्रशिक्षण जैसी प्रक्रियाएं पूरी की जाती हैं या नहीं। इसके अलावा क्षेत्र के अन्य स्टोर से भी इस तरह की जानकारी जुटाई जाएगी। जिसके बाद सोसाइटी के सुरक्षाकर्मियों को भी इस तरह की घटना रोकने के लिए गाइड लाइन बनाई जाएगी। एसीपी बिसरख रमेश चंद पांडेय ने बताया कि आरोपी डिलीवरी बॉय के स्टोर संचालक की लापरवाही सामने आई तो उस पर भी कार्रवाई होगी। गाइडलाइन में डिलीवरी बॉय के सोसाइटी से जाने के दौरान जांच पड़ताल आदि को शामिल किया जाएगा।

दमदमा झील में नहीं डालने दिया जाएगा सीवरेज का पानी

ग्रेटर नोएडा। खंड के गांव दमदमा में झील में सीवरेज का पानी डालने के विरोध में शनिवार को सूरजमल की अध्यक्षता में फिर पंचायत हुई। पंचायत में लोगों ने विरोध जताते हुए कहा कि गुरुग्राम से दमदमा झील में जीएमडीए द्वारा पाइप लाइन द्वारा सीवरेज का पानी डालने की योजना बनाई है। जिसकी घोषणा मुख्यमंत्री ने बीते माह मेवात दौरे पर की थी। उसे किसी कीमत पर नहीं डालने दिया जाएगा। इसके विरोध में गांव दमदमा में दो पंचायत हो चुकी हैं। शनिवार को हुई पंचायत में सूरजमल और पूर्व विधायक तेजपाल ने बताया कि इस विषय में 31 लोगों की एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही जीएमडीए के सीईओ से मिलेगा। पंचायत में निर्णय लिया गया है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल से मुलाकात करके इस बारे में उन्हें अवगत कराया जाएगा। पंचायत में शामिल लोगों का कहना है कि इस सीवरेज के पानी से दमदमा झील का पानी दूषित होगा। जिससे बीमारी फैलने का डर रहेगा। यहां पर दूर-दराज से सैलानी घूमने आते हैं। झील दूषित होने के कारण वह यहां नहीं आएंगे। यदि जिला प्रशासन इसमें साफ पानी डाले तो उससे झील का जलस्तर बढ़ेगा।

त्योहारी सीजन में जाम से जूझ रहा सदर बाजार, खरीदार हो रहे परेशान

गुरुग्राम। त्योहारी सीजन में गुरुग्राम के सदर बाजार में सुबह से शाम तक खरीदारी करने वालों का तांता लगा रहता है। सदर बाजार की मुख्य सड़क सहित अन्य गलियों में रेहड़ी-पटरी लगाने के कारण सड़क व गलियां संकरी हो गई हैं।

लोग अपनी कार, ऑटो, ई-रिक्शा सहित अन्य वाहनों को लेकर बाजार में आ रहे हैं। ऐसे में दिनभर सदर बाजार जाम की समस्या से जूझता रहता है। सड़कों पर जाम लगा होने के कारण बाजार आने वाले खरीदारों को परेशानी होती है। सदर बाजार में आने वाले वाहनों को रोकने के लिए गुरुग्राम नगर निगम और पुलिस प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया है। जिस कारण सुबह से लेकर शाम तक कार व ऑटो वालों का आवागमन रहता है। बाजार जाने वाले रास्तों पर वाहनों के फंसे होने के कारण पैदल निकलने की जगह नहीं मिलती। वहीं सड़क के दोनों ओर सामान बेचने वालों ने रेहड़ी पटरी लगा रखी है।

रेहड़ी पटरी वाले करने लगते हैं झगड़ा

बाजार में भीड़ होने के कारण अगर किसी राहगीर का पैर सड़क पर रखे सामान से लग जाता है तो रेहड़ी पटरी वाले गाली गलौज करने लगते हैं। कई बार झगड़ा होने की नौबत आ जाती है। दिन के समय सदर बाजार क्षेत्र में कोई अनहोनी घटना हो जाए तो फायर ब्रिगेड की गाड़ी और एंबुलेंस पहुंचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। गुरुग्राम नगर निगम द्वारा सदर बाजार में रेहड़ी पटरी को व्यवस्थित ढंग से लगाने की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। वे सिर्फ सामान उठाने के लिए वाहन लेकर पहुंचते हैं।

नगर निगम का वाहन देखकर दुकानदार सामान हटा लेते हैं और थोड़ी देर बाद ही सामान को वापस रख लेते हैं। अगर गुरुग्राम नगर निगम और पुलिस प्रशासन के अधिकारी सदर बाजार में वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने के साथ ही रेहड़ी पटरी वालों का व्यवस्थित ढंग से सामान रखवाएं तो त्योहारी सीजन में खरीदारों को परेशानी नहीं होगी।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

गाजीपुर। थाना क्षेत्र के सिधौना स्थित रेलवे क्रासिंग पार करते समय शुक्रवार को एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शादियाबाद थाना क्षेत्र की नगीना देवी (55) पुत्री रेहाना के घर अमेहता गांव आई हुई थीं। पुत्री की तबियत पिछले एक सप्ताह से खराब चल रही थी, जिसे देखने के लिए उसके घर पहुंची थीं। वह किसी कार्य से सिधौना बाजार गई और रेलवे लाइन क्रॉस कर रही थी। इसी दौरान औड़िहार के तरफ वाराणसी की ओर जा रही तेज रफ्तार ट्रेन के इंजन की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों के रोने- बिलखने से चीख- पुकार मच गई। थानाध्यक्ष प्रवीण यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कोटेदार की तहरीर पर दो के खिलाफ मुदकमा दर्ज

गाजीपुर। थाना क्षेत्र के कर्मा गांव में कोटेदार के 32 बोरी सरकारी राशन चोरी के मामले में पुलिस ने कोटेदार की तहरीर पर दो के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्जकर कार्रवाई शुरू कर दी। कर्मा गांव के कोटेदार धनुराम गोदाम के बरामदे में 25 बोरी चावल और सात बोरी गेहूं सरकारी राशन कार्ड धारकों को वितरण करने के लिए रखे हुए था। दूसरे दिन जब राशन वितरण करने के लिए गोदाम पर पहुंचे तो पता चला कि 25 बोरी चावल और 7 बोरी गेहूं गायब है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक महेश पाल ने बताया कि राशन चोरी के मामले में कोटेदार के तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

एकेडमिक ग्लोबल स्कूल के यश पटेल ने जीता गोल्ड

गोरखपुर। पादरी बाजार क्षेत्र के जंगल धूषण स्थित एकेडमिक ग्लोबल स्कूल के कक्षा 11वीं के यश पटेल ने गोल्ड मेडल जीतकर पूर्वांचल का मान बढ़ाया है। सीबीएसई ईस्ट जोनल आर्चरी चैंपियनशिप 2023 के अंडर 17 पुरुष वर्ग में यश पटेल ने अलग-अलग रेंज में गोल्ड और सिल्वर मेडल प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता जमशेदपुर स्थित एसडीएसएम स्कूल फॉर एक्सीलेंस में सीबीएसई द्वारा आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एकेडमिक ग्लोबल स्कूल के कक्षा 11वीं के यश पटेल ने इंडियन राउंड में प्रतिभाग किया, जिसमें कुल 44 छात्र शामिल थे। यश पटेल ने फर्स्ट 40 मीटर राउंड में 360 में से 298 अंक अर्जित कर सिल्वर मेडल जीता जबकि 30 मीटर सेकंड राउंड में 360 में से 302 अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। साथ ही यश पटेल ने कुल 720 स्कोर में 600 अंक अर्जित कर सीबीएसई ईस्ट जोन आर्चरी में प्रथम स्थान प्राप्त कर नेशनल के लिए अपने दावेदारी पेश कर दी है। यश पटेल के कोच अजितेश सोलंकी ने उनकी उपलब्धि पर बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। चेयरमैन डॉ संजीव कुमार ने कहा कि विद्यालय में सभी प्रतिभाओं को उभारने के लिए प्रशिक्षक रखे गए हैं।

नारी शक्ति वंदन से खुलेंगे राजनीति के नए द्वार -अंजू

गोरखपुर। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अंजू चौधरी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाने से महिलाओं के लिए राजनीति में नए द्वार खुलेंगे। साथ ही वे अधिकारों और विकास के लिए मजबूती से आवाज उठा सकेंगीं। आयोग की उपाध्यक्ष शनिवार को शहर के एक मैरिज हॉल में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहीं थीं। महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि आज लोकसभा में 82 महिलाएं ही प्रतिनिधित्व कर रहीं हैं, लेकिन इस अधिनियम के बाद लोकसभा में 182 महिलाओं को प्रतिनिधित्व मिलेगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा अमित गुप्ता, निर्मला द्विवेदी, कुमकुम सिंह, शकुंतला जायसवाल, ममता जायसवाल, वंदना सिंह, मीना श्रीवास्तव, रानी मिश्रा आदि मौजूद रहे। संवाद

गोरखपुर से 162 यात्रियों के साथ दक्षिण भारत की यात्रा पर रवाना हुई भारत गौरव

गोरखपुर। देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास और प्राकृतिक सुंदरता का दर्शन कराने के लिए भारत गौरव ट्रेन शनिवार को रवाना हुई। गोरखपुर के 162 यात्रियों को लेकर रवाना हुई इस ट्रेन की सभी 750 सीटें बुक हो गई हैं। ट्रेन आठ नवंबर को गोरखपुर लौटेगी। अब तक 26 भारत गौरव पर्यटक ट्रेनें चल चुकी हैं। शनिवार को शाम चार बजे 27वीं ट्रेन दक्षिण भारत की यात्रा के लिए रवाना की गई। यह गाड़ी मनकापुर, अयोध्या कैंट, सुल्तानपुर, मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़, प्रयागराज संगम, रायबरेली, लखनऊ, कानपुर, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं., ललितपुर, बीना, इटारसी, नागपुर, बल्हारशाह, विजयवाड़ा, रेनीगुंटा, काटपाडी, विल्लुपुरम, तिरुचिरापल्ली, कुदालनगर, मदुरई, तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, कुड्डापाह, नंद्याल, मरकापुर, कृष्णा कैनाल स्टेशनों पर रूकेगी। 08 नवंबर को 01:20 बजे गोरखपुर वापस पहुंचेगी। सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि इस ट्रेन में कुल 750 सीटें हैं, जिनकी अलग-अलग स्टेशनों से बुकिंग है। गोरखपुर स्टेशन से 162 यात्री सवार हुए। सभी दक्षिण भारत की यात्रा को लेकर खासा उत्साहित नजर आए।

संघर्ष पूर्ण मुकाबले में जीता पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे

.गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम चल रही 32वीं अखिल भारतीय रेलवे सुरक्षा बल वालीबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन शनिवार शाम खेले गए पुरुष वर्ग के संघर्ष पूर्ण मुकाबले में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने उत्तर मध्य रेलवे को 25-19, 25-12, 23-25, 26-24 अंकों से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में पूर्व मध्य रेलवे ने दक्षिण पूर्व रेलवे को 17-25, 27-25, 25-16, 25-19, 09-15 अंकों से मात देकर आगे की राह बनाई। पूर्व रेलवे ने मध्य रेलवे को सीधे सेटों में 25-15, 25-20, 25-14 अंकों से हराकर जीत दर्ज की। दक्षिण रेलवे ने पूर्व तटीय रेलवे को सीधे सेटों में 25-23, 25-16, 25-12 अंकों से हराया। रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने दक्षिण मध्य रेलवे को 25-08, 25-17, 25-13 अंकों से हराया। वहीं प्रतियोगिता के महिला वर्ग के मुकाबलों में दक्षिण पश्चिम रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे को 25-23, 25-18, 25-15 अंकों से पराजित किया। पूर्व रेलवे ने दक्षिण मध्य रेलवे को 25-22, 25-16, 25-18 अंकों से हराया, रेलवे सुरक्षा विशेष बल ने मध्य रेलवे को 25-11, 25-07, 25-12 अंकों से शिकस्त देकर मैच जीत लिया। मैच के निर्णायक की भूमिका संकटा सिंह, विनोद सिंह, रमेश राय, प्रदीप यादव, ओंकार सिंह, अतुल सिंह, संदीप कुंदीर व भवर सिंह ने निभाई।

श्रीराम ने किया रावण का वध

.गोरखपुर। रामलीला समिति धर्मशाला बाजार की ओर से आयोजित रामलीला में शनिवार को कलाकारों ने अहिरावण और रावण वध का मंचन किया। इस दौरान लोगों को बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देने के लिए राम ने रावण पर अग्निबाण चलाकर पुतले का दहन किया। पुतले के साथ ही रावण का अहंकार धू-धू कर जल गया। शनिवार को कलाकारों ने राम और रावण में भीषण युद्ध का मंचन किया। इससे पूर्व रामलीला की शुरुआत मुख्य अतिथि पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी श्री राम की आरती उतार कर किया। इस अवसर पर शिवशंकर दुबे, शशांक शेखर त्रिपाठी, सच्चिदानंद पांडेय, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, राजन चौरसिया, विजय तिलक कोरी, दुर्गेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, सचिन सोनकर, कौशांत वैश्य, बृजेश कसौधन आदि लोग मौजूद रहे।

सोसाइटी की 11वीं मंजिल से गिरकर युवती की मौत

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र की पुल्मेरिया गार्डन सोसाइटी की 11वीं मंजिल से गिरकर की युवती की मौत हो गई। बेंगलुरु में तकनीकी कोर्स की पढ़ाई के दौरान अरोमा (23) का वर्ष 2021 में ब्रेन हेमरेज हुआ था। इसके बाद से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। एम्स में उसका इलाज चल रहा है। सूरजपुर कोतवाली प्रभारी ने बताया कि निजी कंपनी में नौकरी करने वाले सुशील कुमार गुप्ता पुल्मेरिया गार्डन सोसाइटी में सपरिवार रहते हैं। सुशील की बेटी अरोमा शुक्रवार फ्लैट में थी। रात करीब 8 बजे वह बालकनी से नीचे गिर गई। आनन-फानन उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि बेंगलुरु में ब्रेन हेमरेज के बाद अरोमा को ग्रेटर नोएडा ले आए थे। परिजन ही उसकी देखभाल कर रहे थे।

बेची हुई जमीन का मुआवजा उठाने वाले से होगी सवा करोड़ की वसूली

ग्रेटर नोएडा। तुस्याना गांव में बेची हुई जमीन का मुआवजा उठाने के मामले में आरोपी से सवाल करोड़ की वसूली होगी। अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति की ओर से राजेंद्र सिंह को 1.27 करोड़ की वसूली का नोटिस जारी किया है। राशि एडीएम के खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। अहम है कि हाल ही में तुस्याना गांव के एवज में आवंटित हुई छह फीसदी भूखंडों को निरस्त करने के शासन ने निर्देश दिए थे। अधिकारियों ने बताया कि तुस्याना गांव में राजेंद्र सिंह ने रवि अग्रवाल को जमीन बेची थी। जमीन का दाखिल खारिज नहीं हो पाया था। इसके चलते जमीन राजेंद्र सिंह के नाम ही रही। उसने उक्त भूमि के मुआवजे के रूप में 1.27 करोड़ रुपये ले लिए। रवि अग्रवाल इस मामले को लेकर वर्ष 2002 में अदालत चले गए थे और अब कोर्ट ने इस मामले में फैसला उनके पक्ष में करते हुए प्रशासन को मुआवजा देने का आदेश दिया है। इसके बाद अपर जिलाधिकारी बलराम सिंह की ओर से उक्त प्रकरण में राजेंद्र सिंह से

पॉक्सो कोर्ट में बयान से मुकरने पर आरोपी को मिल रहा संदेह का लाभ

गाजियाबाद। 18 वर्ष से कम उम्र में दुष्कर्म के मामलों में गवाहों के बयानों से मुकर जाने से आरोपियों को संदेह का लाभ मिल रहा है। तीन वर्ष में पॉक्सो कोर्ट में निस्तारित हुए 173 मामलों में सिर्फ 46 दोषियों को सजा मिल पाई, शेष अन्य मामलों में आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ मिल गया और वह बरी हो गए। इनमें तीन मामले ऐसे थे जिनके माता-पिता ने अपहरण के बाद दुष्कर्म का आरोप लगाया था, लेकिन मुकदमे की सुनवाई के दौरान शादी के बाद बच्चे भी पैदा हो चुके थे, जबकि आठ मामलों में किशोरी और आरोपी शादी करने के बाद साथ रहने की सहमति अदालत में दी थी। पॉक्सो कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक हरीश कुमार का कहना है कि अभियोजन और बचाव पक्ष के अदालत से बाहर समझौता करने या सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान से मुकर जाने के कारण अदालत आरोपी को बरी कर देती है। अदालत संबंधित व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 344 के तहत कार्यवाही का आदेश देती है। जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश चंद शर्मा कहना है कि अदालत में न्यायाधीश के सामने पीड़िता जो बयान दर्ज कराती है उसे मुख्य माना जाता है। जिन मामलों में अभियोजन पूर्व के बयान पर अडिग रह कर न्यायाधीश के सामने पहले पुलिस को दिया बयान दर्ज कराती है, उन मामलों में आरोपी को अदालत से सजा मिलती है।

प्रेमी के पक्ष में देती है बयान

अधिवक्ता राजकुमार का कहना है किशोरी के प्रेमी के साथ घर छोड़ने पर आवेश या भावुकता में आकर परिजन पहले मुकदमा दर्ज करा देते हैं, लेकिन समय बीतने के साथ ही अधिकांश मामलों में बच्चों की इच्छा को सर्वोपरि मानते हुए बयान से मुकर जाते हैं। बालिग होने पर आपसी सहमति होने पर कई बार बचाव पक्ष भी दोनों की शादी करा देते हैं।

लालकुआं और क्रॉसिंग रिपब्लिक से एक्सप्रेसवे पर नए साल में मिल जाएगी कनेक्टिविटी

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से लालकुआं और क्रॉसिंग रिपब्लिक को कनेक्टिविटी देने के लिए लूप बनाने का काम नवंबर में शुरू हो जाएगा। शुक्रवार को दिल्ली में हुई एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों और मेरठ मंडल की मंडलायुक्त व कई जिलों के साथ हुई अहम बैठक में मंजूरी मिलने के बाद अब इस प्रोजेक्ट का डिटेल डिजाइन तैयार किया जाएगा। दो से तीन सप्ताह में डिजाइन तैयार कराकर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। इस पर नौ करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नए साल पर इन लूप का तोहफा गाजियाबाद के लोगों को मिल सकता है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक और लालकुआं क्षेत्र के लोगों की मांग पर गाजियाबाद के सांसद व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने इन दोनों क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से प्रवेश और निकास के लिए दो लूप बनाने का प्रस्ताव एनएचएआई को भेजे थे। अपने ही विभाग के मंत्री के इन प्रस्तावों पर एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने सर्वे कराकर फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कराई और डीपीआर बनाकर एनएचएआई के चेयरमैन संतोष यादव के पास भेज दी थी। शुक्रवार को हुई बैठक में इसे मंजूरी मिल गई है। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि डिटेल डिजाइन बनाने और इसके तकनीकी परीक्षण के बाद नवंबर माह में ही लूप बनाने का काम शुरू करा दिया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा, दादरी, बुलंदशहर जाने वालों को भी मिलेगा फायदा

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से लालकुआं और क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास प्रवेश व निकास के लिए लूप बन जाने से न केवल गाजियाबाद और क्रॉसिंग रिपब्लिक सोसायटी के लोगों को बल्कि ग्रेटर नोएडा, दादरी, बुलंदशहर जाने वाले वाहन चालकों को भी फायदा मिलेगा। दिल्ली और मेरठ से आते-जाते वक्त फिलहाल उन्हें डासना में एक्सप्रेसवे से उतरना पड़ता है और यहां से एनएच-9 के माध्यम से क्रॉसिंग रिपब्लिक, शाहबेरी होते हुए ग्रेटर नोएडा और लालकुआं होते हुए दादरी-बुलंदशहर की ओर जाना पड़ता है। इन लूप के बन जाने से वाहन चालकों को डासना नहीं उतरना पड़ेगा।

विजयनगर में नाला बन जाने से 4 लाख की आबादी को मिलेगा फायदा

एनएचएआई ने विजयनगर में नाला बनाने में हिस्सेदारी देने पर भी सहमति दे दी है। विजयनगर से हिंडन नदी तक बनने वाले नाले पर करीब 45 करोड़ रुपये खर्च होंगे। दरअसल, एनएच-9 के चौड़ीकरण के दौरान एनएचएआई ने नगर निगम के नाले को पाट दिया था। इसकी वजह से लाइनपार क्षेत्र की कॉलोनियों की जल निकासी बाधित हो गई। बारिश के दौरान जल निकासी न होने की वजह से यहां जलभराव हो जाता है। जलभराव के कारण एक स्कूली छात्र की मौत भी इस क्षेत्र में हो चुकी है। स्थानीय पार्षदों के साथ-साथ नगर निगम के अफसर भी एनएचएआई से नाला बनाने या इसके लिए फंड उपलब्ध कराने की मांग कर रहे थे। लालकुआं और क्रॉसिंग रिपब्लिक के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से प्रवेश और निकास के लिए लूप बनाने का काम जल्द ही शुरू हो जाएगा। इसके लिए सभी औपचारिकताएं पूरी हो गई हैं। दोनों स्थानों पर लूप बन जाने से लाखों लोगों को फायदा होगा। -वीके सिंह, स्थानीय सांसद व केंद्रीय मंत्री

फोरलेन रिंग रोड से खुलेगी नया गोरखपुर की राह, भुगतान की जगी उम्मीद

गोरखपुर। गोरखपुर में जंगल कौड़िया-जगदीशपुर फोरलेन रिंग रोड से जीडीए के नया गोरखपुर योजना के आगे बढ़ने की राह खुलेगी। रिंग रोड से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए जिला प्रशासन की ओर से कमेटी गठित की गई है। गेहूं की बुवाई शुरू होने से पहले कमेटी के सदस्य अपनी रिपोर्ट डीएम को सौंप देंगे। किसानों का कहना है कि बाजार दर और सर्किल रेट के बीच ऐसा मुआवजा तय किया जाए, जिससे किसी का नुकसान न हो। तीन माह पूर्व दाखिल आर्बिट्रेशन पर कोई निर्णय नहीं हो सका है। जंगल कौड़िया-जगदीशपुर फोरलेन रिंग रोड के लिए 26 गांवों के किसानों की भूमि अधिग्रहित की गई है। इससे करीब 1700 छोटे बड़े किसान प्रभावित हो रहे हैं। कई किसानों की खेती की पूरी जमीन रिंग रोड के लिए अधिग्रहित है। जून में इसका काम शुरू कराया जाना था। लेकिन बाजार दर पर मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने विरोध जताया।

अधिकारियों ने गांवों में चौपाल लगाकर लोगों को बताया कि आर्बिट्रेशन (न्यायिक मध्यस्थता) दाखिल करें। तब अधिकारियों ने दावा किया था कि जल्द ही इसकी सुनवाई हो जाएगी। लेकिन इसकी पहली तारीख अगस्त में पड़ी। इसके बाद दोबारा सात अक्तूबर को तारीख लग गई। किसानों ने आपत्ति जताते हुए विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के सामने अपनी बात रखी। विधायक ने डीएम से बात करके मामला सुलझाने को कहा। इस प्रकरण के अविलंब निस्तारण के लिए एडीएम प्रशासन की अगुवाई में एआईजी स्टांप, कैंपियरगंज और सदर तहसील के तहसीलदार और दोनों जगहों के उप निबंधकों की कमेटी बनाई गई है।

यह कमेटी पीपीगंज के सोनौली बाईपास रोड और जगदीशपुर जंगल कौड़िया रिंग रोड के किसानों के लिए बाजार दर और सर्किल रेट के बीच उचित विकल्प की तलाश करेगी। इसमें नेशनल हाईवे के किनारे की जमीन, अन्य लिंक रोड के रेट, खेती की भूमि और बाजार भाव की तुलना करके निर्णय लिया जाएगा।

तय दर को एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) को भुगतान के लिए भेजा जाएगा। हालांकि अधिकांश किसानों को पूर्व में तय दर पर मुआवजा दिया जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि नई दर तय होने पर बची हुई रकम भी खातों में पहुंच जाएगी।

.जमीन देने को तैयार नहीं हैं किसान

शहर के आसपास फोरलेन रिंग रोड के आसपास ही जीडीए की ओर से नया गोरखपुर बसाया जाएगा। इसके लिए किसान जमीन देने को तैयार नहीं है। सर्किल रेट और बाजार मूल्य को लेकर पेच फंसा है। माना जा रहा है कि रेट तय होने पर पूरे क्षेत्र में यह प्रभावी हो जाएगा। इससे अन्य योजनाओं में आसानी से जमीनों का अधिग्रहण हो सकेगा।

.आर्बिट्रेशन दाखिल किए तीन माह से अधिक का समय गुजर गया है। लेकिन रेट को लेकर कोई निर्णय नहीं हो सका है। इसलिए इस पर जल्द से जल्द फैसला होना चाहिए।

बस से कुचलकर खलासी की मौत

गाजीपुर। कोतवाली क्षेत्र के चुरामनपुर पुलिया के पास वेद बिहारी पोखरा- भड़सर मार्ग पर शुक्रवार को वाराणसी से रसड़ा जा रही एक यात्री बस से कुचलकर खलासी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर चालक बस को कोतवाली में खड़ा कर फरार हो गया है। परिजनों के रोने-बिलखने से गांव में चीख- पुकार मच गई। बिरनो थाना क्षेत्र के बिहरा गांव निवासी उमेश पांडेय (46) एक यात्री बस पर खलासी का काम कर परिवार का पालन पोषण करते थे। उमेश पांडेय के पुत्र आकाश पांडेय ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पिता उमेश पांडेय सुबह घर के काम से कासिमाबाद जाने के लिए निकले थे। वेद बिहारी पोखरा भड़सर मार्ग पर चुरमानपुर गांव के सामने पुलिया के पास जैसे ही पहुंचे, वाराणसी से रसड़ा जाने वाली एक निजी बस से कुचलकर घटनास्थल मौत हो गई है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उमेश पांडेय की आकस्मिक मौत की खबर पाकर उनके गांव बिहरा में शोक की लहर दौड़ गई। दूसरी तरफ माता देवंती देवी, पत्नी रिंकू पांडेय, पुत्री खुशबू, काजल, राज के साथ पुत्र आकाश का रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि मृतक के पुत्र आकाश पांडेय की तहरीर पर बस और उसके चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बस कोतवाली परिसर में खड़ी है। चालक फरार है। घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि मृतक उमेश पांडेय वाराणसी से रसड़ा चल रही इस यात्री बस पर खलासी का काम कर रहे थे। बस के गेट पर वे खड़े होकर सवारी उतारने चढ़ाने के दौरान बस से गिर गए। सड़क पर गिरते ही बस का पिछला चक्का उनके सिर पर चढ़ गया और घटनास्थल पर कुचल जाने से मौत हो गई। मृतक उमेश पांडेय अपने घर का एक मात्र कमाऊ व्यक्ति थे।

दिल्ली से वाया नोएडा एक्सप्रेसवे बनाने की तैयारी में एनएचएआई

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली से नोएडा और ग्रेटर नोएडा होते हुए जेवर में बन रहे नोएडा एयरपोर्ट तक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के अलावा वैकल्पिक मार्ग की योजना पर काम शुरू कर दिया है। लगातार बढ़ रहे वाहनों के दबाव और जाम को देखते हुए इस नए मार्ग की परिकल्पना की जा रही है। जिससे भविष्य में जब नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान भरी जाए तो लोग जाम के झाम में न फंसे। इसके लिए दिल्ली स्थित एनएचएआई कार्यालय में बैठक हुई और इसमें एक्सप्रेसवे के अलावा एलिवेटिड रोड पर भी चर्चा की गई है। इसके लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जाएगी और सभी विकल्पों पर गहनता से अध्ययन किया जाएगा। दरअसल, जेवर में निर्माणाधीन नोएडा एयरपोर्ट तक दिल्ली से सुगम मार्ग सुविधा देने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने चहलकदमी करनी शुरू कर दी है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लगातार वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में नोएडा एयरपोर्ट के शुरू होने पर यह समस्या और विकराल रूप धारण करेगी। इससे पहले ही इस समस्या का शासन-प्रशासन ने समाधान तलाशना शुरू कर दिया है। शुक्रवार को एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने बैठक की। इसमें गौतमबुद्ध नगर डीएम मनीष कुमार वर्मा, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ रविकुमार एनजी, यमुना प्राधिकरण के अधिकारी शामिल हुए। सभी अधिकारियों ने दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने और ईस्टर्न पेरीफेरल को नोएडा-ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे से कनेक्ट करने समेत कई मुद्दों पर चर्चा। इसमें सबसे अहम मुद्दा दिल्ली से नोएडा एयरपोर्ट को जोड़ने का रहा। कई अधिकारियों ने कहा कि एक नया एक्सप्रेसवे बनाया जाए तो कुछ अधिकारियों ने बताया कि एक्सप्रेसवे बनाने में जमीन को लेकर अड़चन आएगी, इसलिए एलिवेटिड रोड बनाया जाए। इसके अलावा मेरठ-दिल्ली मेरठ रोड की तर्ज पर एक्सप्रेसवे बनाने पर विचार किया गया। अंत में तय हुआ कि एक्सप्रेसवे व एलिवेटिड रोड आदि को लेकर एक फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कराई जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष से दिल्ली स्थित एनएचएआई कार्यालय में बैठक हुई। इसमें दिल्ली-नोएडा और जेवर में बन रहे नोएडा एयरपोर्ट को अलग मार्ग से जोड़ने पर चर्चा हुई।

मेरी उम्र 60 वर्ष से अधिक है... हृदय रोग-ब्लड प्रेशर और शुगर है, मुख्तार ने दीं ये दलीलें

गाजीपुर। अदालत में दोषसिद्ध होने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी ने अपनी ज्यादा उम्र और बीमारी को लेकर दलीलें दीं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश मुख्तार ने कहा कि उसकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। वह वर्ष 2005 से जेल में है। जिस मामले में दोषसिद्ध हुआ है, उसमें भी सात वर्ष से अधिक समय से जेल में है। विशेष न्यायाधीश (एमपी/एमएलए कोर्ट) अरविंद मिश्र की अदालत में दोषसिद्ध होने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी ने अपनी ज्यादा उम्र और बीमारी को लेकर दलीलें दीं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश हुए मुख्तार ने कहा कि उसकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है।

वह वर्ष 2005 से जेल में है। जिस मामले में दोषसिद्ध हुआ है, उसमें भी सात वर्ष से अधिक समय से जेल में है। उसे हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, शुगर और सर्वाइकल संबंधी बीमारी हैं। दो बार हार्ट अटैक आ चुका है, इसलिए उसे कम से कम दंड से दंडित किया जाए। मुख्तार अंसारी की दलीलों पर सजा सुनाने से पहले अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि वर्तमान समय में अभियुक्त 60 वर्ष से अधिक उम्र का है। मुख्तार अंसारी ने बीमारियों से ग्रसित होने का हवाला दिया। मगर, यहां यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि अभियुक्त मुख्तार अंसारी द्वारा बीमारियों से ग्रसित होने के संबंध में कोई भी दस्तावेजी साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किया गया। तथ्य एवं परिस्थितियों के आधार पर यह साबित होता है कि अभियुक्त मुख्तार अंसारी का एक संगठित गिरोह था। गिरोह का उपयोग समाज विरोधी क्रियाकलापों के लिए किया जाता था। इसलिए अभियुक्त मुख्तार अंसारी को 10 वर्ष के कठोर कारावास और पांच लाख रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया जाता है।

मुख्तार अंसारी की ओर से बचाव में दलील दी गई कि गैंग चार्ट में अंकित मुकदमों में गवाहों के पक्षद्रोही होने के कारण अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया गया है। इस पर अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य बनाम मुख्तार अंसारी मुकदमे में गवर्नमेंट अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्णय दिया था कि गैंग चार्ट में अंकित मुकदमों में गवाहों के पक्षद्रोही होने के कारण अभियुक्त दोषमुक्त हो जाता है, तो उसके बाद भी उसे गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दोषसिद्ध किया जा सकता है। दरअसल, कपिल देव सिंह की हत्या और मीर हसन के हत्या के प्रयास के मामले में मुख्तार अंसारी बरी हो चुका है। उसके चुटे भी बरी हो चुके हैं। अब गैंगस्टर एक्ट में दोष साबित हुआ और सजा मिली है। इसका फायदा मुख्तार उठाना चाहता था, इसीलिए दलील भी दी, लेकिन अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर सजा सुना दी।

ऐसे चला मामला

- वर्ष 2009 में करंडा थाना क्षेत्र के सबुआ निवासी कपिलदेव सिंह की हत्या कर दी गई थी। इसी तरह मुहम्मदाबाद के मीर हसन की हत्या का प्रयास किया गया था।

- वर्ष 2010 में मुख्तार अंसारी और सोनू यादव के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत करंडा थाना में मुकदमा दर्ज हुआ था।

- सात अक्तूबर 2023 को मुख्तार अंसारी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और सोनू यादव का बयान दर्ज हुआ था।

- 11 अक्तूबर को बहस होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी।

- 17 अक्तूबर को अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक शासकीय अधिवक्ता नीरज श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता लियाकत अली और स्वयं मुख्तार अंसारी, जबकि सोनू यादव के अधिवक्ता राजकुमार जायसवाल ने अपना- अपना तर्क प्रस्तुत किया। बहस सुनने के बाद अदालत ने फैसले की तिथि तय कर दी।

- 26 अक्तूबर को न्यायालय ने मुख्तार अंसारी और सोनू यादव को गैंगस्टर एक्ट के तहत दोषी करार दिया। साथ ही सजा की बिंदु पर सुनवाई और सजा निर्धारण के लिए 27 अक्तूबर की तिथि नियत कर दी।

- 26 अक्तूबर को अपराह्न 3.15 बजे अदालत ने मुख्तार अंसारी को सजा सुनाई गई।

अदालत ने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) को निर्देशित किया कि वह पुलिस अधीक्षक की तरफ से नियुक्त विशेष वाहक से अभियुक्त मुख्तार अंसारी का सजायावी वारंट अविलंब भिजवा दें।

शतरंज के समर में उतरे नन्हे महारथी, पहले दिन चार राउंड के हुए मुकाबले

ग्रेटर नोएडा। सात राउंड में खेले जाने वाले ग्रांड फिनाले के पहले दिन चार राउंड के रोमांचक मुकाबले हुए। जिसमें शामिल खिलाड़ियों ने ऊंट, घोड़े, हाथी और रानी से प्रतिद्वंदी को परास्त करने के लिए चालें चलीं। नोएडा के सेक्टर-59 स्थित अमर उजाला कार्यालय में अमर उजाला और उत्तर प्रदेश शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन की ओर से शनिवार को जूनियर शतरंज प्रतियोगिता के महासमर का आगाज हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिमागी घोड़े दौड़ाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ी और यूपी शतरंज एसोसिएशन के सचिव एके रायजादा ने दीप प्रज्जवलित कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। दो दिवसीय ग्रांड फिनाले में जिले के 45 स्कूलों के 255 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं। सात राउंड में खेले जाने वाले ग्रांड फिनाले के पहले दिन चार राउंड के रोमांचक मुकाबले हुए। जिसमें शामिल खिलाड़ियों ने ऊंट, घोड़े, हाथी और रानी से प्रतिद्वंदी को परास्त करने के लिए चालें चलीं। अंडर-12 वर्ग में 129 खिलाड़ी शामिल हुए। इनमें लड़कों और लड़कियों के वर्ग में अनय सिंह, विग्नेश बाला, अवान तिवारी, दक्ष सैनी, चैतन्य गुप्ता, आकर्ष रत्नम और हर्ष भूषण चार-चार अंकों के साथ टॉप पर रहे। वहीं 12 वर्ष से अधिक उम्र वर्ग के फिनाले में 126 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इनमें जय पांडे, यश कुमार सिंह, अरेन गौतम, रायन गौतम, अर्णव पॉल, समय कुशवाहा, दीपतांशु प्रसाद और कृष्णा चौहान चार-चार अंकों के साथ शीर्ष पर रहे। प्रतियोगिता अंतराष्ट्रीय मानकों में स्विस लीग के आधार पर खेली जा रही है। सात राउंड के बाद भी प्वाइंट्स के आधार पर यदि खिलाड़ियों के बीच मैच टाई (बराबरी पर छूटा) हुआ तो समय के आधार पर विजेता घोषित होगा। अमर उजाला की ओर से दो चरणों में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले चरण में 8 सितंबर से शुरू हुई प्रतियोगिता में जिले के 45 स्कूलों का चयन किया गया। अंडर-12 और 12 वर्ष से अधिक उम्र वर्ग के प्राथमिक चरण में हर स्कूल में करीब 150 से 250 खिलाड़ियों ने रोमांचक स्पर्धा की। प्रत्येक स्कूल से दोनों वर्गों में विजयी तीन-तीन खिलाड़ी फाइनल के लिए चुने गए।

नोएडा और ग्रेनो के 45 स्कूलों ने लिया हिस्सा

1. जेपी पब्लिक स्कूल
2. होली पब्लिक स्कूल
3. रॉयन इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, बीटा-वन
4. सेंट जोसेफ स्कूल, अल्फा-वन
5. जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल, ग्रेनो वेस्ट
6. एस्टर पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा
7. अमीचंद इंटर कॉलेज, कासना
8. एस्टर पब्लिक स्कूल, ग्रेनोवेस्ट, सेक्टर-3
9. सेंट हुड पब्लिक स्कूल दादरी
10. राम ईश इंटरनेशनल स्कूल, नॉलेज पार्क-वन
11. प्रज्ञान स्कूल, ग्रेटर नोएडा गामा-वन
12. विश्व भारती इंटरनेशनल स्कूल, बीटा-वन
13. एपीजे इंटरनेशनल स्कूल
14. जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, स्वर्णनगरी
15. राव कासल पब्लिक स्कूल
16. दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा
17. एस्टर पब्लिक स्कूल, नॉलेज पार्क-5
18. दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, नॉलेज पार्क-3
19. प्रज्ञान स्कूल जेवर
20. एसडीआरवी कॉन्वेंट स्कूल, दनकौर
21. गौतमबुद्ध बालक इंटर कॉलेज, नॉलेज पार्क-5
22. ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल, सिरसा
23. एमसी गोपीचंद इंटर, कॉलेज
24. पंडित सालगराम इंटर कॉलेज, ग्रेनो वेस्ट
25. सिटी हार्ट पब्लिक स्कूल, दादरी
26. दादरी पब्लिक स्कूल
27. डीसेंट पब्लिक स्कूल, दादरी
28. विजडम ट्री स्कूल, ग्रेनो वेस्ट
29. सनराइज विले स्कूल, सेक्टर-25
30. इंडस वैली स्कूल, सेक्टर-62
31. पंचशील बालक इंटर कॉलेज
32. डीएवी स्कूल, नोएडा
33. आदर्श ज्ञान वाटिका, सदरपुर
34. न्यू नोएडा स्कूल, गेझा
35. धर्म पब्लिक स्कूल, सेक्टर-22
36. महामाया गर्ल्स इंटर कॉलेज
37. एसडी विद्या स्कूल, सेक्टर-49
38. महर्षि विद्या मंदिर
39. बीएस मेमोरियल स्कूल, निठारी
40. जेनेसिस ग्लोबल स्कूल
41. नेहरू इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-11
42. उत्तराखंड पब्लिक स्कूल
43. मॉडर्न पब्लिक स्कूल
44. रामाज्ञा स्कूल
45. यदु पब्लिक स्कूल

यूपी के खिलाड़ियों में अपार क्षमता, करेंगे कमाल

स्कूलों के नन्हे खिलाड़ी यूपी समेत पूरे भारत में शतरंज का क्रेज लाएंगे। यही बच्चे आगे चलकर शतरंज के ग्रैंडमास्टर बनेंगे। बस हमें स्कूलों को थोड़ा सा जागरूक करना होगा। अमर उजाला की ओर से स्कूलों में शतरंज प्रतियोगिता से यही जागरूकता लाई जा रही है। यह बात शनिवार को अमर उजाला और यूपी शतरंज एसोसिएशन की ओर से आयोजित जूनियर शतरंज प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी और यूपी शतरंज स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव एके रायजादा ने कही।

रायजादा ने कहा कि शतरंज में भारत का भविष्य उज्ज्वल है। फिलहाल शतरंज में भारत विश्व के शीर्ष चार से पांच देशों में शुमार है। हमारे पास कई ग्रैंड मास्टर हैं। विश्वनाथन आनंद, आर प्रगानंदा, डी गुकेश जैसे खिलाड़ियों की जीत से प्रभावित होकर हजारों बच्चे इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं।

कनेरू हंपी और तानिया सचदेव जैसी महिला ग्रैंड मास्टर से किशोरियां और युवतियां प्रभावित हो रही हैं। दक्षिण और पश्चिम भारत में शतरंज का खेल अधिक चर्चित है। हालांकि, शतरंज का खेल देशभर में चर्चित हो रहा है, फिर भी उत्तर भारत में इसकी जरूरत है।

मैं प्यार करती हूं-पुलिस अंकल मुझे छोड़ दीजिए, उसी के साथ रहना है... 16 साल की बेटी की बातें सुन सब दंग

गोरखपुर। लड़की और लड़का दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं। शनिवार की सुबह युवक किशोरी को बहला फुसलाकर दिल्ली ले जा रहा था। घर से लापता होने की जानकारी किशोरी के परिजनों को हुई तो तलाश शुरू कर दी। पुलिस अंकल मुझे छोड़ दीजिए। मैं प्यार करती हूं और उसी के साथ रहना चाहती हूं....16 साल की बेटी के ये लफ्ज सुनकर मां-बाप ही नहीं वहां मौजूद हर कोई हैरान हो गया। उम्र का हवाला देकर समझाने की बेकार होती कोशिश के बाद किसी तरह वह घर जाने को राजी हुई। प्रेमी को भी परिजनों को बुलाकर सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के मुताबिक, महराजगंज जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के एक युवक का प्रेम-प्रसंग दो किमी दूर एक गांव की किशोरी से तीन वर्षों से है। दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं। शनिवार की सुबह युवक किशोरी को बहला फुसलाकर दिल्ली ले जा रहा था। घर से लापता होने की जानकारी किशोरी के परिजनों को हुई तो तलाश शुरू कर दी।

इसी बीच एक परिचित ने मेडिकल चौकी पुलिस की मदद से महराजगंज से गोरखपुर जाने वाली गाड़ियों को चेक करवाने लगा। दोपहर दो बजे रोडवेज बस में युवक किशोरी के साथ पकड़ा गया। किशोरी युवक से शादी की जिद पर अड़ी रही। दोनों के परिजन मेडिकल चौकी पुलिस पहुंचे। चौकी पुलिस ने लिखा पढ़ी कर सुपुर्द कर दिया गया।

अभिभावक को ध्यान देने की जरूरत परिवार ही बच्चों की पहली पाठशाला होती है। अब लालन-पालन में पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव बढ़ा है। कई अभिभावक ओपेन सोसायटी की बात बेहिचक करते हैं। कम उम्र की संतान इनके सही मायने समझे बिना, ऐसी सोसायटी का हिस्सा बनने की कोशिश करती है। फिल्में, टीवी सीरियल भी प्यार को अलग तरह से परिभाषित करते हैं। युगल के साथ को आज की जरूरत की तरह पेश करते हैं। बेटा हो या बेटी, इन सारी चीजों का नकारात्मक प्रभाव उनके रहन-सहन, सोचने के ढंग पर पड़ता है। भटकाव की पीछे तक भी ले जाता है। -डॉ. श्वेता जॉनसन, मनोविज्ञान विभाग, सेंट एंड्रयूज कॉलेज

किशोरावस्था में ज्यादा समझ नहीं होती अशिक्षा और अनुशासन की कमी की वजह से ऐसे मामले ज्यादा सामने आते हैं। किशोरावस्था में बच्चों को सही-गलत की ज्यादा समझ नहीं होती है। ऐसे में पूरी जिम्मेदारी अभिभावकों की होती है कि वे उन पर नजर रखें। उनकी हर गतिविधि का मूल्यांकन करें। बच्चों के व्यवहार में बदलाव आने पर अभिभावक को काउंसलिंग करनी चाहिए। मित्रवत व्यवहार रखते हुए उन्हें सही और गलत की पहचान करानी चाहिए। सुविधाएं देने में खराबी नहीं है, लेकिन ध्यान रखें कि उनका दुरुपयोग न हो। -दीप्ति मोहन सिंह, समाजशास्त्री, गोरखपुर विश्वविद्यालय शादी के लिए कानून में उम्र तय भारतीय कानून में शादी के लिए लड़के की उम्र 21 और लड़की की उम्र 18 साल तय है। जाहिर है कि प्रेम करने वाले लड़के और लड़की इस उम्र के होंगे तो वह शादी कर सकते हैं। लड़की नाबालिग है और उसके प्यार में पड़कर अगर कोई लड़का उससे शादी करने या शारीरिक संबंध बनाए तो अपहरण, दुष्कर्म के आरोप में जेल जाना तय है। वहीं, लड़की के घरवाले मामला पुलिस तक लेकर जाएं। -शंकर शरण त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता

क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

निशा सिंह ब्लॉक समन्वयक द्वारा नई पहल परियोजना की जानकारी देते हुए

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। कंपोजिट स्कूल चांदपुर, परसपुर में स्कूल प्रबंध समिति, पंचायत समिति सदस्य, ग्राम समुदाय के सदस्यों हेतु एक्शन ऐड एसोसिएशन के द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से संचालित नई पहल परियोजना के अन्तर्गत एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित किया गया।

ब्लॉक समन्वयक निशा सिंह ने उपस्थित सदस्यों को जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष SHARD अभियान के अंतर्गत चिन्हित किये गए (5+to 14+) बच्चों के चिन्हीकरण एवं नामांकन पर कार्य इन आउट ऑफ स्कूल बच्चों को विद्यालय में नामांकन करा कर कैसे मुख्यधारा से जोड़ा जाये और इनकी शिक्षा सुनिश्चित करना है। विशेष अवश्यकता वाले बच्चो (CWSN) दिव्यांग बच्चों का चिन्हीकरण एवं नामांकन तथा उनकी शिक्षा के लिये समुदाय का सहयोग लेते हुए कार्य, चयनित विद्यालयों में अटेंडेंस कैंपेन के अंतर्गत बच्चों की उपस्थिति में सुधार हेतु रणनीति तैयार करना। नामांकित बच्चों को सोशल प्रोटेक्शन स्कीम के साथ जोड़ने में ग्राम प्रधान एवं शिक्षकों की भूमिका तथा स्कूल प्रबंध समितिऔर पंचायत से सहयोग से स्कूली व्यवस्था को बेहतर बनाना है। इसी क्रम में देवेंद्र कुमार ने अवगत कराया की स्कूल प्रबंध समिति के कार्य और जिम्मेदारी की जानकारी दिया और बच्चो के नियमित स्कूल आने में समिति की भूमिका पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष कुमार में बच्चों को सामाजिक सुरक्षा योजना की जानकारी दिया।

कार्यक्रम में निशा सिंह ब्लॉक समन्वयक, कमला मैम प्रधानध्यपिका, दुर्गा प्रसाद शर्मा, वशिष्ठ, नीलम सिंह, आरती पाण्डेय, पल्लवी तिवारी, पूनम कनौजिया, बबिता पाण्डेय, अशोक कुमार मिश्रा अध्यक्ष साधन सहकारी समिति, कृष्णा कुमार, आकर्ष कुमार, सुनीता, गुड़िया, कंचन, पंचायत सदस्य, स्कूल प्रबंध समिति सदस्य आदि मौजूद रहे।

दीपोत्सव 2023-भगवान राम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक तक के प्रसंगों पर निकलेंगी झांकियां

अयोध्या में दीपोत्सव पर इस बार निकलेंगी 11 झांकियां

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। योगी सरकार द्वारा दीपोत्सव कार्यक्रम की सारी तैयारी हो चुकी है। यहां निकलने वाली पारंपरिक शोभायात्रा की तैयारी तेजी से हो रही है। दीपोत्सव के दिन साकेत महाविद्यालय से शोभायात्रा नगर भ्रमण करते हुए नया घाट चौराहे तक जाएगी। इस बार यहां 11 झांकियां निकाली जाएंगी। भगवान राम के जन्मकाल से लेकर राज्याभिषेक तक की यात्रा इन झांकियों के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी।

11 रथ पर सवार होंगे कलाकार

दीपोत्सव में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रामायण कालीन शिक्षा पर आधारित सामाजिक संदेश देने वाली झांकी होगी। नगर भ्रमण करने वाली झांकियों से संबंधित कलाकार 11 रथ पर सवार होंगे, जो अपनी कला के जरिये रामायण कालीन दृश्यों को जीवंत करेंगे।

11 झांकियों में क्या क्या रहेगा

अयोध्या से 11 ट्रकों की झांकियां निकलेगी। जिसमें पुत्रेष्टि यज्ञ एवं सबको सुरक्षा, भयमुक्त समाज, गुरूकुल शिक्षा एवं बच्चों का अधिकार, बेसिक शिक्षा, राम सीता विवाह एवं बेटियों के विवाह हेतु सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्था, अहिल्या उद्धार एवं मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालम्बन, 1090 एवं 1076 की सुविधा, पंचवटी/वन एवं पर्यावरण, रामेश्वम सेतु एवं प्रम में पुलों का निर्माण, पुष्पक विमान एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, बेहतर वायु कनेक्टिविटी, केवट प्रसंग एवं समाज कल्याण, राम दरबार एवं बेहतर कानून व्यवस्था, शबरी-राम मिलाप एवं महिला कल्याण, लंका दहन एवं अपराधियों एवं भूमाफियाओं के विरुद्ध अभियान की झांकियां होंगी।

8 नवंबर को होगा आयोजन

झांकियों से जुड़ा आयोजन 8 नवंबर को होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल का यह दूसरा दीपोत्सव है, जिसे भव्य और दिव्य बनाने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। करीब 21 लाख दीप जलाकर राम की पैड़ी पर फिर विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आसमान छू रही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति-नन्दी

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने आज संगमनगरी प्रयागराज की पावन भूमि पर प्रदेश की समृद्धि और खुशहाली के लिए सतत समर्पित उत्तर प्रदेश के कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। मंत्री नन्दी मुख्यमंत्री के साथ अनुसूचित जाति वर्ग के महासम्मेलन एवं 3,357 करोड़ की 424 लोक-कल्याणकारी विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मंत्री नन्दी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में उत्तर प्रदेश की चर्चा है, अयोध्या की चर्चा है, क्योंकि आने वाली 22 जनवरी को हम सबके आराध्य प्रभु श्रीराम नवनिर्मित भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। सदियों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है, पीढ़ियों का सपना साकार होने जा रहा है। इस सपने को हकीकत बनाने के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का दुनिया भर के करोड़ों सनातनियों की ओर से अभिनन्दन करता हूँ, हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ! मंत्री नन्दी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और औद्योगिक प्रगति आसमान छू रही है। उत्तर प्रदेश भारत की विकास यात्रा का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2023 में हमने अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों के मेजबानी की हैट्रिक पूरी की है। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, इंटरनेशनल ट्रेड शो और मोटोजीपी जैसे वैश्विक आयोजन सुपरहिट रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास, सांस्कृतिक विकास और आर्थिक विकास की दिशा में निरन्तर ठोस कदमों के साथ आगे बढ़ रही है। आज का यह लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम इसी श्रृंखला का एक हिस्सा है।

श्री नंदी ने कहा कि आज प्रदेश का वर्तमान और भविष्य दोनों सुरक्षित हाथों में है। उत्तर प्रदेश की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल रही है, उत्तर प्रदेश स्वर्णिम उपलब्धियों के शिखर पर है।

मॉकड्रिल का प्रदर्शन आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने में सहायक होगा -धर्मपाल सिंह

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नागरिक सुरक्षा मंत्री श्री धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में आज यहां राजकीय जुबली इण्टर कॉलेज में नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा हवाई हमले के दौरान रात्रि के समय ब्लैक आउट होने पर सुरक्षा से सम्बंधित किये जाने वाले कार्यों पर मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंत्री जी द्वारा नागरिक सुरक्षा विभाग की वेबसाइट का उद्घाटन किया गया एवं नागरिक सुरक्षा के स्वयं सेवकों को उनकी सराहनीय सेवाएं हेतु वर्ष 2022 का निदेशक नागरिक सुरक्षा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

मॉकड्रिल में कृत्रिम रूप से हवाई हमले के दौरान रात्रि के समय क्षेत्र में ब्लैक आउट, हवाई हमला, हमले के बाद घायलों एवं प्रभावित व्यक्तियों को नागरिक सुरक्षा के वार्डेन सेवा के स्वयं सेवकों द्वारा बचाव एवं राहत कार्य का प्रदर्शन किया गया। विभाग द्वारा प्रथम बार हवाई हमले के दौरान शॉक वेब के कारण क्षतिग्रस्त गाड़ी व शीशे बन्द हो जाने के कारण शीशे तोड़कर घायलों को बाहर निकालने और सीपीआर देकर उनकी जान बचाने तथा एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल ले जाने की प्रक्रिया दर्शायी गयी साथ ही युद्ध की स्थिति में लोगों को बंकर में शरण लेते हुए सुरक्षित रखने के उपायों एवं हवाई हमले के दौरान ध्वस्त भवन की दीवार को काटकर लोगों को बाहर सुरक्षित ले जाने का भी प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश के नागरिक सुरक्षा मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने ब्लैक आउट एवं मॉकड्रिल प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन आम जनता को युद्ध, आपदाओं, आपातकालीन एवं अन्य विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु पूर्णतया जागरूक करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि नागरिक सुरक्षा विभाग का मुख्य कार्य किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में नागरिकों की सुरक्षा करना तथा उनमें बचाव के तौर-तरीके विकसित कर प्रशिक्षित करना है। इसी उद्देश्य को लेकर प्रदेश भर में नागरिकों को इन विषम परिस्थितियों में ''क्या करना है व क्या नहीं करना है'' के बारे में जानकारी देते हुए प्रशिक्षित किया जाता है। श्री सिंह ने ब्लैक आउट और मॉकड्रिल के सफल आयोजन के लिए पूरी टीम की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की मॉकड्रिल पूरे प्रदेश के अन्य नागरिक सुरक्षा जनपदों में भी आयोजित करके ज्यादा से ज्यादा आबादी को प्रशिक्षित कर लाभान्वित किया जाय।

इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री रजनीश गुप्ता ने कहा कि नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के नागरिकों को किसी भी प्रकार की आपात स्थिति में सुरक्षा एवं बचाव हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों जैसे-घटना स्थल पर लगी आग को बुझाने में सहयोग, घायलों को प्राथमिक उपचार देने एवं घरों में फंसे नागरिकों का बचाव किये जाने का प्रशिक्षण देने के साथ ही प्रदर्शन के माध्यम से व्यवहारिक ज्ञान भी दिया जाता है। युद्ध के समय हवाई हमलों से बचाव के लिये व्यवहारिक रूप से ब्लैक आउट का कार्यक्रम कराया जाता है, ताकि दुश्मन देश के हवाई आक्रमण हमारे सामान्य जनजीवन को प्रभावित न कर सकें और धन व जन हानि कम से कम हो सके। मॉकड्रिल में नागरिक सुरक्षा के वार्डन सेवा के स्वयं सेवकों द्वारा बचाव एवं राहत कार्य, प्राथमिक चिकित्सा राहत कार्य एवं अग्निशमन राहत कार्य सम्पन्न किया गया। लखनऊ में पहली बार मॉकड्रिल में दीवार कटिंग, मैथर्ड कार रेस्क्यू मेथर्ड बी0ए0 सेट मेथर्ड से घायलों के बचाव के तरीकों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम विशेष सचिव, नागरिक सुरक्षा श्री मनोज कुमार राय, एवं पुलिस महानिदेशक, नागरिक सुरक्षा श्री मुकुल गोयल, संयुक्त सचिव ओम प्रकाश पाण्डेय व अन्य अधिकारीगण की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उप नियंत्रक, चीफ वार्डेन, डिप्टी चीफ वार्डेन सेवा के स्वयं सेवक तथा गणमान्य नागरिक, नागरिक सुरक्षा का स्टाफ एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समस्त पदाधिकारियों द्वारा नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा किये गये कार्यों का उत्साहवर्धन किया गया तथा गणमान्य नागरिकों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। इस कार्यक्रम में श्रीमती अनिता प्रताप, उप नियंत्रक, नागरिक सुरक्षा लखनऊ श्री अमरनाथ मिश्रा, चीफ वार्डेन, श्री सरदार गुरप्रीत सिंह सेठी, डिप्टी चीफ वार्डेन नागरिक सुरक्षा लखनऊ, श्री ऋतुराज रस्तोगी, स्टाफ आफिसर टू चीफ वार्डेन श्री मनोज वर्मा, सहायक उप नियंत्रक (व0वे0), श्री सुमित मौर्य, सहायक उपनियंत्रक (व0वे0), श्री योगेश कुमार, सहायक उपनियंत्रक (व0वे0), श्री ऋषि कुमार, सहायक उपनियंत्रक (व0वे0), श्रीमती ममता रानी, सहायक उपनियंत्रक (व0वे0), श्रीमती रेखा पाण्डेय सहायक उपनियंत्रक (सा0वे0) एवं श्री मुकेश कुमार, सहायक उपनियंत्रक (सा0वे0) नागरिक सुरक्षा लखनऊ उपस्थित रहे। इस अवसर पर 08 जनपदों के कुल 22 स्वयंसेवकों को निदेशक, नागरिक सुरक्षा प्रशस्ति-पत्र वर्ष 2022 से सम्मानित किया गया। इनमें जनपद वाराणसी के श्री अरविन्द विश्वकर्मा पोस्ट वार्डेन प्रखण्ड-कलेक्ट्रेट, श्री अभिषेक जायसवाल पोस्ट वार्डेन प्रखण्ड- भेलूपुर, श्री धर्मेन्द्र कुमार गौतम पोस्ट वार्डेन प्रखण्ड-कोतवाली शामिल हैं। इसी प्रकार जनपद लखनऊ के श्री राकेश कुमार मिश्र स्टाफ आफिसर प्रखण्ड-महानगर, श्री ऋतुराज रस्तोगी, स्टाफ आफिसर टू चीफ वार्डेन तथा श्री मनोज कुमार तिवारी सेक्टर वार्डेन प्रखण्ड चौक को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसी प्रकार गोरखपुर जनपद के श्री शेष नारायण मिश्रा पोस्ट वार्डेन (आ0) प्रखण्ड गोरखनाथ, श्री मिलन अग्रवाल सेक्टर वार्डेन, प्रखण्ड कोतवाली तथा श्री फहीमउद्दीन खां, डिप्टी पोस्ट वार्डेन प्रखण्ड कोतवाली को भी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार जनपद बरेली के कंवलजीत सिंह पोस्ट वार्डेन, श्री जगदीश प्रसाद पोस्ट वार्डेन तथा श्री अंशु कपूर सेक्टर वार्डेन को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इसके अलावा गाजियाबाद के श्री ललित जायसवाल चीफ वार्डेन, श्रीमती पारूल अग्रवाल सेक्टर वार्डेन तथा श्री दीपक अग्रवाल पोस्ट वार्डेन को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इसी प्रकार जनपद प्रयागराज के सुश्री रेनू श्रीवास्तव सेक्टर वार्डेन, श्री आशीष बाजपेयी पोस्ट वार्डेन तथा श्री रौनक गुप्ता स्टाफ आफिसर को भी प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इसी प्रकार जनपद सहारनपुर के श्री अरूण कुमारी सूरी पोस्ट वार्डेन, प्रखण्ड सिविल लाइन तथा जनपद आगरा के श्री ब्रजभूषण शर्मा स्टाफ ऑफिसर (वार्डेन सेवा), श्री यामीन वारसीन पोस्ट वार्डेन तथा श्री मो0 अरशद खान पोस्ट वार्डेन को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षात्मक उपायों को अपनाया जाय-दयाशंकर सिंह

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को शीत ऋतु में स्मॉग एवं कोहरे के दृष्टिगत होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु अपनाये जाने वाले उपायों के संबंध में निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि शीत ऋतु के दौरान स्मॉग एवं कोहरे की दृष्टिगत प्रायः सड़क दुर्घटनाओं के घटित होने की सम्भावना बनी रहती है इसलिए एनसीआर क्षेत्र के समस्त जनपदों में स्मॉग के कारण सड़कों पर दृश्यता कम होने के कारण घटित होने वाली दुर्घटनाओं को रोके जाने हेतु विभिन्न तरह के सुरक्षात्मक उपायों को अपनाया जाय। जैसे वाहनों में रेट्रो-रिफ्लेटिव टेप मानक के अनुरूप लगे हों। रेट्रो-रिफ्लेटिव टेप न लगे होने/मानक अनुरूप न होने से खराब दृश्यता के कारण प्रायः सड़क दुर्घटनायें घटित हो जाती है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि ट्रैक्टर-ट्राली एवं मंडियों में चलने वाले तथा चीनी मिलों में गन्ना ढुलाई के कार्य में संलग्न ट्रैक्टर ट्रालियों तथा माल वाहनों का उपयोग सभी प्रकार के मार्गों यथा-राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों, मुख्य जिला मार्गों तथा अन्य मार्गों पर भी होता रहता है। ट्रैक्टर-ट्राली की गति कम होने तथा आगे-पीछे पर्याप्त लाइट व रेट्रो रिफ्लेटिव टेप न लगे होने के कारण रात में तेज गति से चलने वाले वाहन चालकों को असुविधा होती है। उन्होंने कहा कि प्रायः देखा गया है कि खराब हालात वाले ट्रैक्टर-ट्राली के चालक ट्रैक्टर-ट्राली को सड़क से बाँयी ओर पार्किंग स्थान पर वाहन को खड़ा न करके सड़क पर कहीं भी वाहन को खड़ा कर देते हैं, जो कोहरे में कम दृश्यता के कारण दुर्घटना का कारण बन जाते हैं। ऐसे वाहन स्वामियों को जागरूक किया जाना अत्यन्त जरूरी है। परिवहन मंत्री ने निर्देश दिये कि सड़क सुरक्षा टीम इसके लिए एनएचआई लोक निर्माण विभाग, यूपीडा, उपशा तथा यीडा के सभी टोल प्लाजा पर 24 घंटे गुजरने वाले वाहनों को आडियो संदेश के माध्यम से जागृत किये जाने तथा मार्गों पर पुलिस के साथ-साथ सड़क निर्माण एजेंसी के स्वामित्व वाली पेट्रोलिंग वाहनों द्वारा निरन्तर पेट्रोलिंग कर चालकों को जागरूक किये जाने की आवश्यकता है। कोहरे में कम दृश्यता के कारण बन तेज गति भी दुर्घटना का कारण बन जाती है, इसलिए वाहन चालकों को शीत ऋतु में कोहरे की स्थिति के अनुसार रात्रि में धीमी गति से वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया जाये। ओवर स्पीडिंग वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई करें।

परिवहन मंत्री ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करते समय पंजीयन अधिकारी द्वारा मानक अनुरूप रेट्रो-रिफलेक्टिव टेप का लगाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि बिना मानक के अनुरूप रेट्रो-रिफलेक्टिव टेप लगे वाहनों को फिटनेस प्रमाण पत्र जारी न किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर सफेद रंग की लाइन / पट्टी कोहरे में वाहन चलाते समय काफी सहयोगी सिद्ध होती है। सफेद रंग की लाइन/पट्टी एक अवधि के बाद धूमिल हो जाती है। इसके लिए यह आवश्यक है कि समस्त सड़क निर्माण एजेंसियों/विभागों यथा-एन0एच0ए0आई0, लोक निर्माण विभाग, यूपीडा, उपशा तथा यीडा घने कोहरे के मौसम के प्रारम्भ होने से पूर्व सड़को/मार्गों पर सफेद रंग की लाइन/पट्टी का पेंट अनिवार्य रूप से कराया जाने हेतु स्थानीय स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से प्रत्येक जनपद में कार्यवाही करायें।

यूपीपीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब द्वारा पांचवीं विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। यूपीपीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब के सचिव पंकज दीक्षित द्वारा अवगत कराया गया पीडब्ल्यूडीस्पोर्ट्स क्लब द्वाराआयोजित विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता पांचवा पीडब्ल्यूडी कप का शुभारंभ श्री अरविंद कुमार जैन प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा सहारा पीडब्ल्यूडी स्टेडियम लखनऊ में रविवार को किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता ग्रामीण सड़क श्री वी के श्रीवास्तव श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, मुख्य अभियन्ता (मु0-1), वह मुख्य अभियंता राष्ट्रीय मार्ग श्री परवेज अहमद डिप्लोमा इंजीनियर संघ के अध्यक्ष एन डी द्विवेदी महामंत्री, प्रकाश चन्द्र, प्रान्तीय उपाध्यक्ष, श्रवण कुमार, राजऋर्षि त्रिपाठी, टेक्निकल एसोसिएशन, के महामंत्री के , प्रान्तीय अध्यक्ष मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन, प्रमुख अभियन्ता कार्यालय बीरेन्द्र कुमार, मिनीस्ट्रीयल एसोसिएशन, वृत्तीय कार्यालय के प्रान्तीय अध्यक्ष सुनील यादव चालक संघ के क्षेत्रीय महामंत्री सुभाष क्षेत्रीय अध्यक्ष, चालक संघ, मनोज कुमार रावत वह पीडब्ल्यूडी स्पोर्ट्स क्लब के कमेटी सदस्य सदस्य मैनेजर विनय शुक्ला महामंत्री पंकज यादव कोषाध्यक्ष शिवेश मोहन कमल सिंह अखंड सिंह विवेक यादव विपिन सिंह अभिजीत सिंह सभी लोग उपस्थित रहे। पांचवें पीडब्ल्यूडी क्रिकेट टूर्नामेंट का प्रथम मैच प्रयागराज और गोरखपुर के बीच सहारा सीएसडी ग्राउंड पर खेला गया, जिसमें गोरखपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया और 20 ओवरों में 194 रन बनाए गोरखपुर की तरफ से सूरज ने 49 और अशोक ने 37 रनों की पारी खेली प्रयागराज की तरफ से चंद्रेश यादव ने 3 विकेट लिया जवाब में प्रयागराज की टीम लक्ष्य का पीछा करते 68 रनों पर ऑल आउट हो गई सूरज को शानदार बैटिंग के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

योग्य प्रशासक थे लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल

मुकेश तिवारी

सरदार वल्लभभाई पटेल एक ऐसी शख्सियत थे। जिन्होंने सिर्फ संकल्प शक्ति और मेहनत के बलबूते पर वो मुकाम बनाया जिसे किसी के लिए भी छू पाना सहज नहीं है। उनकी असाधारण प्रतिभा का ही कमाल था कि एक साथ 562 रियासतों का एकीकरण करके उन्होंने मिसाल कायम की। इस वजह से ही उन्हें आधुनिक भारत का चाणक्य भी कहा जाता है। सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद ग्राम में हुआ था। इनके पिता का नाम झवेर भाई और मां का नाम लाड बाई था। झबेर भाई मूलत बोरसद इलाके के करमसद गांव के रहने वाले थे और खेती किसानी किया करते थे। बल्लभ भाई सहित झवेर भाई के छ संताने थी। वल्लभभाई का बाल्यकाल माता पिता के साथ गांव में ही बीता यही पर इनकी प्रारंभिक शिक्षा हुई। इसके पश्चात माध्यमिक स्तर की शिक्षा उन्होंने नडियाद व बड़ौदा से पूर्ण की। वल्लभभाई के पिता झबेर भाई बड़े साहसी। संयमी और साहसी। संयमी पुरुष थे। वे 1857 की क्रांति के समय घर वालों को बिना बताए तीन वर्ष तक घर से गायब रहे। वही झांसी की महारानी लक्ष्मीबाई और नाना साहिब घोड़ोंपंत की सेना में भर्ती हुए। उन्होंने समस्त उत्तरी भारत का भ्रमण किया तथा स्वतंत्रता के लिए अनेक मर्तबा ब्रिटिश सेना के साथ युद्ध किया। पिता के संयम, साहस, वीरता और राष्ट्र भक्ति के गुण वल्लभभाई को संस्कार में प्राप्त हुए थे। वे बाल्यकाल से ही वक्त के अधिकतम उपयोग तथा अपने दायित्व के प्रति हर पल समर्पित रहते थे। राजनीति में दाखिल होने के पश्चात इन गुणों ने ही वल्लभभाई को हिन्दुस्तान के बिखरे हुए स्वरूप को एक सूत्र में पिरोने के लिए प्रेरित किया। उनकी दृढ़ निर्णय की प्रवृत्ति ने ही उन्हें लौह पुरुष कहलाने का गौरव प्रदान किया तथा योग्य नेतृत्व के गुणों ने सरदार की पदवी से विभूषित करवाया। वल्लभभाई का विधार्थी जीवन अत्यंत परिश्रमी। उज्जवल एवं नैतिकता से पूर्ण रहा। इस स्तर पर ही उनमें भावी जीवन के शुभ लक्षण दिखाई देने लगे थे। वे नाडियाद में अध्ययनरत थे तभी उन्होंने विद्यालय की अव्यवस्थाओं के लिए आंदोलन किया। यहां स्कूल का एक शिक्षक पुस्तकों का कारोबार करता था तथा सभी शिक्षक उससे ही पुस्तक खरीदने के लिए विधार्थियों पर दबाव डालते थे। बल्लभ भाई को शिक्षकों की यह बात उचित नहीं लगी। पटेल ने इसे नैतिकता का हनन मानकर विरोध स्वरूप आंदोलन प्रारंभ कर दिया। अंततः शिक्षकों को झुकना पड़ा। यह उनकी नैतिक सदप्रवृति का बेहतरीन उदाहरण था। अन्याय के प्रति संगठित विरोध की यह शुरूआत थी। बडौदा में आकर वल्लभभाई ने गुजराती विषय लिया। यहां छोटे लाल गुजराती पढ़ाते थे। मगर वे संस्कृत के प्रति अधिक समर्पित थे। हालांकि संस्कृत नही पढ़ने वाले विधार्थियों को छोटे लाल कतई पसंद नहीं करते थे। पटेल जी ने भी संस्कृत नहीं ली थी अतः छोटे लाल उनसे खफा रहने लगे थे। एक दिन छोटे लाल जी ने व्यंग्यपूर्वक कहा आइए महापुरुष कहा से पधारे? इस पर पटेल ने कहा मैं नाडियाद से आया हूं। शिक्षक ने पुनः कहा, संस्कृत छोड़कर गुजराती ले रहे हो। क्या तुम्हें ज्ञात नहीं कि संस्कृत के बिना गुजराती शोभा नहीं देती। शिक्षक की यह बात बल्लभ भाई पटेल को उचित नहीं लगी अतः उन्होंने तपाक से उत्तर दिया। गुरुदेव हम सभी संस्कृत पढ़ते तो आप गुजराती किसे पढ़ाते? पटेल की हाजिरजवाबी से छोटे लाल जी बुरी तरह तिलमिला गए।

वल्लभभाई का अडिग व्यक्तित्व गलत बातों को कभी भी स्वीकार नहीं कर सका। अल्प समय बाद ही एक

अन्य अध्यापक से उनकी नोंक झोंक हो गयी अतः पटेल को स्कूल से निकाल दिया गया। पटेल पुन नाडियाद आ गए। सत्य पर अडिग रहने तथा अन्याय का हर हाल में विरोध करने की उनकी बचपन की प्रवृत्ति ही भविष्य में बिखरे भारत को एकजुट करने का पूर्वाभ्यास सिद्ध हुई। वैसे भी सरदार वल्लभभाई पटेल का कहना था कि एकता के बिना जनशक्ति तब तक एक ताकत नहीं बन सकती। जब तक उसे एकजुट कर सामंजस्य में न लाया जाये। तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है। पटेल जी के व्यक्तित्व में दब्बूपन व दूसरों पर आश्रित रहने के भाव का समावेश कभी नहीं था। वे सदैव स्वतंत्र भाव से नैतिकता की रक्षा करते रहे। अपनी योग्यता ,कार्यव्यवहार, वाक् चातुर्य पर उन्हें पूरा भरोसा था, अपने इन्हीं गुणों के कारण गोधरा में वकालत करते वक्त ही उन्होंने ख्याति अर्जित कि वे हत्या जैसे संगीन मामलों में भी अपने तर्कों से सदैव प्रभावी बने रहते तथा लगभग प्रत्येक मामले में जीतते थे। जुलाई 1917 में बल्लभ भाई गुजरात क्लब के सेक्रेटरी चुने गए इन दिनों गांधीजी बिहार के चंपारण जिले में नील की खेती के अंग्रेज ठेकेदारों और जमीदारों द्वारा शोषित कृषकों के लिए गांव-गांव घूमकर उनके अधिकारों के लिए लड़ रहे थे। उनके इस कार्य का देशव्यापी प्रभाव पड़ रहा था। गांधी जी ने मोतिहारी में चंपारण के चले जाने संबंधी मजिस्ट्रेट का आदेश मानने से दो टूक शब्दों में इंकार कर दिया और अपना काम जारी रखा। उन पर मुकदमा चला और इस मुकदमे में गांधीजी के बयान से देश भर में तहलका मच गया।

वल्लभ भाई व उनके साथियों ने यह बयान समाचार पत्रों में पढ़ा तथा गांधी जी के साहस से काफी प्रभावित हुए। इस घटना के पश्चात गांधीजी के प्रति वल्लभभाई के जहन में आदर भाव बढ़ा। जो उनके भावी राजनीतिक जीवन का सूत्रधार सिद्ध हुआ। वल्लभभाई 19 15 से ही गुजरात सभा के सदस्य थे। इस सभा ने सन 1917 में गोधरा में गांधी जी की अध्यक्षता में एक सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें अनेक नामचीन नेता सम्मिलित हुए तथा प्रायः सभी ने हिंदी व गुजराती में भाषण दिया। यहां तक कि जिन्ना ने भी गुजराती में भाषण दिया। इस सम्मेलन में किसी ने भी अंग्रेजी में भाषण नहीं दिया। साथ ही ब्रिटिश ताज के प्रति वफादारी का प्रस्ताव पारित किया जाना समाप्त करवाया गया तथा इसे अनावश्यक करार दिया गया। अंग्रेजों और अंग्रेजी शासन का ऐसा विरोध पहली मर्तबा हुआ था। इस बीच एक कार्यसमिति का गठन किया गया। जो परिषद का अधिवेशन होने तक कार्य करती रही। इस समिति के गांधी जी स्वयं अध्यक्ष रहे तथा वल्लभभाई को मंत्री नियुक्त किया गया और इसका कार्यालय अहमदाबाद में रखा गया। अब तक देश में होम रुल की स्थापना हो चुकी थी और सारे देश में बेगार विरोधी आंदोलन गति पकड़ रहा था। परिषद का मंत्री होने के कारण उक्त कार्यक्रम को सफल करने का दायित्व वल्लभभाई पर ही था। वल्लभभाई ने अत्यंत ही उत्साह से कार्य प्रारंभ किया तथा कमिश्नर के साथ पत्र व्यवहार किया। शुरूआत में तो कमिश्नर ने ना - नुकुर की मगर वल्लभभाई ने सात दिन तक का नोटिस देकर स्पष्ट कर दिया कि यदि समय से उत्तर न दिया। तो वे हाईकोर्ट के निर्णय के आधार पर बेगार प्रथा को गैर कानूनी ठहराकर लोगों को बेगार देना बंद करने की सूचना दे देंगे। हालांकि कमिश्नर ने नोटिस की समयावधि समाप्त होने से पूर्व ही वल्लभभाई को बुलाकर सारी स्थिति स्पष्ट कर पटेल की इच्छा के अनुसार निर्णय दे दिया। गांधी जी वल्लभभाई की इस उपलब्धि से काफी प्रसन्न हुए। इस घटनाक्रम से गांधी जी के साथ पटेल का संपर्क बढ़ा और पटेल उनके विश्वासपात्र बन गये। पटेल के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उन्होंने वकालत करनी शुरु कर दी। महज तीन वर्षों में वकालत से इतनी धन राशि अर्जित कर ली कि वह आसानी से विदेश जाकर वकालत का अध्ययन कर सकते थे।

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स-05262-230683

मो0- 09415120085

लखनऊ कार्यालय-

फोन- 0522-4028445

मो0- 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com

एकीकृत भारत के निर्माता थे सरदार पटेल

(सरदार पटेल जयंती पर विशेष)

योगेश कुमार गोयल

31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के खेड़ा जिले के नाडियाड में एक किसान परिवार में जन्मे सरदार वल्लभ भाई पटेल को एकता की मिसाल कहा जाता है क्योंकि देश की एकता को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने देश को एकजुट करने में सदैव महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। जिस समय देश आजाद हुआ, तब यह कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा था, जिन्हें एकजुट करना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था। आजाद भारत को एकजुट करने का श्रेय पटेल की राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता को ही दिया जाता है। भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए सरदार पटेल के इसी अविस्मरणीय योगदान को चिरस्थायी बनाए रखने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्तूबर 2014 से उनकी जन्मतिथि 31 अक्तूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाए जाने की घोषणा की गई। तभी से सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

देश की आजादी के उपरांत 500 से भी ज्यादा देशी रियासतों का एकीकरण किया जाना सबसे बड़ी समस्या थी। दरअसल अंग्रेज भारत से जाते-जाते कुटिल चाल चलते हुए करीब 550 देशी रियासतों को खुद ही अपने भविष्य के निर्णय का अधिकार दे गए थे। उसके पीछे उनका उद्देश्य था कि इतनी बड़ी संख्या में रियासतों के स्वायत्त रहते भारत के लिए स्वयं को एकजुट रख पाना बेहद मुश्किल होगा। सरदार पटेल ने अपने 'लौहपुरूष' व्यक्तित्व का परिचय देते हुए इस गंभीर चुनौती को न केवल स्वीकार किया बल्कि बहुत ही कम समय में बड़ी कुशलता से इतनी सारी रियासतों के एकीकरण का कार्य सम्पन्न कराने में सफल भी हुए। उन्होंने आजादी के ठीक पहले पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देशी रियासतों को भारत में मिलाने का कार्य आरंभ कर दिया था। उस समय देशभर में सैंकड़ों ऐसी देशी रियासतें थी, जो स्वयं में सम्प्रभुत्ता प्राप्त थी, जिनका अपना अलग झंडा और अलग शासक था। दोनों ने देशी रियासतों के शासकों को समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना संभव नहीं होगा। इसका असर यह हुआ कि केवल तीन रियासतों को छोड़कर बाकी सभी रियासतों-राजवाडों ने अपनी मर्जी से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। हैदराबाद के निजाम ने जब भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण कराया। बहुत

विरोध होने पर जूनागढ़ का नवाब भागकर पाकिस्तान चला गया और तब जूनागढ़ भारत में मिला लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत की विभिन्न बिखरी हुई रियासतों और भू-भागों के एकीकरण में सरदार पटेल के उल्लेखनीय योगदान के कारण ही उन्हें 'भारत का बिस्मार्क' (जर्मन साम्राज्य का प्रथम चांसलर) भी कहा जाता है। देश की आजादी के बाद पटेल स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री बने। उनका व्यक्तित्व बचपन से ही प्रभावशाली था। हालांकि पढ़ाई-लिखाई में वे औसत हुआ करते थे। उन्होंने दसवीं कक्षा की परीक्षा 22 साल की उम्र में उत्तीर्ण की थी। हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद परिवार में आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने कॉलेज जाने के बजाय आगे की शिक्षा स्वाध्याय से ही प्राप्त की। बैरिस्टर की पढ़ाई उन्होंने लंदन जाकर पूरी की और कॉलेज जाने का अनुभव नहीं होने के बावजूद अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए 36 साल की उम्र में लंदन के मिडिल टेंपल इन में बैरिस्टरी का 36 माह का कोर्स सिर्फ 30 माह में ही पूरा कर लिया और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए उसमें सफलता हासिल की थी, जिससे प्रसन्न होकर वहां की महिलाओं ने ही वल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की थी। भारतीय संविधान के निर्माण में भी पटेल का महत्वपूर्ण योगदान था। वे मूलाधिकारों पर बनी समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने अधिकारों को दो भागों (मूलाधिकार तथा नीति-निर्देशक तत्व) में रखने का सुझाव दिया था। आज जहां देश में हर तरफ भाई-भतीजावाद की राजनीति का बोलबाला है, वहीं देश का यह लौहपुरूष राजनीति में भाई-भतीजावाद के सख्त खिलाफ था और इसका सबसे बड़ा उदाहरण उन्होंने खुद अपने बेटे को राजनीति से दूर रखते हुए दिया भी। इस बात का स्पष्ट उल्लेख मिलता है कि उन्होंने अपने पुत्र दहयाभाई को तब तक यथासंभव दिल्ली से दूर रहने को कहा था, जब तक कि वह स्वयं दिल्ली में रहें। उनके हृदय में ईमानदारी की भावना किस कदर कूट-कूटकर भरी थी, इसका इससे बेहतर बेमिसाल उदाहरण नहीं हो सकता कि उनके निधन के बाद खोजबीन किए जाने पर उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। बगैर लाग-लपेट, सीधा-स्पष्ट, कड़ा और खरा बोलने के लिए विख्यात रहे पटेल ने अपने जीवन में आई तमाम कठिनाईयों से पार पाते हुए सदैव उन पर सफलता हासिल की, इसीलिए उन्हें 'लौहपुरूष' के रूप में जाना जाता है। सरदार पटेल का जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव प्रेरणास्त्रोत के रूप में देशवसियों को प्रेरित करता रहेगा। हार्ट अटैक के कारण यह लौहपुरूष 15 दिसम्बर 1950 को दुनिया से विदा हो गया।